नई दिल्ली
रविवार, 22 जून, 2025
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष
द्वादशी वर्ष : 29, अंक : 68
पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00

मौसम
अधि. 33
न्यून. 27

हरिभूमि
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

अंतिम यात्रा

नमन

प्रस्थान

योग गुरु स्वामी रामदेव, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा समेत हजारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

वैदिक रीति रिवाज के साथ माता परमेश्वरी देवी पंचतत्व में विलीन

अनेक राजनेताओं, सामाजिक संगठनों तथा साधु-संतों ने माता परमेश्वरी देवी जी को श्रद्धांजलि दी

उनके बड़े बेटे कैप्टन रूद्रसेन सिंधु ने उन्हें मुखाग्नि दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

वैदिक पथ के पथिक स्व. चौधरी मित्रसेन जी की धर्मपत्नी माता परमेश्वरी देवी जी का अंतिम संस्कार शनिवार को गांव खांडा खेड़ी में भारत मित्र स्तंभ के पास वैदिक रीति रिवाज के साथ किया गया। उनके बड़े बेटे कैप्टन रूद्रसेन सिंधु ने उन्हें मुखाग्नि दी। इससे पहले श्रद्धांजलि देने पहुंचे ▶▶ शेष पेज 5 पर

माता परमेश्वरी देवी जी का अंतिम संस्कार शनिवार को गांव खांडा खेड़ी में भारत मित्र स्तंभ के पास वैदिक रीति रिवाज के साथ किया गया

स्वामी रामदेव व सभी बेटों ने डाली अंतिम 5 आहुतियां

स्वर्गीय चौधरी मित्रसेन आर्य की समाधि के बराबर ही वैदिक रीति रिवाज से उन्हें पंचतत्व में विलीन किया गया। मंत्रोच्चारण पदमश्री आचार्या डॉ. सुकामा व उनकी टीम ने किया। आखिर की पांच आहुति स्वामी रामदेव, कैप्टन रूद्रसेन सिंधु, वीरसेन, वृतपाल सिंधु, कैप्टन अभिमन्यु, मेजर सत्यपाल व देव सुमन ने डाली।

इन्होंने भी दी श्रद्धांजलि

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देने वालों में प्रमुख रूप से सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष स्वामी आर्यवेश, स्वामी आदित्यावेश, स्वामी प्रणवानंद, स्वामी संपूर्णानंद, स्वामी धनंजय, आचार्य ▶▶ शेष पेज 5 पर

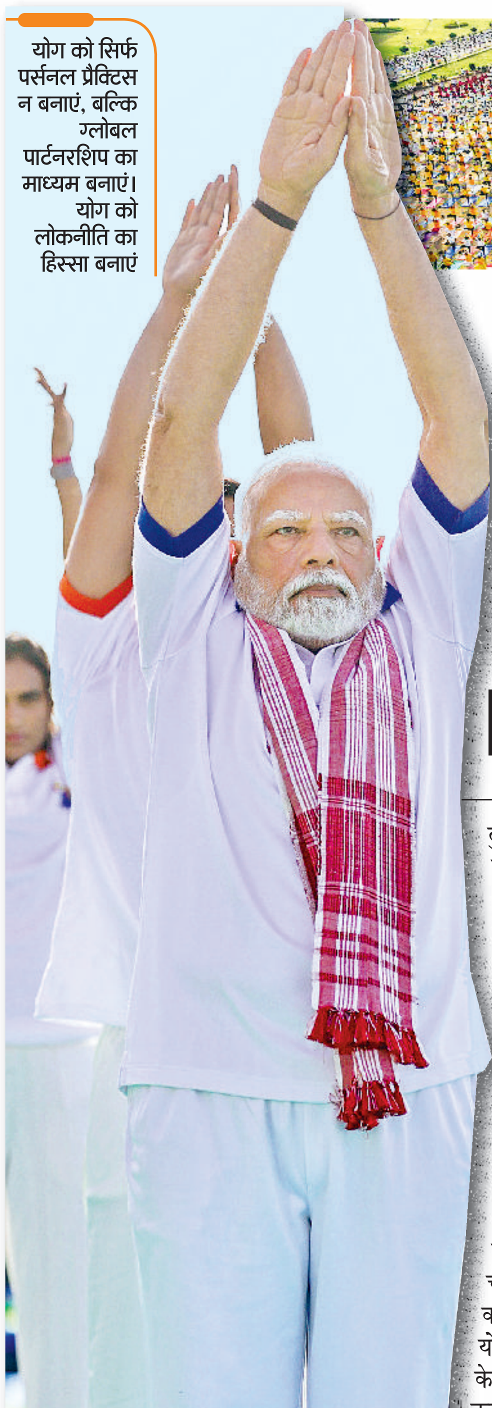

योग को सिर्फ पर्सनल प्रैक्टिस न बनाएं, बल्कि ग्लोबल पार्टनरशिप का माध्यम बनाएं। योग को लोकनीति का हिस्सा बनाएं

मोदी ने विशाखापत्तनम में 3 लाख लोगों और 40 देशों के राजनयिकों के साथ योग किया

पीएम बोले-तनाव से गुजर रही दुनिया के लिए योग पॉज बटन जैसा

191 देशों में 1,300 जगह कार्यक्रम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/विशाखापत्तनम

दुनियाभर में शनिवार को 11वां योग दिवस मनाया गया। पीएम नरेंद्र मोदी ने विशाखापत्तनम में 3 लाख लोगों और 40 देशों के राजनयिक के साथ योग किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि योग का मतलब होता है- जोड़ना। और ये देखना सुखद है कि कैसे योग ने पूरी दुनिया को जोड़ा है। उन्होंने कहा कि आज जब दुनिया में अशांति, तनाव और अस्थिरता बढ़ रही है, तो योग शांति की दिशा दिखाता है।

यह पॉज बटन जैसा। पीएम के साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने भी योग किया। इस बार की योग की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है। इंडियन काउंसिल फॉर कल्चर रिलेशन्स के मुताबिक, 191 देशों में 1,300 जगहों पर 2,000 से ज्यादा योग कार्यक्रम हुए।

आंध्र प्रदेश ने 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' बनाया

50 लाख से ज्यादा योग प्रमाणपत्र भी बांटे गए

इसी के साथ आंध्र प्रदेश सरकार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। प्रोग्राम में 50 लाख से ज्यादा योग प्रमाणपत्र भी बांटे गए। आंध्र प्रदेश सरकार ने भी योग आंध्र अभियान शुरू किया है। इसका मकसद है राज्य में 10 लाख लोगों की रोजाना योग करने वाली कम्युनिटी बनाना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कही 5 बड़ी बातें

1. योग करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बना
आज योग करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। मुझे गर्व होता है जब मैं देखता हूं कि हमारे दिव्यांग साथी ब्रेल में योग शास्त्र पढ़ते हैं। वैज्ञानिक अंतरिक्ष में योग करते हैं। गांव-गांव में युवा साथी योग ओलिंपियाड में भाग लेते हैं।

2. योग सभी का है, सभी के लिए है
अभी नेवी के जहाज में भी योग कार्यक्रम चल रहा है। चाहे ओपेरा हाउस की सीढ़ियां हों, या एवरेस्ट की चोटियां, या समुंदर का विस्तार हो एक ही संदेश आता है कि योग सभी का है और सभी के लिए है।

3. योग शांति का रास्ता दिखाता है
दुर्भाग्य से दुनिया तनाव, अशांति और अस्थिरता से गुजर रही है। कई क्षेत्रों में यह स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे समय में योग हमें शांति का रास्ता दिखाता है। योग उस पॉज बटन की तरह है जिसकी इंसानियत को जरूरत है- ताकि हम रुक सकें, सांस ले सकें, संतुलन बना सकें और फिर से खुद को पूर्ण महसूस कर सकें।

4. 'मी टु वी' का भाव भारत की आत्मा का साथ
योग को सिर्फ पर्सनल प्रैक्टिस न बनाएं, बल्कि ग्लोबल पार्टनरशिप का माध्यम बनाएं। योग को लोकनीति का हिस्सा बनाएं। जब जनता लक्ष्य को थाम लेती है तो उस लक्ष्य की प्राप्ति से हमें कोई रोक नहीं पाता। आपके प्रयास यहां इस आयोजन में नजर आ रहे हैं। 'मी टु वी' का भाव भारत की आत्मा का साथ है।

5. भारत में योग के प्रचार के लिए साइंस का साथ
भारत विश्व में योग के प्रसार के लिए योग विज्ञान में आधुनिक रिसर्च को बढ़ावा दे रहा है। हम योग के क्षेत्र में प्रमाण आधारित थेरेपी को भी बढ़ावा दे रहे हैं। इस दिशा में दिल्ली एम्स ने सराहनीय काम किया है। आज 'हील इन इंडिया' का मंत्र भी दुनिया में काफी पॉपुलर हो रहा है। भारत बेस डेस्टिनेशन बन रहा है। योग की इसमें बड़ी भूमिका है।

देहरादून में राष्ट्रपति मुर्मू

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजधानी देहरादून की पुलिस लाइन में आयोजित राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने योगाभ्यास कर उत्तराखंड का मान बढ़ाया। कार्यक्रम में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) और कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल भी मौजूद रहे

अहमदाबाद में गृह मंत्री शाह

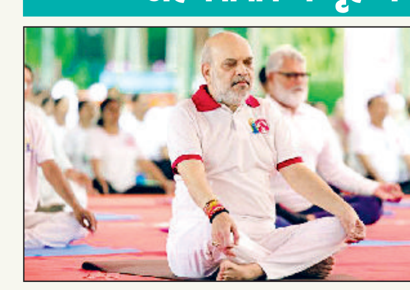

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित योग सत्र में भाग लिया

दिल्ली के कर्तव्य पथ पर जेपी नड्डा

दिल्ली के कर्तव्य पथ पर योग दिवस कार्यक्रम में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पहुंचे। नड्डा ने कहा कि दुनिया में योग चेतना बढ़ी है। योग ने लोगों के जीवन में बदलाव किया है। योग ने सकारात्मक योगदान किया है। योग आत्मा और परमात्मा का जुड़ाव है

राजनयिकों के साथ विदेश मंत्री जयशंकर

दिल्ली में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भारत में दुनिया भर के राजनयिक मिशनों के गणमान्य व्यक्तियों के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित योग कार्यक्रम में शामिल हुए

अब तक 827 भारतीय नागरिकों की हुई वतन वापसी

ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से जारी भारतीयों के स्वदेश लौटने का सिलसिला

ईरान में श्रीलंका और नेपाल के नागरिकों की वतन वापसी में भी मदद करेगा भारत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

इजरायल-ईरान के बीच भीषण युद्ध की वजह से भारत ने दोनों देशों से ऑपरेशन सिंधु के तहत अपने नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी की कवायद शुरू कर दी है। जिसमें मदद प्रदान करने के लिए ईरान ने भारत के लिए अपनी हवाई सीमा खोल दी है। अब तक विभिन्न विशेष विमानों के जरिए कुल 827 भारतीय ईरान से सुरक्षित स्वदेश पहुंच गए हैं। जल्द ही और फ्लाइट भी नई दिल्ली पहुंचेंगी। जिसके बाद देश पहुंचने वाले भारतीयों की संख्या में और अधिक इजाफा देखने को मिलेगा। वहीं, श्रीलंका और नेपाल की सरकारों के अनुरोध पर अब भारत ईरान से अपने नागरिकों के साथ उनके लोगों की भी सुरक्षित निकासी में मदद प्रदान करेगा। ईरान में भारतीय दूतावास ने बताया कि भारत के दोनों पड़ोसी देशों के नागरिकों ने हमारे टेलीग्राम चैनल और हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर हमसे मदद मांगी है। दूतावास उन्हें सहयोग ▶▶ शेष पेज 5 पर

योगमय हुई दिल्ली

आम से लेकर खास लोगों ने मनाया योग दिवस

नई दिल्ली। दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर आम से खास लोग योग कार्यक्रमों में योग करते हुए नजर आए। जानकारी के अनुसार सैकड़ों जगहों पर योग दिवस मनाया गया। योग कार्यक्रमों में आम और खास सभी लोगों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और इस दौरान लोगों में उत्साह दिखाई दिया। हर गली-कस्बे में लोग योग करते हुए नजर आए और योग करते हुए अनेकों लोगों ने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें साझा की।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना किनारे किया योग, हजारों लोग हुए शामिल

योग सिर्फ व्यायाम नहीं, बल्कि भारतीय जीवनशैली का हिस्सा : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

योग सिर्फ व्यायाम नहीं, बल्कि भारतीय जीवन शैली का हिस्सा है। योग दिवस को केवल एक दिन का आयोजन मानने के बजाय, इसे अपनी रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए, क्योंकि स्वस्थ नागरिक ही एक समृद्ध राष्ट्र की बुनियाद होते हैं। यह बातें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर वॉटर स्पोर्ट्स क्लब, सोनिया विहार के यमुना तट पर आयोजित योग कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। 'योग विद यमुना' की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने न सिर्फ योग किया, बल्कि अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विश्व पटल पर योग को प्रतिष्ठा दिलाने के प्रयासों के लिए भी धन्यवाद किया। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, सांसद मनोज तिवारी, विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, मुख्य सचिव धर्मेंद्र सहित अनेक अधिकारी, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, स्कूलों के बच्चे, स्थानीय नागरिक और योग प्रशिक्षक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने योग दिवस कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि आयोजन की योजना बनाते समय दिल्ली सरकार के प्रत्येक विभाग ने पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ अपनी भूमिका निभाई है। चाहे स्टेडियमों में योग सत्र आयोजित करने की बात हो, आरोग्य मंदिरों में योग कार्यक्रम हों या अन्य स्थानों पर योग शिविर, हर विभाग ने इस आयोजन को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सभी ने अपने अपने आयोजन के लिए उन्हें आमंत्रित किया, लेकिन उन्होंने यमुना तट पर योग करने का निर्णय लिया, क्योंकि यमुना उन्हें उनके कर्तव्यों की याद दिलाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम में शामिल सभी लोग क्षेत्र की आम जनता हैं, कोई पेशेवर नहीं और यही इसकी असली ताकत है।

प्रदूषण मुक्त यमुना पूरी दिल्ली में बहे यही हमारी सरकार का लक्ष्य : सीएम

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसी स्वच्छ और शांत यमुना यहां बह रही है, वैसी ही जल से भरपूर और प्रदूषण मुक्त यमुना पूरी दिल्ली में बहे यही हमारी सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक द्वारा यमुना से हजारों टन जलकुंभी हटाई गई है और अब इस प्रक्रिया को और बड़े स्तर पर लागू किया जाएगा।यमुना की सफाई के लिए कई बिंदु पर काम चल रहा है साथ ही, यमुना में क्रूज़ सेवा जल्द शुरू की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा मां यमुना की सफाई के लिए जो ठोस और ईमानदार प्रयास होने चाहिए थे, वे नहीं हुए। उन्होंने आगे कहा कि नालों से गिरने वाला गंदा पानी यमुना में जाने से रोका जाएगा और हर बूंद जल स्वच्छ होकर ही यमुना में गिरे, इस दिशा में हमारी सरकार गंभीरता से काम कर रही है।

सभी मिलकर यमुना की सफाई में निभाए भागीदारी : सीएम

मुख्यमंत्री ने जनता से यमुना की सफाई में भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि यमुना दिल्ली की जीवनधारा है, और इसे निर्मल एवं अविरल बनाने के लिए सिर्फ सरकार नहीं, बल्कि समाज की भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हजारों करोड़ रुपये की लागत से डिसेंट्रलाइज्ड एसटीपी, सीवर लाइन, पाइप लाइन और अन्य बुनियादी ढांचे पर तेजी से काम किया जा रहा है ताकि यमुना की अविरलता और निर्मलता सुनिश्चित की जा सके।

दिल्ली पुलिस के सभी जिलों और यूनिटों में किया गया योगाभ्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के सभी जिलों और महत्वपूर्ण यूनिटों में शनिवार को इंटरनेशनल योग दिवस मनाया गया। इसमें पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा समेत तमाम बड़े अफसरों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सीपी ने पुलिस मुख्यालय में योगाभ्यास किया। इसके अलावा जिलों के डीसीपी ने अपने मातहतों के साथ ऑफिस प्रांगण में योगाभ्यास किया। दिल्ली पुलिस अकेडमी में भी बड़े स्तर पर अधिकारियों और कर्मियों ने योगाभ्यास किया। 2015 से विश्व स्तर पर मनाया जाने वाला यह वार्षिक कार्यक्रम योग की प्राचीन भारतीय प्रथा का सम्मान करता है। 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऐतिहासिक संबोधन के बाद 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया गया था। यह दिन जो ग्रीष्म संक्रांति के साथ मेल खाता है, मानवता और प्रकृति के बीच सामंजस्य का प्रतीक है। पुलिस बल के भीतर कल्याण और तनाव प्रबंधन के लिए अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए दिल्ली पुलिस ने भी इसे बड़े पैमाने पर आयोजित किया। इस कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त, विशेष आयुक्तों, संयुक्त आयुक्तों और बड़ी संख्या में उपायुक्तों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। सुबह के सत्र में विशेषज्ञ योग प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को आसन, प्राणायाम (श्वास तकनीक) और विश्राम प्रथाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से मार्गदर्शन किया। जो सभी इस अवसर के लिए जारी किए गए सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुरूप थे। पुलिस मुख्यालय में करीब 432 अधिकारियों और कर्मियों ने सत्र में भाग लिया। नॉर्थ वेस्ट जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने जिले के अन्य अफसरों व कर्मियों के साथ योगाभ्यास किया।

योग सत्र वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का है जीवंत प्रमाण: प्रवेश

दिल्ली के लोक निर्माण और जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने त्यागराज स्टेडियम में योग किया। उन्होंने योग दिवस पर एक्स पर कहा कि यह सिर्फ एक योग सत्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना का जीवंत प्रमाण है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व ने स्वीकार किया है। प्रवेश वर्मा ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। प्रवेश वर्मा ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों से आज योग एक वैश्विक जन-आंदोलन बन चुका है, जो न केवल शरीर को स्वस्थ करता है, बल्कि मन, विचार और जीवन को भी संतुलित करता है।

योग है भारत की संस्कृति की सॉफ्ट पावर: सूद

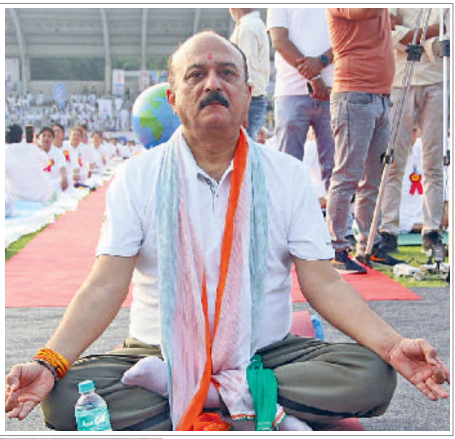

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने छत्रसाल स्टेडियम में हुए योग के भव्य समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि योग भारत की संस्कृति की सॉफ्ट पावर है। हम सब के लिए एक जीवन पद्धति के रूप में, एक ऐसी पद्धति के रूप में जो हमें सुखमय और स्वस्थ जीवन का रास्ता दिखा सकता है, उसका मार्ग प्रशस्त करता है।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने किया योगाभ्यास

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने अशोक नगर के हॉकी ग्राउंड में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व किया। इस मौके पर उन्होंने स्थानीय निवासियों, युवा समूहों और वरिष्ठ नागरिकों के साथ योगाभ्यास किया। सिरसा ने इस अवसर पर कहा कि हम 11 साल बाद उत्साह से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं।

सीएम ने नौका पर किया योग

मुख्यमंत्री ने यमुना तट पर 'योग विद यमुना' थीम के तहत युवाओं को नौकाओं पर योग करते देखकर इसे अत्यंत प्रेरणादायक बताया। सीएम ने भी युवाओं के साथ एक नौका पर योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा कि 'वन अर्थ, वन हेल्थ' जैसी थीम हमें एक सूत्र में बांधती है। उन्होंने इस ऐतिहासिक अवसर पर खुशी व्यक्त की कि वर्षों बाद दिल्ली में भाजपा सरकार के नेतृत्व में पहली बार दिल्ली सरकार के बैनर तले इतना भव्य आयोजन हो रहा है, जिसमें 20 हजार से अधिक लोग भाग ले रहे हैं जो स्वयं में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

योग मन को शांत रखने की एक सशक्त साधना : डॉ. पंकज

योग केवल शारीरिक व्यायाम का माध्यम नहीं है, बल्कि यह जीवन को ऊर्जावान बनाने और मन को शांत रखने की एक सशक्त साधना है। यह बात शनिवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दीन दयाल उपाध्याय पार्क, डीडीयू मार्ग पर आयोजित योग दिवस समारोह में भाग लेने के दौरान कही।

दिल्ली को स्वस्थ और नशा मुक्त बनाने का लें संकल्प : रविंद्र इंद्राज

दिल्ली के समाज कल्याण विभाग मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बवाना स्टेडियम में आयोजित भव्य कार्यक्रम में योगाभ्यास किया। इस दौरान मंत्री इंद्राज ने कहा कि योग व्यक्ति को संयमित, अनुशासित और सकारात्मक बनाता है।

भाजपा नेता योग कार्यक्रमों में हुए शामिल

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर नई दिल्ली के पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष एवं भाजपा के वरिष्ठ केंद्रीय नेताओं के साथ दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा भी शामिल हुए। भाजपा के सांसद, विधायक, पार्षद, प्रदेश, जिला एवं मंडल सभी स्तर के कार्यकर्ता आज पार्टी अथवा सरकारी कार्यक्रमों में शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष सचदेवा ने कहा कि दिल्ली भाजपा के सभी 256 मंडलों में योग दिवस कार्यक्रम हुए जिनमें सांसद एवं विधायकों के साथ समिति अध्यक्ष तक सम्मिलित हुए।

नई दिल्ली। सांसद बाँसुरी स्वराज ने पुराना किला परिसर में योग दिवस कार्यक्रम में योग कर युवाओं को नियमित योग करने के लिए आमंत्रित किया।

एलजी सक्सेना ने किया योग

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अवसर पर दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा बांसेरा में आयोजित कार्यक्रम में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने हिस्सा लिया और योग किया। इस मौके पर एलजी सक्सेना के अलावा डीडीए उपाध्यक्ष एन. सरवण कुमार, अर्धसैनिक बलों, सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, दिल्ली पुलिस के अधिकारी, योग बंधन कार्यक्रम के तहत मलेशियाई प्रतिनिधि और डीडीए के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी योगाभ्यास किया। अपने संदेश में उपराज्यपाल सक्सेना ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति व परंपरा का अभिन्न अंग रहा है। आज हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से पूरा विश्व 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि आइए हम योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाए और खुद के साथ समाज को भी स्वस्थ बनाए। डीडी के अनुसार प्राधिकरण ने दिल्ली भर में 39 स्थानों पर जिनमें डीडीए खेल सुविधा परिसर व पब्लिक पार्कों में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

दिल्ली नगर निगम ने डॉ. अंबेडकर स्टेडियम में किया योग कार्यक्रम का आयोजन

दिल्ली नगर निगम ने डॉ. अंबेडकर स्टेडियम में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह, स्थायी समिति अध्यक्ष, सत्या शर्मा, मध्य ज़ोन अध्यक्ष योगिता सिंह, निगम आयुक्त अश्वनी कुमार, अतिरिक्त आयुक्त और क्षेत्रीय उपायुक्त उपस्थित थे। यहां महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि योग हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह भारतीय संस्कृति की अमूल्य विरासत है, जो शरीर, मन और आत्मा में संतुलन लाती है। सभी को नियमित रूप से योग करना चाहिए। स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने सभी नागरिकों से योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और एक स्वस्थ भारत में योगदान देने की अपील की। वहीं, निगम आयुक्त अश्वनी कुमार ने दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों, कर्मियों एवं स्कूली बच्चों से अपने जीवन में योग को अपनाने और नियमित रूप से इसका अभ्यास करके अपने शरीर और मन को स्वस्थ बनाने का आग्रह किया।

अधिकारियों पर आरोप लगाकर 2000 करोड़ के घोटाले से बच नहीं सकते सिसोदिया: यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आम आदमी पार्टी की सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया पर निशाना लगाते हुए कहा कि बेशक अधिकारियों पर आरोप लगाकर अपना पल्ला झाड़ लें लेकिन सिसोदिया बच नहीं सकते। यादव ने कहा कि भ्रष्टाचारी पूर्व मंत्री सिसोदिया अब आरोप लगा रहे है कि सब अधिकारियों का किया धरा है, लेकिन इससे वह 12748 क्लॉस रुम निर्माण के 2000 करोड़ के घोटाले के भ्रष्टाचार से खुद को बचा नही सकते। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता यदि पिछली सरकार की कारगुजारियां की पूरी ईमानदारी से जांच करवाएं तो बहुत जल्द जमानत पर रिहा आप पार्टी के अधिकांश नेता फिर से सलाखों के पीछे पहुंच जाएगें। यादव ने कहा कि भ्रष्टाचारी आम आदमी पार्टी के नेता व पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने एसीबी के 37 सवालों पर अपनी जवाबदेही और जिम्मेदारी से बचने के लिए सरकारी अधिकारियों को क्लास रूम निर्माण के दोषी बताते हुए कहा है कि सभी तरह के निर्माण की मंजूरी अफसरों ने दी थी। यादव ने याद दिलाया कि सिसोदिया यह भूल गए है कि अंतिम मंजूरी मंत्री के हस्ताक्षर के बाद ही होती है।

आरोपी संदीप को पानीपत जबकि इंदरपाल को उत्तर प्रदेश के कैराना से दबोचा

फर्जी जीएसटी फर्म संचालित करने के आरोप में वकील समेत दो अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में फर्जी माल एवं सेवा कर (जीएसटी) कंपनियां बनाकर नकली बिल जारी करने के आरोप में एक वकील समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोपियों की पहचान हरियाणा के पानीपत निवासी संदीप (27) और दिल्ली के बुराड़ी निवासी वकील इंद्रपाल (45) के रूप में हुई है।

डीसीपी अमित गोयल के अनुसार आरोपियों ने पैन कार्ड, आधार कार्ड, सिम कार्ड, रेंट एग्रीमेंट और ईमेल आईडी जैसे वास्तविक पहचान दस्तावेजों का उपयोग कर फर्जी जीएसटी फर्मों का पंजीकरण कराया। उनका इस्तेमाल नकली बिल बनाने में किया जाता था। यह मामला तब सामने आया जब शिकायतकर्ता सुमित ने जीएसटी पंजीकरण के लिए अपने पैन कार्ड का उपयोग किया। तब उसे यह पता चला कि उसके नाम पर बिना उसकी जानकारी या सहमति के दो जीएसटी नंबर पहले ही जारी हो चुके थे। सुमित ने आरोप लगाया कि ये कंपनियां अलग-अलग नामों से सक्रिय रूप से कारोबार कर रही थी और अब तक करोड़ों रुपये का कारोबार कर चुकी थी, जिससे उसे आर्थिक और प्रतिष्ठात्मक नुकसान हुआ। मामला दर्ज किया गया और जांच के दौरान जीएसटी विभाग के आंकड़ों से शिकायतकर्ता के पैन से जुड़े दो जीएसटी नंबर जारी होने की पुष्टि हुई। आरोपी संदीप को पानीपत से जबकि इंदरपाल को उत्तर प्रदेश के कैराना से गिरफ्तार किया गया है।

मकोका केस में वांटेड अपराधी पांच साल बाद हुआ गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच की दक्षिणी रेंज ने मकोका मामले में घोषित अपराधी को पांच साल की फरारी के बाद गिरफ्तार किया है। बदमाश का नाम सूरज उर्फ माइकल बताया गया है। इसे 2020 में अंबेडकर नगर थाने में दर्ज मकोका मामले में भगौड़ा घोषित किया गया था। मदनगीर निवासी बदमाश कुख्यात 'ठक-ठक' गिरोह का जाना-माना सदस्य है। वह लंबा चौड़ा आपराधिक इतिहास रहा है। डकैती, सेंधमारी, मोटर वाहन चोरी और अवैध हथियार रखने सहित लगभग 30 मामलों में वह शामिल था। पुलिस ने वर्ष 2020 में गिरोह के सरगना पी. सिल्वा और सूरज सहित अन्य सहयोगियों के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत अंबेडकर नगर थाने में केस दर्ज किया था। जांच में पता चला था कि गिरोह चोरी, स्नैचिंग और सशस्त्र डकैती जैसी सुव्यवस्थित आपराधिक गतिविधियों में लिप्त था। कानून के प्रति उनकी अवहेलना और सिंडिकेट-शैली की कार्यप्रणाली ने मकोका प्रावधानों को लागू करने के लिए प्रेरित किया। जांच के दौरान गिरोह के अन्य बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया था जबकि सूरज गिरफ्तारी से बचता रहा। इसे इंद्रपुरी इलाके में ट्रैक किया गया था। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि पी. सिल्वा का लंबे समय से सहयोगी रहा है। 2013 से ठक-ठक गिरोह का सक्रिय सदस्य होने की बात भी इसने स्वीकारी है। लगभग एक दशक पहले गंभीर सड़क दुर्घटना का शिकार होने के बावजूद वह आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा और कई बार जेल गया।

दिल्ली सचिवालय में सीएम ने दो पुस्तकों का किया विमोचन

नई दिल्ली। मेरा एक ही ध्येय है कि दिल्ली को उसकी वास्तविक पहचान मिले। इसके लिए मैं और मेरी सरकार पूरी मेहनत कर रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह विचार शनिवार को दो पुस्तकों के विमोचन के अवसर पर व्यक्त किए। दिल्ली सचिवालय में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जीना चहल धनकड़ की पुस्तक 'ही कॉल मी मामा' और चन्द्रगुप्त कैलाश की पुस्तक 'कर्म विज्ञान' का विमोचन किया। इस अवसर पर सांसद बांसुरी स्वराज, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, दिल्ली सरकार के मंत्री व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह दिल्ली को विकसित राजधानी बनाने के लिए कटिबद्ध हैं। हम जनता के बीच में जाकर उनका दुख-दर्द समझ रहे हैं और उन्हें दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। आज दिल्ली सचिवालय सबके लिए खुला है। वरना पहले की सरकार में तो लोग अंदर घुस भी नहीं पाते थे। आज हमने जनता, समाज और सरकार को एक कर दिया है।

50 वारदात में शामिल पांच वाहन चोर पकड़े

नई दिल्ली। पश्चिमी जिला पुलिस ने स्कूटी और बाइक चोरी करने वाले पांच वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनसे 12 स्कूटी और मोटरसाइकिल बरामद की गई। इस गिरफ्तारी के बाद वाहन चोरी के 11 मामलों का खुलासा किया गया है। चोरी के संबंध शाहबाद डेयरी, तिलक नगर, शास्त्री पार्क, हरी नगर, डाबड़ी, कीर्ति नगर, नारायणा, लाजपत नगर थाने में केस दर्ज थे। गिरफ्तार आरोपियों के नाम साहिल उर्फ लीला, जतिन पाहवा, अस्मित लांबा, ऋषि और अर्जुन पासवान हैं। सभी तिलक नगर, रमेश नगर, अशोक विहार, अंबेडकर नगर और मंगलापुरी के रहने वाले हैं।डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार सबसे पहले तिलक नगर पुलिस ने वाहन चोर साहिल उर्फ लीला को तड़के करीब सवा तीन बजे चोरी की मोटरसाइकिल पर सवार होकर मनोहर नगर गुरुद्वारे के पास से पकड़ा। यह मोटरसाइकिल शाहबाद डेयरी थाना इलाके से चोरी की गई थी। इसकी निशानदेही पर एक चोरी की बाइक और तीन स्कूटी बरामद हुई। उधर कीर्ति नगर पुलिस टीम ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया। सीसीटीवी फुटेज की मदद हत्थे चढ़े इन वाहन चोरों के नाम जतिन पाहवा और अस्मित लांबा पता चलें। इनके पास से चोरी की दो स्कूटी बरामद की गई। नारायणा पुलिस ने ऋषि उर्फ राहुल को गिरफ्तार किया। इसके पास से भी चोरी की स्कूटी बरामद हुई। एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वायड ने विकासपुरी के पंचवटी मार्केट नाला रोड से एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया। उसके पास से बरामद स्कूटी चोरी की निकली, जो तिलक नगर इलाके से चुराई गई थी।

मृतक लोको पायलट के परिवार के लिए वरदान साबित हुआ बीमा

रेलवे वेतन पैकेज समझौते के तहत बीमा करार से मिली एक करोड़ की धनराशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उत्तर रेलवे और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने संयुक्त रूप से मुरादाबाद मंडल के एक मृतक लोको पायलट के परिवार को 1 करोड़ रूपये का चेक सौंपा है। यह राशि एसबीआई के रेलवे वेतन पैकेज के तहत व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (पीएआई) दावे के हिस्से के रूप में प्रदान की गई है।

दिवंगत लोको पायलट एसबीआई के रेलवे वेतन पैकेज-डायमंड वैरिएंट के तहत खाताधारक था, जिसमें रेलवे कर्मियों के लिए बीमा कवरेज शामिल है। दुर्भाग्यपूर्ण निधन के बाद, एसबीआई ने उत्तर रेलवे के साथ समन्वय करके यह सुनिश्चित किया कि बीमा दावे को तेजी से पूरा किया जाए और बिना देरी के परिवार को चेक सौंप दिया जाए।

उत्तर रेलवे और एसबीआई दिल्ली सर्कल के बीच गत फरवरी में हुआ था करार

इस संबंध में मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी और एसबीआई शाखा प्रबंधक रेलवे स्टेशन रोड मुरादाबाद के प्रयास उल्लेखनीय रहा। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा एसबीआई दिल्ली सर्कल के महाप्रबंधक, वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों, एसबीआई प्रतिनिधियों और मृतक के परिवार की उपस्थिति में औपचारिक रूप से चेक प्रदान किया गया।

यह पहल 2 जनवरी, 2025 को उत्तर रेलवे और एसबीआई दिल्ली सर्कल के बीच हस्ताक्षरित रेलवे वेतन पैकेज समझौते का प्रत्यक्ष परिणाम है। कार्यक्रम में बोलते हुए, उत्तर रेलवे और एसबीआई दोनों के अधिकारियों ने कर्मचारी कल्याण के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता और नुकसान के समय परिवारों के साथ खड़े होने के महत्व पर जोर दिया।

मैदानगढ़ी में बिल्डिंग से गिरकर युवक की संदिग्ध हालात में मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण जिले के मैदानगढ़ी इलाके में शनिवार सुबह एक युवक की बिलड़िंग से गिरकर संदिग्ध हालात में मौत हो गई। शुरुआती जांच में पुलिस इसे आत्महत्या के एंगल से देख रही है। लेकिन मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस के अनुसार सुबह एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई जिसमें मैदानगढ़ी से कॉल करने वाले ने बताया कि एक युवक ने बिल्डिंग से कूदकर आत्महत्या कर ली है। मैदानगढ़ी थाने से पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान राज प्रसाद (22) पुत्र स्वर्गीय मनीष कुमार निवासी सुमन चौक, छतरपुर के रूप में हुई। वह फिल्म शूटिंग लाइन में लाइट टेक्नीशियन के रूप में काम करता था। मृतक का परिवार रुद्रपुर, उत्तराखंड से है। परिजनों को इस घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स मोर्चरी भेजा गया है। घटनास्थल का क्राइम टीम ने निरीक्षण किया है। पुलिस उन परिस्थितियों की जांच कर रही हैं, जिनके चलते युवक की मौत हुई। आसपास के लोग इस मौत पर कई सवाल भी खड़े कर रहे हैं।

10 लाख की लूट में शामिल आरोपी पहुंचा सलाखों के पीछे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

साउथ रोहिणी थाना एरिया में हुई 10 लाख रुपये की लूट के सनसनीखेज मामले में वांछित एक फरार अपराधी को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपी राहुल को डी-मॉल, सेक्टर-3, रोहिणी से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार लूट का यह केस 21 मई को सामने आया था, जब एक सीए फर्म के कर्मचारी कुलदीप कुमार अवंतिका मार्केट में एक ट्रेडिंग कंपनी से 10 लाख रुपये नकद इकट्ठा करने के बाद कार्यालय लौट रहे थे। वह जैसे ही सेक्टर 3 के पास महाराजा अग्रसेन मार्ग पर पहुंचे, मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों ने उन्हें रोक लिया और पैसों से भरा उनका बैग छीन भाग गए। जांच के दौरान पुलिस ने पीड़ित द्वारा लिए गए मार्ग पर सीसीटीवी फुटेज स्कैन किया। पता चला कि पहली बाइक पर दो हमलावरों के अलावा, तीन और संदिग्धों को लेकर एक दूसरी मोटरसाइकिल शिकायतकर्ता का पीछा कर रही थी। डकैती में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल रिठाला गांव के निवासी के नाम पर पंजीकृत पाई गई। दो मुख्य बदमाशों की पहचान रिठाला के जतिन तिवारी और राहुल के रूप में हुई। स्थानीय पुलिस ने जतिन तिवारी उर्फ लंगड़ा (22), योगेंद्र सिंह उर्फ राजा (21), अर्सलान पठान (19), प्रिंस उर्फ लल्लू (18), कपिल पटेल (25) और पीयूष सिंह अधिकारी (22) के रूप में पहचाने गए छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी राहुल अपराध करने के बाद से ही गिरफ्तारी से बच रहा था। इसने खुलासा किया कि नकदी के बारे में टिप-ऑफ उसी सीए फर्म के पूर्व कर्मचारी योगेंद्र द्वारा दी गई थी। उसे फर्म की वित्तीय गतिविधियों के बारे में पूरी जानकारी थी।

अब सिटी फारेस्ट होगा नए लुक में, विदेशों जैसा होगा नजारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

यदि सबकुछ ठीक ठाक रहा तो आने वाले दिनों में सिटी फॉरेस्ट नए लुक में दिखाई देगा। इसके लिए जीडीए ने कवायद शूरू कर दी है। शनिवार को प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान एक निजी एजेंसी ने इसके लिए अपना प्रस्तुतिकरण दिया। बैठक के बाद जीडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि सिटी फारेस्ट को नए लुक में विकसित करने की दिशा में कदम उठाया जा रहा है। जहां पर न केवल हर तरफ हरियाली नजर आएगी, बल्कि विदेशों और पहाड़ी क्षेत्र की भांति रंग बिरंगी प्राकृतिक रौशनी के बीच नजारे करीब से देखने को मिलेगा। यहां एकदम शांत वातावरण में ध्यान और योग की सुविधा मिलेगी। इसके साथ-साथ पछियों की चहचहाट भी करीब से सुनने को मिल सकेगी।

पक्षियों की चहचहाट के बीच किया जा सकेगा ध्यान और योग

उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान जोर दिया गया है कि मौजूदा वक्त में जिस तरीके से एनसीआर में दम घोंटू वायु प्रदूषण की समस्या पैदा हुई है, उसके बीच में लोगों को एक नया जीवन उपलब्ध हो। ऐसी विशिष्ट विशेषताओं का निर्माण करना है जो कि एक अद्बितीय अनुभव प्रदान करें। शहरी क्षेत्र में मौजूद हरित आवरण को संरक्षित करना और उसे सुदृढ बनाना है। अधिक इंटरैक्टिव और मनोरंजक स्थानों के लिए प्राकृतिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। इस बात पर बल दिया गया कि सिटी फारेस्ट को इस रूप में विकसित किया जाए,ताकि आने वाले वक्त में न केवल गाजियाबाद बल्कि एनसीआर के लोग आकर लुत्फ उठा सकें। आने वाले समय में नई पीढ़ी भी प्रकृति को करीब से जान सकें। यू तो मौजूदा समय में भी सिटी फारेस्ट में नौकायन की भी सुविधा उपलब्ध है, इसके साथ-साथ हिंडन रिबर के निकट होने के मद्देनजर अधिक आकर्षक रूप दिया जाएगा। बच्चों के खेलने के लिए झूले तथा साइकिल आदि ट्रेक का भी लुत्फ उठा सकें। इसके साथ-साथ सिटी फारेस्ट के एक हिस्से में ओपन थिएटर का भी निर्माण किया जाएगा, ताकि आने वाले वक्त में इसमें समय-समय पर शो के बीच कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकें।

खबर संक्षेप

लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर 2.15 लाख ठगे

गुरुग्राम। साइबर क्राइम मानेसर एरिया में फर्जी बैंक कर्मी बनकर क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर 2.15 लाख रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। पुलिस को दी शिकायत में भरतपुर के रहने वाले गोकुल सिंह ने बताया कि वे मानेसर की शंकर की ढाणी में किराए पर रहते हैं।

डंपर से कुचले जाने पर साइकिल सवार की मौत

गुरुग्राम। शहर के सिविल अस्पताल के निकट एक तेज रफ्तार डंपर ने साइकिल सवार युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए और हंगामा करने लगे। लोगों को हटाया और शव को नागरिक अस्पताल भिजवाया। पुलिस जांच में सामने आया है कि साइकिल सवार डंपर के पिछले टायर के नीचे आया था।

दंपति के अकाउंट से दो लाख निकाले

गुरुग्राम। साइबर क्राइम मानेसर एरिया में मेडिकल इमरजेंसी के नाम पर दंपति के अकाउंट से दो लाख रुपए निकाले जाने का मामला सामने आया है। जालसाज ने खुद को अस्पताल में भर्ती बताया और पीड़ित की मां के इलाज का बहाना बनाते हुए वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। शिकायत में यूपी के अलीगढ़ निवासी राहुल कुमार ने कहा कि वह वर्तमान में मानेसर के नाहरपुर गांव में किराए पर रहता है। गत दिवस उसके पास राहुल को दो वॉट्सऐप कॉल आईं।

मंत्री गुर्जर बोले योग को रोजगार से जोड़ने की दिशा में सरकार की पहल

पीएम मोदी की पहल से वैश्विक योग आंदोलन की प्रेरणा बना भारत, स्वास्थ्य और शांति का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

दृढ़ संकल्प और उत्साह के साथ हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2025 अभूतपूर्व स्तर पर देश और पूरी दुनिया में मनाया जा रहा है। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर शनिवार को स्थानीय सेक्टर-12 स्थित खेल परिसर में जिला स्तरीय 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाना भारत के दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल का परिणाम है। दिसंबर 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा भारत के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया था। तभी से वर्ष 2015 से हर वर्ष यह दिवस पूरे विश्व में बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि भारत में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को कॉमन योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत एक समन्वित योग सत्र के रूप में मनाया जाता है। इस प्रोटोकॉल को भारत के योग विशेषज्ञों द्वारा विकसित किया गया है।

खास बातें

- युवाओं को विश्वस्तरीय मानकों पर प्रशिक्षण देने की आवश्यकता
- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ऐतिहासिक रूप में मनाया गया
- मोदी की पहल का परिणाम है योग दिवस

11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस इस दशक की यात्रा का उत्सव

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा की पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को ऐतिहासिक रूप से मनाया गया। देश के प्रधानमंत्री कॉमन योग प्रोटोकॉल का नेतृत्व करते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान 2020 और 2021 में घर पर योग, परिवार के साथ योग और स्वास्थ्य के लिए योग की थीम पर डिजिटल रूप में आयोजन किए गए। उन्होंने बताया कि 2025 में मनाया जा रहा 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस इस दशक की यात्रा का उत्सव है, जिसने योग को वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य और मानसिक शांति का साधन बना दिया है। इस वर्ष देशभर में 10 प्रमुख पहल जैसे योग संगम, योग बंधन, योग महाकुंभ आदि के माध्यम से योग को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे यह आम जनजीवन का हिस्सा बन सके। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर कहा कि भारत सरकार एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम को प्रमुखता से आगे बढ़ा रही है। यह विषय 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान प्रस्तुत एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण पर आधारित है।

विभिन्न मुद्राओं में आसन करवाए

कार्यक्रम के अंत में एडीसी सतबीर मान ने मुख्य अतिथि तथा विशिष्ठ अतिथियों का कार्यक्रम में शिरकत करने पर उनका धन्यवाद किया पतंजलि योगपीठ से आए योगाचार्य डॉ ओम प्रकाश, योग आचार्य अंकुर सिंह तथा योग विशेषज्ञ विकास यादव ने मंचासीन होकर योग योगाभ्यास का नेतृत्व किया और उपस्थित जनों को ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, त्रिकोणासन, वज्रासन प्राणायाम और ध्यान अभ्यास विभिन्न मुद्राओं में आसन करवाए। इस अवसर एनआईटी विधायक सतीश फागना, भाजपा जिलाध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल, जिला परिषद चेयरमैन विजय लोहिया, पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजेश दुग्गल, एसडीएम फरीदाबाद अमित गुलिया, आयुष विभाग से जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर मनीषा लाम्बा, आयुष विभाग से डॉ. मोहित वासुदेव सहित तमाम विभागों के अधिकारीगण व गणमान्य नागरिकों ने जिला स्तरीय 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में शामिल होकर योगाभ्यास किया।

विश्व योग दिवस पर बोले उपमुख्यमंत्री मौर्य

पीएम मोदी ने योग से पूरी दुनिया को परिचित कराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

गाजियाबाद में शनिवार की सुबह को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पार्कों व अन्य स्थानों पर योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित हुए। आईएमएस यूनिवर्सिटी में आयोजित योगा कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए तथा योगाभ्यास किया। उन्होंने योग दिवस कार्यक्रम का किया शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मौर्य ने कहा कि योग, भारतीय मनीषा का विश्व मानवता को प्रदान किया गया अमूल्य उपहार है, जिससे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी दुनिया को परिचित कराया है। उन्होंने कहा कि योग से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य योग के स्वाभाविक परिणाम हैं। योग सुख, शांति, समन्वय,स्वास्थ्य व कल्याण का सफल माध्यम है। उन्होंने अपील की किय सभी लोग योग को अपनी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

योग केवल ज्ञान ही नहीं बल्कि विज्ञान भी है

योग समाज में सकारात्मक बदलाव के नए तरीके बना रहा है योग आज लोगों के सामने आने वाली कई समस्याओं का समाधान प्रदान करता है। योग केवल ज्ञान ही नहीं बल्कि विज्ञान भी है। उन्होंने कहा कि सूचना क्रांति के इस युग में सूचना स्रोतों की बाढ़ आ गई है और मानव मन के लिए एक विषय पर ध्यान केंद्रित करना एक चुनौती है। इसका समाधान भी योग में है क्योंकि यह मन को केंद्रित करने में मदद करता है। कार्यक्रम में सांसद अतुल गर्ग, विधायक अजीत पाल त्यागी, समेत तमाम प्रमुख लोग उपस्थित रहे तथा योगाभ्यास किया।

केंद्रीय मंत्री सीतारमण ने एजेएनआईएफएम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के हिस्से के रूप में केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण शनिवार को फरीदाबाद में अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एजेएनआईएफएम) में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2025 समारोह में शामिल हुईं। फरीदाबाद के एजेएनआईएफएम में 400 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक 45 मिनट से अधिक समय तक योग का अभ्यास किया। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह में वित्त सचिव और आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव, वित्त मंत्रालय और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के सभी विभागों के सचिव, विशेष कार्य अधिकारी और आर्थिक मामलों के विभाग के मनोनीत सचिवय केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे।

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री ने तिगांव में खंड स्तरीय कार्यक्रम का किया शुभारंभ

योग जीवन जीने और स्वस्थ रहने की अनूठी कला: मंत्री गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा योग आयोग, जिला प्रशासन व आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय तिगांव अनाज मंडी में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग-थीम के साथ 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में खंड स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हरियाणा के राजस्व, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने बतौर मुख्य अतिथि दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर ग्रामीणों ने कैबिनेट मंत्री का पगड़ी व फूल माला पहनाकर स्वागत किया।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने उपस्थित जनों को योग युक्त हरियाणा नशा मुक्त हरियाणा की शपथ दिलाई। उन्होंने योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित मैराथन में विजेता प्रतिभागियों को समानित किया। उन्होंने दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारी प्राचीन पद्धति योग को नए रूप में जनजागरण करके, देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में पहुंचाने का काम किया है। पीएम ने योग के द्वारा राष्ट्र निर्माण का कार्य शुरू किया है, चूंकि जब व्यक्ति स्वस्थ होगा, तो वह देश और प्रदेश के लिए काम करेगा और उसके चिंतन मनन और कर्म पर योग का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

रोजमर्रा की जिंदगी में योग का अपना महत्व है, योगाभ्यास से शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है। आज पीएम नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 18 से 20 घंटे जनसेवा से जुड़े कार्य कर रहे हैं। यह सब नियमित योगाभ्यास की देन है। उन्होंने आमजन का आह्वान किया कि वे योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। जिस देश और प्रदेश में व्यक्ति योग अपनाकर स्वस्थ होंगे, वह अपने आप तरक्की की राह पर अग्रसर होगा। राजस्व एवं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि आज भारत वर्ष के साथ ही विश्व के 180 से ज्यादा देश जाति, धर्म, संप्रदाय से ऊपर उठकर योग दिवस मना रहे हैं। क्योंकि योग ही जीवन जीने और स्वस्थ रहने की कला है। देशवासियों ने योग की महत्ता को समझा है, इसका श्रेय पीएम नरेन्द्र मोदी और योग गुरु बाबा रामदेव को जाता है।

आयोजन में योगाचार्यों ने मंच से कराया, यौगिक क्रियाओं का अभ्यास

योग दिवस कार्यक्रम में प्रोटोकॉल अनुरूप योगाभ्यास के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के संबोधन का सीधा प्रसारण भी किया, जिसे योग साधकों ने ध्यान पूर्वक सुना। कार्यक्रम में योगाचार्यों ने मंच से कराया, यौगिक क्रियाओं का अभ्यास कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्ध चक्रासन व त्रिकोणासन, बैठकर करने वाले दंडासन, भद्रासन, वज्रासन, अर्ध उष्ट्रासन, उष्ट्रासन, शशकासन, उत्तानमंडूक व वज्रासन, पेट के बल लेटकर किए वाले मकरासन, भुजंगासन, शलभासन तथा सेतुबंधासन, उत्तानपाद आसन, अर्ध हलासन, पवनमुक्तासन व शवासन आदि योगासनों व प्राणायाम का अभ्यास किया। इसके अलावा कपालभाति, अनुलोम.विलोम, शीतली, भ्रामरी व ध्यान का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर एचएसवीपी के संपदा अधिकारी नवीन कुमार, नायब तहसीलदार तिगांव जयप्रकाश, विक्रम सरपंच, पवन सरपंच, चांदपुर के सरपंच सूरजमल, वेद सरपंच, मंडल संयोजक गिरिराज त्यागी, मंडल अध्यक्ष पवन नागर, आयुष विभाग से डॉ शिवदत्त कौशिक, डॉ जयनारायण शर्मा, डॉ मोना सचदेवा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

1 स्कूटी, लूटी हुई चेन और 25 हजार रु. नगद जब्त

चेन लुटेरा पुलिस मुठभेड़ में घायल गिरफ्तार, तमंचा व कारतूस बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

थाना मोदीनगर पुलिस ने मेरठ के शातिर चेन लुटेरे को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है।

पुलिस द्वारा चलाई गोली से यह लुटेरा घायल हो गया। उसके कब्जे से 1 अवैध तमंचा 315 बोर, 2 खोखा कारतूस, 2 जिंदा कारतूस, 1 स्कूटी एवं लूटी गई चेन से प्राप्त 25 हजार रुपए नगद बरामद हुए हैं। लुटेरे का नाम शादाब है, जो खैर नगर मेरठ का रहने वाला है। एसीपी लिपि नगाइच ने बताया कि शुक्रवार की देर रात में थाना मोदीनगर पुलिस अपराध की रोकथाम के लिए बुदाना पर चेकिंग कर रही थी। तभी दो स्कूटी सवार व्यक्ति बुदाना की तरफ से आए। जिन्हें चेकिंग के लिए पुलिस ने रोकने का इशारा किया किंतु वह पुलिस को देखकर बुदाना के जंगल की तरफ भागने लगे। जिनका पुलिस ने पीछा किया व रोकने का इशारा किया गया परंतु उनके द्वारा स्कूटी को तेजी से मोड़ कर भागते हुए उनकी स्कूटी फिसल कर गिर गई। जिन्हें पुलिस ने घेर लिया। उन्होंने अपने आप को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस पर फायर किया।

पुलिस ने भी अपना बचाव करते हुए जवाबी कार्यवाही में फायर किया जिसमें एक अभियुक्त के पैर मे गोली लगी। जिससे अभियुक्त घायल होकर नीचे गिर गया व अन्य व्यक्ति मौके का फायदा उठाकर जंगल के रास्ते भाग गया।

आरोपी पर पूर्व में कई केस दर्ज

घायल व्यक्ति से नाम व पता पूछने पर उसने अपना नाम शोएब पुत्र साजिद निवासी खैर नगर मेरठ थाना दिल्ली गेट मेरठ बताया। उसकी तलाशी ली गई तो उसकी एक जेब से दो जिंदा कारतूस व दूसरी जेब से 25000 बरामद हुए। उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि यह रुपए जून को हमने हरमुख पुरी से एक महिला की चेन लूटी थी। अपने दोस्त समीर के साथ मिलकर यह रुपए उस चेन को बेचकर मिले हैं। जिसके कब्जे से 1 अवैध पिस्टल 0.32 बोर, 2 खोखा कारतूस, 2 जिंदा कारतूस व 1 स्कूटी बरामद हुई। शोएब पर विभिन्न जनपदों में लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट एवं गैंगस्टर एक्ट के 32 मुकदमे पंजीकृत है।

बस में 34 यात्री सवार थे, 8 वर्षीय बच्ची की हालत गंभीर

दिल्ली-जयपुर हाइवे पर सवारियों से भरी राजस्थान रोडवेज बस पलटी, दिल्ली के हेडकांस्टेबल की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

दिल्ली-जयपुर हाइवे पर शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। बिलासपुर की तरफ से जयपुर जाने के लिए हाइवे पर चढ़ रही वैगनआर कार को बचाने के चक्कर में राजस्थान रोडवेज की सवारियों से भरी बस पलट गई। हादसे में बस में सवार दिल्ली पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल अशोक कुमार यादव की मौत हो गई, जबकि 8 वर्षीय बच्ची की हालत गंभीर बताई गई है। कुछ घायलों को फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बस में कुल 34 यात्री सवार थे। यह हादसा गुरुग्राम से जयपुर हाइवे पर शनिवार सुबह करीब 9 बजे उस समय हुआ जब राँग साइड से वैगनआर कार अचानक सामने आ गई और बस कार को टक्कर मारते हुए पलट गई। राजस्थान रोडवेज की बस दिल्ली से जयपुर होते हुए सीकर की तरफ जा रही थी। बस जब बिलासपुर चौक के पास पहुंची तो बिलासपुर की तरफ से राँग साइड से एक वैगनआर कार तेजी से दिल्ली-जयपुर हाइवे पर चढ़ने लगी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार चालक ने रोडवेज बस से आगे निकालने का प्रयास किया, लेकिन निकल नहीं पाया और कार को बचाने के चक्कर में राजस्थान रोडवेज बस के चालक ने ब्रेक लगा दिए कार में टक्कर मारते हुए बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में मौजूद सवारियों की चीख पुकार मच गई। ऐसे में मौके पर गाड़ियां रुक गई और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। लोगों ने और पुलिस ने मिलकर सवारियों को बस से बाहर निकाला।

अभियुक्ता की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्ता **गुलशन** पत्नी नसीम निवासी ई-146, भू-तल, ओम विहार फेस-5, मोहन गार्डन, उत्तम नगर, नई दिल्ली ने सीटी. केस/603/23 धारा 135 भारतीय विद्युत अधिनियम थाना उत्तम नगर, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **गुलशन** मिल नहीं रही है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **गुलशन** फरार हो गयी है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रही है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि सीटी. केस/603/23 धारा 135 भारतीय विद्युत अधिनियम थाना उत्तम नगर, नई दिल्ली की उक्त अभियुक्ता **गुलशन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **06.08.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: श्री विनोद कुमार मीना,
अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (दक्षिण-पश्चिम),
विशेष न्यायालय (विद्युत), कक्ष संख्या 609,
द्वारका न्यायालय, दिल्ली।

DP/7995/DW/2025

प्रतिभा इंडस्ट्रीज लिमिटेड (परिसमापन में)

परिसमापक का पता – 106, प्रथम तल, कनकिया एट्रियम 2, क्रॉस रोड ए, कोर्टयार्ड मैरियट के पीछे, चकाला, अंधेरी ईस्ट, मुंबई – 400093
संपर्क: +91 8693053567, ईमेल: liquidator.pratibha@gmail.com

आईबीसी, 2016 के तहत परिसंपत्तियों की ई–नीलामी–बिक्री हेतु 28 मई 2025 की बिक्री सूचना का शुद्धिपत्र
विस्तारित ई–नीलामी की तिथि और समय: 30 जून 2025 (सोमवार) सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक (प्रत्येक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

प्रतिभा इंडस्ट्रीज लिमिटेड (परिसमापन में) के स्वामित्व वाली संपत्तियों की बिक्री, जो आईबीसी 2016 की धारा 35(एफ) के तहत परिसमापन प्रक्रिया विनियमों के विनियमन 33 के साथ परिसमापन संपत्ति का हिस्सा है। ई–नीलामी "जहां है, जैसा है", "जो है, जैसा है" के आधार पर, "जो कुछ भी है" और "कोई वापसी नहीं" के आधार पर आयोजित की जाएगी। ई–नीलामी बिक्री ई–नीलामी सेवा प्रदाता के माध्यम से ई–बिक्रय नीलामी मंच वेबसाइट https://ibbi.baanknet.com/eauction-ibbi/home के माध्यम से हस्ताक्षरकर्ता द्वारा की जाएगी।

भारतीय राशि में

क्रमांक	विवरण	आरक्षित मूल्य	ईएमडी	वृद्धिशील बोली राशि
पार्सल में परिसंपत्तियों की बिक्री ई–नीलामी की तिथि और समय: 30 जून 2025 (सोमवार) सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक				
1.	मर्सिडीज़ बेंज -S-350 (MH04 HD 0006)	41,31,000	4,13,100	40,000
2.	3 टनल बोरिंग मशीन ईपीबी – कैप 6600 एमएम, मुंडका, नई दिल्ली में स्थित, नंबर एस-723, एस-883 और एस-890	4,39,83,000	43,98,300	4,00,000

नोट:
1. बोली लगाने की अनुमति ईएमडी जमा करने पर दी जाएगी।
2. परिसमापक बिना कोई कारण बताए और बिना किसी दायित्व के प्रक्रिया को रद्द या संशोधित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। यह एक गैर–बाध्यकारी प्रक्रिया है और परिसमापक/हितधारक परामर्श समिति के विवेक के अधीन होगी। अधिक जानकारी के लिए प्रक्रिया ज्ञापन देखें।
3. संभावित बोलीदाताओं को यह वचन देना होगा कि वे संहिता की धारा 29ए के अंतर्गत किसी भी प्रकार की अयोग्यता से ग्रस्त नहीं हैं, जहां तक लागू हो और यदि किसी भी स्तर पर अयोग्य पाए जाते हैं, तो जमा की गई बयाना राशि जब्त कर ली जाएगी।

बोली दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि: 24 जून 2025 (मंगलवार)
निरीक्षण की अंतिम तिथि: 25 जून 2025 (बुधवार)
ई–नीलामी के लिए ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि: 27 जून 2025 (शुक्रवार)
ई–नीलामी की तिथि और समय: 30 जून 2025 (सोमवार)

नोट: विस्तृत नियम व शर्तें, ई–नीलामी बोली दस्तावेज, घोषणा और ऑनलाइन नीलामी बिक्री के अन्य विवरण https://ibbi.baanknet.com/eauction-ibbi/home और प्रतिभा इंडस्ट्रीज लिमिटेड की वेबसाइट https://www.pratibhagroup.com पर उपलब्ध हैं।

हस्ता/–
एविल मेनेजेस
प्रतिभा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के परिसमापक के रूप में
असाइनमेंट के लिए प्राधिकरण 31 दिसंबर 2025 तक वैधता
पंजीकरण सं. IBBI/IPA-001/IP-P00017/2016-17/10041
पंजीकृत पता: 106, प्रथम तल, कनकिया एट्रियम 2, क्रॉस रोड ए, कोर्टयार्ड मैरियट के पीछे, चकाला, अंधेरी ईस्ट, मुंबई – 400093
ईमेल: liquidator.pratibha@gmail.com

तारीख– 22.06.2025
स्थान: मुम्बई

खबर संक्षेप

पुल का स्लैब गिरने के मामले में 3 जेई सस्पेंड

चित्रकूट। यहां मऊ कस्बे से परदवां गांव को जोड़ने वाले मार्ग में मडीयरा नाले पर निर्माणाधीन पुल की स्लैब गिरने के मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। योगी सरकार ने पीडब्ल्यूडी के तीन अवर अभियंता को सस्पेंड कर दिया है। सहायक अभियंता को नोटिस जारी करके स्पष्टीकरण मांगा गया है। इसके अलावा पुलिस ने ठेकेदार और शटरिंग लगाने वाले को हिरासत में लिया है।

सीआईएसएफ जवान को लगी गोली, मौत

हजारीबाग। यहां सीआईएसएफ के एक जवान की गोली लगने से मौत हो गई। जवान मिथिलेश प्रसाद यादव को गोली कैसे लगी, इस बारे में पता लगाया जा रहा है। हजारीबाग में ही पुलिस के एक जवान की गाड़ी से कुचलकर मौत हो गई। इसके अलावा शहर के कोर्रा थाना पुलिस के दो जवान गश्त के दौरान दुर्घटना के शिकार हो गए। इस दुर्घटना में जिला बल के नंदलाल ठाकुर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

गोरखपुर में बोले सीएम योगी

स्वस्थ व समर्थ भारत की दिशा में आगे बढ़ेंगे

गोरखपुर में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में भव्य योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में सांसद रवि किशन शुक्ला ने योगाभ्यास में भाग लिया। वहीं पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने की

एजेंसी ⏭ गोरखपुर/ पटना

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गोरखपुर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में व्य योग कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सान्निध्य में सांसद रवि किशन शुक्ला ने भी सहभागिता की और योगाभ्यास किया। इस अवसर पर सांसद रवि किशन ने कहा कि योग सिर्फ शरीर को नहीं, विचारों को भी शुद्ध करता है। यह भारत की मिट्टी की ऐसी देन है, जिसे अब पूरा विश्व नमन करता है। योग आत्मा का विज्ञान है, और इसका अभ्यास हमें भीतर से जोड़ता है। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के साथ कई नेता व आमजन की

प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से विश्व में प्रतिष्ठित हुआ योग

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि योग भारत की ऋषि परंपरा का गौरव है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज यह विश्व में प्रतिष्ठित हुआ है। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक संकल्प लिया गया कि सभी नागरिक योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करेंगे और 'स्वस्थ भारत, समर्थ भारत' की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

बिहार में योग को लेकर दिखा खासा उत्साह

पटना में डिप्टी सीएम चौधरी ने मंत्रियों के साथ किया योग

पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने की। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा सहित कई अन्य नेता और अधिकारी भी उपस्थित रहे। सभी ने योग के महत्व को उजागर करते हुए सकारात्मक संदेश दिया। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने समारोह के दौरान कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से हुई है। उन्होंने इसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई। उन्होंने योग के लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से मानसिक शांति और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि आज पूरी दुनिया में योग दिवस के अवसर पर योग को अपने जीवन में कैसे उतारे इसका संदेश दिया जा रहा है। हम निरोग रहे इसके लिए योग ही एकमात्र उपाय है।

अमित शाह ने फिर बढ़ाया नीतीश पर सस्पेंस

समय बताएगा कि कौन बनेगा बिहार का मुख्यमंत्री

एजेंसी ⏭ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से चंद महीने पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर सस्पेंस बढ़ा दिया है। गृहमंत्री शाह ने बिहार में सीएम कैंडिडेट के सवाल पर कहा कि समय बताएगा कि बिहार में मुख्यमंत्री कौन बनेगा। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट किया कि बिहार चुनाव नीतीश के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। शाह के इस जवाब में नीतीश की पार्टी जेडीयू में खलबली मच सकती है। जेडीयू लगातार नीतीश' का प्रचार कर रही है।

जनता तय करती है हमेशा चुनाव के मुद्दे

दरअसल, अमित शाह ने दो दिन पहले एक अखबार को दिए इंटरव्यू में सीएम फेस पर जो जवाब दिया, उससे सियासी पारा गर्मा गया है। इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव का मुद्दा विकास रहेगा या जाति? इस पर गृह मंत्री ने जवाब दिया कि चुनाव के मुद्दे हमेशा जनता तय करती है। मगर हमारा मानना है कि बिहार के लोगों के लिए विकास ही सबसे बड़ा मुद्दा है।

जेडीयू के मंत्री बोले- अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया

नीतीश सरकार में जल संसाधन मंत्री एवं जेडीयू के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने शनिवार को कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के ही नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। पटना के सिंचाई भवन में पत्रकारों से बात करते हुए एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि बिहार में एनडीए का नेतृत्व नीतीश ही करेंगे।

अपनी कर्मठता, ईमानदारी और सिद्धांतों के प्रामाणिक पत्रकार हैं प्रदीप सरदानाः गडकरी

- प्रदीप सरदाना को पत्रकारिता में 50 वर्ष का अनुभव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

'बहुत लोग आते हैं, बहुत चले जाते हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं जिन्हें लंबे समय तक याद किया जाता है। ऐसे ही एक व्यक्ति हैं देश के ज्येष्ठ पत्रकार प्रदीप सरदाना, जो पिछले 50 वर्षों से ईमानदारी और कर्मठता से अपना पत्रकारिता धर्म निभा रहे हैं। परिस्थियाँ कैसी भी रहीं हों उन्होंने कभी अपने असूलों, ईमानदारी और विचारधारा के साथ कोई समझौता नहीं किया। पत्रकारिता में उनकी शानदार अर्ध शताब्दी पूरी होने पर मैं उन्हें सेल्यूट करता हूँ, उनका अभिनंदन करता हूँ।' उपरोक्त विचार केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली में आयोजित 'प्रदीप सरदाना की पत्रकारिता में अर्ध शताब्दी' के स्वर्ण जयंती समारोह में व्यक्त किए। समारोह में प्रख्यात शास्त्रीय नृत्यांगना और पूर्व सांसद सोनल मानसिंह, देश की वयोवृद्ध पत्रकार, साहित्यकार शीला झुनझुनवाला, केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी, सांसद मनोज तिवारी, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की पुत्री और वरिष्ठ टीवी प्रेजेंटर प्रतिभा आडवाणी, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह प्रमुख संजय मयूख और दैनिक 'स्वदेश' के समूह संपादक अतुल तारे भी मंच पर मौजूद थे। समारोह का आयोजन लेखकों, पत्रकारों और कलाकारों की संस्था 'आधारशिला' ने किया था। इस अवसर पर गडकरी ने यह भी कहा, 'प्रदीप सरदाना देश के ऐसे पत्रकार हैं जो राजनीति, स्वास्थ, परिवहन, पर्यटन, साहित्य, कला, संस्कृति, सिनेमा सहित सभी विषयों पर लिख रहे हैं। पिछले 50 वर्षों से लगातार चिंतन करते हुए वह अपने लेखन से जिस तरह सामाजिक चेतना और जन जागरण का कार्य कर रहे हैं। उनके लेखन को हम सभी ने स्वीकारा है। मैं ऐसे कर्मठ और प्रामाणिक पत्रकार प्रदीप सरदाना को शुभेच्छा देता हूँ।' केन्द्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा-''प्रदीप सरदाना वह हस्ती हैं जो पत्रकारिता के हर क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल। वह पत्रकारिता के साथ रचनात्मक लेखन भी करते हैं। वह लिविंग लिजेंड हैं। देश के सबसे कम उम्र के संपादक हैं। सांसद मनोज तिवारी ने समारोह में कहा, 'इतनी चर्चित और बड़ी हस्तियाँ एक साथ बहुत मुश्किल से मिलती हैं। प्रदीप सरदाना का लेखन ही नहीं व्यक्तित्व भी महान है।' सोनल मानसिंह ने कहा- 'प्रदीप सरदाना जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं।' 99 वर्षीय पत्रकार शीला झुनझुनवाला ने कहा-'प्रदीप सरदाना की 50 बरस की बेमिसाल पत्रकारिता यात्रा में 44 बरस की मैं भी साक्षी रही हूँ। वह अनेक लोगों के लिए प्रेरणा हैं।' इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप सरदाना की विगत 50 वर्षों की लेखन-पत्रकारिता की स्वर्णिम यात्रा पर एक चित्रमय स्मारिका का विमोचन भी किया गया। साथ ही देश भर से आए कई विशिष्ट पत्रकारों, साहित्यकारों, कलाकारों और संस्थाओं ने समारोह में प्रदीप सरदाना को सम्मानित करने के साथ उन पर अपने विचार भी व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन स्तुति सरदाना ने किया।

अरूणाभा ने मनाया योग दिवस, राजश्री ने कराया योग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर अरूणाभा वेलफेयर सोसाइटी (रजि.) द्वारा वर्चुअल योग सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें देश भर से लोगों ने सहभागिता की। इस विशेष आयोजन को वेलफेयर की आंध्र प्रदेश अध्यक्षा एवं योग शिक्षिका राजश्री के मार्गदर्शन एवं प्रेरणाप्रद नेतृत्व में अत्यंत प्रभावशाली एवं उपयोगी बनाया। उनकी सरल एवं सहज शैली, योग के प्रत्येक आसन की वैज्ञानिक जानकारी, तनाव मुक्ति और स्वास्थ्यवर्धक जीवन शैली पर व्यावहारिक सुझावों ने सभी उपस्थित प्रतिभागियों को लाभान्वित किया। सत्र में योग साधना के साथ-साथ आध्यात्मिक उन्नति तथा मानसिक संतुलन के महत्व को भी बताया गया। वेलफेयर की संस्थापिका एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा प्रणीता प्रभात ने योग के महत्व को बताते हुए सबको कम से कम रोज 15 मिनट योग करने के लिए प्रेरित किया। अंत में उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों के साथ ही उपस्थित सदस्यों संजय गुप्ता, राजन कक्कड़, गीता जी, ममता मित्तल, सुभाष गोला प्रजापति, राजीव कोहली, प्रवीण गुलाटी आदि को कार्यक्रम की सफलता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कार्यक्रम संयोजन के लिए महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अनिरुद्ध बोदड़े का तहेदिल से आभार व्यक्त किया और कहा कि आशा है उनके मार्गदर्शन में वेलफेयर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।

पेज एक का शेष

वैदिक रीति रिवाज के साथ...

योग गुरु स्वामी रामदेव स्वयं माता परमेश्वरी देवी के पार्थिव शरीर को उनके बेटों के साथ कंधा देते हुए वेदी तक लेकर गए। स्वामी रामदेव के अलावा आचार्य बालकृष्ण, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा, हरियाणा विस के डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिढ़ा, कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, सांसद धर्मवीर सिंह सहित अनेक राजनेताओं, सामाजिक संगठनों तथा साधु-संतों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। शोक बैठक रोहतक के सेक्टर-14 स्थित सिंधु भवन में होगी। बता दें कि माता परमेश्वरी देवी का शुक्रवार को 89 वर्ष की आयु में दिल्ली के निजी हॉस्पिटल में निधन हो गया था। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थीं। शनिवार को उनके पार्थिव शरीर को रोहतक से गांव खांडा खेड़ी लाया गया। रास्ते में जगह-जगह पर लोगों ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी। गांव खांडा खेड़ी के माता जियो देवी कॉलेज के प्रांगण में अंतिम दर्शन करने के लिए पार्थिव शरीर को रखा गया। इस दौरान स्वामी रामदेव पहुंचे और उन्होंने माता परमेश्वरी देवी के पार्थिव शरीर के चरण छूकर नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। अंतिम संस्कार की पूरी प्रक्रिया के दौरान स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण समाधि स्थल के पास खड़े रहे।

माता परमेश्वरी देवी एक तपस्विनी और संस्कारी मां थीं : योग गुरु स्वामी रामदेवः योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा कि मां का स्थान ईश्वर के समकक्ष होता है। माता परमेश्वरी देवी एक तपस्विनी और संस्कारी मां थीं, जिन्होंने देशभक्ति सेवा व त्याग की प्रेरणा दी। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक रहेगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और परिवार को यह वियोग सहने की शक्ति प्रदान करें। सामाजिक न्याय मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि एक मां के रूप में उन्होंने जो संस्कार व अनुशासन दिए वहीं आज कैप्टन अभिमन्यु की सोच और सेवा में दिखाई देते हैं। उनका जीवन प्रेरणादायक रहा है, हम उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिढ़ा ने कहा कि कैप्टन अभिमन्यु की माता का जाना समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने संस्कारों से समर्थ एक ऐसा परिवार तैयार किया जो आज राष्ट्र सेवा में समर्पित है। मैं शोक संतप्त परिवार के साथ इस दुख की घड़ी में खड़ा हूं। पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि माता परमेश्वरी देवी जी आध्यात्मिक और ऊंच व्यक्तित्व वाली महिला थी। उनका जाना सिर्फ एक परिवार की नहीं समाज की भी क्षति है। उनकी स्मृति सदैव हमारे दिलों में जीवित रहेगी। पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि मेरी मां मेरे जीवन की पहली गुरु मार्गदर्शक व संबल थी। उनका स्नेह, त्याग व अनुशासन से आज जो भी मैं हूं, उनकी देन है। उनकी कमी को शब्दों में बयां करना असंभव है। हम उनकी शिक्षाओं ओर आदर्शों को जीवन भर आत्मसात करते रहेंगे।

इन्होंने भी दी श्रद्धांजलि...

विजयपाल, आचार्य वेदनिष्ठ, दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा, डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिढ़ा, सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी, सांसद धर्मबीर सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़, पूर्व मंत्री बिजेंद्र बिल्लू, सफीदों से विधायक रामकुमार गौतम, हांसी से विधायक विनोद भयाना, छपरौली से पूर्व विधायक सहेंद्र सिंह रमाला, पूर्व विधायक बलराज कुंडू, जाकिर हुसैन, जिला परिषद अध्यक्ष सोनू डाटा, भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, रणधीर धीरू, अजय सिंधु, बिजेंद्र लोहान, पार्षद दर्शनगिरी, प्रवीण जैन, राजेंद्र बेरवाल, डॉ. राजबीर मोर, संजय खरब, राजबीर खेड़ीवाला, जेजेपी नेता अमित बूरा, ईश्वर सिंघवा, ओमप्रकाश ढांडा, अमित मोर, ईश्वर बडाला समेत अनेक गणमान्य लोग शामिल थे।

ऑपरेशन सिंधु के ...

कर रहा है।

भारतीयों ने लगाए हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारेः केंद्र सरकार की योजना शुरुआत में 1 हजार लोगों की ईरान से सुरक्षित वतन वापसी कराने की है। इसी क्रम में शनिवार को दो विमान ईरान से भारत पहुंचे। जिनमें सुबह तड़के तीन बजे तुर्कमेनिस्तान के अश्गाबात से एक विशेष विमान भारतीयों को लेकर नई दिल्ली पहुंचा। इसके बाद दोपहर करीब साढ़े चार बजे 310 लोगों को एक अन्य विमान मशहद से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंड हुआ। यह जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कुछ पोस्ट के जरिए दी। ईरान से नई दिल्ली हवाईअड्डे पर पहुंचते ही भारतीयों ने हिंदुस्तान जिंदाबाद और भारत माता की जय के नारे लगाए। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ केंद्र सरकार को उनकी सुरक्षित वतन वापसी कराने के लिए धन्यवाद दिया।

दूसरे बैच में लौटे 290 लोगः बीते शुक्रवार देर रात 11 बजकर 30 मिनट पर ईरान की विमान कंपनी महान एयर का एक चार्टर विमान नई दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरा था। जिसमें छात्रों और तीर्थयात्रियों को मिलाकर कुल 290 भारतीय नागरिक सवार थे। इसके साथ ही ईरान से भारत पहुंचा देश के नागरिकों का यह दूसरा बैच था। विदेश मंत्रालय में सचिव (सीपीवी और ओआईए) अरुण चटर्जी ने सभी लोगों का हवाईअड्डे पर स्वागत किया। इससे पहले 19 जून को 110 भारतीयों का पहला बैच ईरान से सड़क मार्ग से आर्मेनिया होता हुआ सुरक्षित भारत पहुंचा था। जिसमें जम्मू-कश्मीर के रहने वाले छात्र शामिल थे। जो ईरान के विभिन्न विश्वविद्यालयों में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे थे। धीरे-धीरे ईरान से और भारतीय स्वदेश पहुंचेंगे।

ईरान के प्रति जताया आभारः रणधीर ने एक्स पोस्ट में बताया कि भारत सरकार ने इस निकासी प्रक्रिया को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए ईरान की सरकार के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि शनिवार सुबह तड़के 3 बजे तुर्कमेनिस्तान के अश्गाबात से एक विशेष निकासी विमान नई दिल्ली पहुंचा। गौरतलब है कि ईरान और इजरायल में भारतीयों की अनुमानित संख्या करीब 30 हजार है। जिसमें ईरान में 10 हजार और इजरायल में 20 हजार भारतीय नागरिक रह रहे हैं। अभी ईरान से ही देश के नागरिकों की वापसी हो रही है। हो सकता है कि आने वाले दिनों में इजरायल से भी भारतीय नागरिक वापस स्वदेश लौटेंगे।

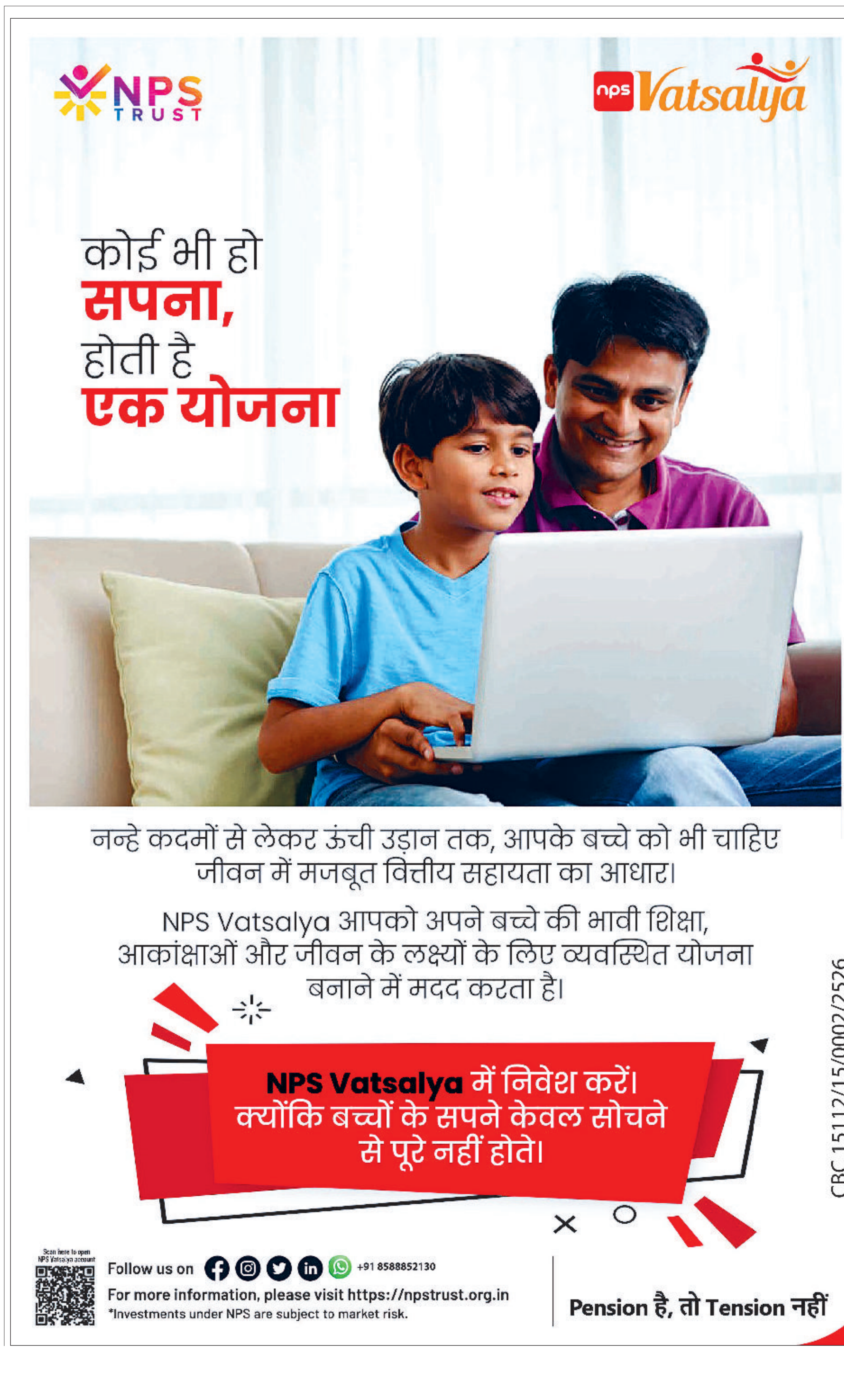

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 22 जून 2025

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

पालतू जानवरों से बढ़ता लगाव
देश में उभरता नया पेट कल्चर

हाल के वर्षों में महानगरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों में रहने वालों में भी पेट कल्चर यानी पालतू जानवरों के प्रति लगाव तेजी से बढ़ रहा है। यही वजह है कि इससे जुड़े बाजार में भी वर्ष दर वर्ष हजारों करोड़ रुपए की बढ़ोत्तरी हो रही है। समाज में आ रहे इस बदलाव के लिए जीवनशैली, सामाजिक प्रतिष्ठा और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी अनेक वजहें जिम्मेदार हैं। इन वजहों पर एक नजर।

पिछले पांच सालों में अपने देश में पालतू जानवरों के पालने के ट्रेंड में अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी हुई है। पालतू पालनहारे पचास फीसद बढ़ गए हैं। इससे संबंधित बाजार भी बेतहाशा बढ़ा है। इसके साथ ही इस सिलसिले में कई नवाचार भी सामने आए हैं। इस नए 'पेट कल्चर' के पीछे कई तरह के सामाजिक बदलाव काम कर रहे हैं।

लगातार बढ़ रहा बाजार

गौरतलब है कि देश में पालतू पशु-पक्षियों की खरीद-फरोख्त से जुड़ा दस हजार करोड़ रुपए के आस-पास का बाजार अगले दो बरस तक तकरीबन 14 हजार करोड़ तक और 2032 तक अनुमान है कि 21,000 करोड़ रुपए से ऊपर पहुंच जाएगा। यह उम्मीद इसलिए कि बीते एक दशक से छोटे-बड़े भारतीय शहरों और कस्बों में पालतू जानवर पालने का ट्रेंड और क्रेज बेतहाशा बढ़ा है और 16 फीसदी से ज्यादा की अप्रत्याशित ऊंची दर से बढ़ता ही जा रहा है।

बढ़ रहे हैं पेट लवर्स

बेशक देश में पालतू जानवर रखने वालों यानी पेट लवर्स की संख्या बढ़ रही है। देश में तकरीबन 35 करोड़ पंजीकृत पालतू जानवर हैं। साल दर साल इसमें 12 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोत्तरी हो रही है। इससे कई गुना गैर पंजीकृत पालतू जानवर हैं और उनकी बढ़त दर इससे दोगुनी होनी तय है। संबंधित सर्वेक्षण बताते हैं कि धनवानों के बड़े आलीशान घरों में ही नहीं निम्न मध्यम वर्ग के छोटे घरों में भी विभिन्न नस्लों के कुत्ते, बिल्ली, पक्षी वगैरह पल रहे हैं। वे अपने अनुरूप पालतू जानवरों को प्राथमिकता दे रहे हैं। अपने देश में कुत्ता सबसे लोकप्रिय पालतू जानवर है, इनकी संख्या करोड़ों में है। अब बिल्ली का चलन भी बढ़ रहा है। लोग मैना, खरगोश, कबूतर, मछलियों के अलावा कछुए और विदेशी पक्षियों को भी पाल रहे हैं। यह चलन छोटे-बड़े शहरों, कस्बों में जिस तरह बढ़ चला है, वह कतई कम होता नहीं दिखता। लोग शौकिया तौर पर पशु-पक्षी पहले भी पालते थे पर अचानक इसमें अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी कुछ चौंकाती है। हर वर्ष छह लाख से अधिक नए लोग पालतू जानवर पालक बन रहे हैं तो निश्चित ही समाज के आचार, विचार, कार्य व्यवहार में कोई ऐसा बदलाव आया है, जिसने उसे इस ओर स्वतःस्फूर्त प्रेरित किया है।

विदेशों में भी बढ़ रहा ट्रेंड

भारत ही नहीं दुनिया भर में जबरदस्त पेट कल्चर विकसित हो रहा है। भारत समेत कई दूसरे एशियाई देशों में भी पिछले पांच बरसों में 50 फीसद पालतू बढ़ गए हैं। आज दुनिया में एक अरब से अधिक पालतू जानवर हैं। 52 फीसद लोगों के घर में कोई न कोई पालतू जानवर है। अमेरिका, ब्राजील, यूरोपीय संघ और चीन मिलकर संसार के आधे पालतू कुत्ते और बिल्ली रखते हैं। इस साल चीन दुनिया में सबसे ज्यादा पालतू जानवर वाला देश बन गया है। नया 'पेट कल्चर' सुर्खियों में है और इस पर वैश्विक चर्चा चल पड़ी है कि आखिर आधे दशक के भीतर ऐसे कौन से सामाजिक, आर्थिक बदलाव आए हैं कि पालतू जानवरों का बाजार बेतहाशा जोर पकड़ गया? उनकी देखरेख, भोजन, साज संभाल और दीगर जरूरतों, उत्पादों की तेजी और भारी मांग एवं इस दिशा में तकनीकी प्रयोगों तथा नवाचारों ने सबका ध्यान खींचा है।

पेट कल्चर बढ़ने की वजह

सर्वेक्षणों ने साबित किया है कि पेट कल्चर बढ़ने की बड़ी वजह, शहरी आबादी का बढ़ना, संयुक्त परिवार का टूटना है। फ्लैटों में रहने वाले एकल परिवार अकेलेपन की दवा कुत्ते-बिल्लियों के साथ में तलाश रहे हैं। पालतुओं के अधिकतर मालिक 20 से 30 साल की आयु के 'मिलेनियल्स' हैं। इनमें से ज्यादातर छोटे परिवार, बेहतर या दोहरी आय, अच्छी शिक्षा वाले हैं, जो घर से काम करते हैं। वे देर से बच्चे पैदा करने, जीवनशैली में बदलाव के चलते पालतू पालते हैं। वे उन्हें मौज मजे, खेल का सामान नहीं, बतौर फैमिली मेंबर ट्रीट कर रहे हैं। ये पेट केयर उनके लिए माता-पिता बनने की ट्रेनिंग भी है। माता पिता बच्चों के मानसिक विकास में पालतू जानवरों की भूमिका को समझते हुए उन्हें उनके साथ विकसित होने का मौका दे रहे हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर पालतू जानवरों से जुड़ी सामग्री लोगों को इन्हें अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। धनिकों के मुहल्लों के अलावा 'पेट कल्चर' उन जगहों पर ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है, जहां 'मध्यम वर्ग' का विस्तार हो रहा है। एक तो पालतू जानवरों के प्रति नजरिया बदला है, कुछ पैसा आया है और अपने स्टेटस को बनाने, बनाए रखने, दूसरों से अलग दिखने के चक्कर में भी वे 'पेट कल्चर' की वृद्धि में सहयोग दे रहे हैं। नौकरी पेशा अकेला युवा, पालतू जानवर को अकेलेपन तथा मानसिक स्वास्थ्य की दवा मानता है, क्योंकि मनोचिकित्सक बताते हैं कि पालतू जानवर तनाव कम करने और खुशी बढ़ाने में मदद करते हैं। बुजुर्ग इसे बुढ़ापे के साथी के तौर पर ले रहे हैं। भारतीय अपने पालतू पर महीने में औसतन पांच हजार खर्चते हैं। हैसियत से बढ़कर व्यय करने में कोताही इसलिए नहीं बरतते, क्योंकि वे उन्हें परिवार का प्रिय सदस्य मानते हैं। सो इससे संबंधित बाजार छलांग लगा रहा है और इसमें प्रतिस्पर्धा के चलते हर दिन नए उत्पाद, नवाचार इस क्षेत्र में शामिल हो रहे हैं। *

स्वागत को तैयार बाजार-तकनीक

भारत का पेट केयर मार्केट संसार में सबसे तेज बढ़त वालों में से है। यह बाजार अभी 36 हजार करोड़ रुपए का है। अंदाजा है अगले तीन वर्षों में दोगुना और दस वर्षों में आठ गुना होगा। पालतू की देखभाल में ई-कॉमर्स की हिस्सेदारी 35 प्रतिशत पहुंचने जा रही है। व्यापक व्यावसायिक अवसर देख तमाम इंटरनेशनल ब्रांड, देशी स्टार्टअप्स इधर दौड़ पड़े हैं। पालतुओं के लिए रेस्टोरेंट, कैफे और पार्क जहां वे दूसरे जानवरों से मिल सकें, ग्रूमिंग सेंटर, मॉल तो खुलने ही लगे हैं, ओपीडी तथा सर्जरी की बीमा सुविधा का बाजार भी खड़े छह हजार करोड़ के करीब पहुंच गया है। ज्यादातर नए पालतू पालक मिलेनियल्स और जेन जेड हैं, जिन्हें अपने प्रिय पालतू के लिए किसी भी कीमत पर अनोखे उत्पाद और बेहतर सेवाएं चाहिए। इसलिए साल दर साल बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इस क्षेत्र का बाजार नित नए उत्पाद और सेवाएं प्रस्तुत कर रहा है। जीपीएस और सेंसर लगे स्मार्ट कॉलर पालतू जानवरों की गतिविधि, नींद के पैटर्न और स्वास्थ्य संकेतों की तो खबर रखते ही हैं, उनकी तात्कालिक लोकेशन भी बताते हैं, इसके लिए रिमोट कैमरा मॉनिटरिंग सिस्टम भी आ रहा है। आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस वाले हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के आगत का संकेत देकर उन्हें सचेत करते हैं। पालतू जानवरों के मालिक उनके लिए ऑनलाइन डिजिटल हेल्थकेयर सर्विस तथा टेलीमेडिसिन सेवा के जरिए घर बैठे डॉक्टरी सलाह ले सकते हैं। पालतुओं के इलाज हेतु स्टेम सेल थेरेपी जैसी आधुनिक चिकित्सा तकनीक का भी उपयोग हो रहा है।

स्पेशल: इंटरनेशनल डे अगेंस्ट ड्रग एब्यूज एंड इलिसिट ट्रैफिकिंग, 26 जून

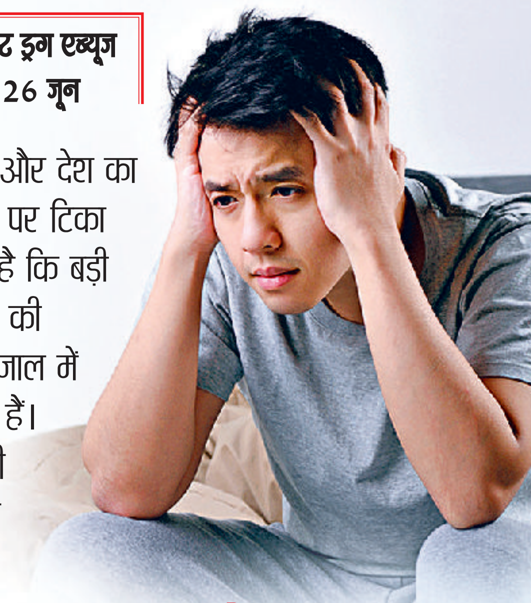

किसी भी परिवार, समाज और देश का भविष्य युवा पीढ़ी के कंधों पर टिका होता है। लेकिन विडंबना है कि बड़ी संख्या में युवा कूल बनने की भ्रामक चाहत में नशे के जाल में फंसने की भूल कर बैठते हैं। ऐसे में जरूरी है युवा पीढ़ी नशे के जाल से बचे रहने का हर संभव प्रयास करे।

न करें कूल बनने की भूल
नशे की लत से बचें युवा

सोशल इश्यू
डॉ. मोनिका शर्मा

अभी कुछ समय पहले सर्वोच्च न्यायालय ने युवाओं में बढ़ रही नशे की लत को लेकर चिंता जताते हुए कहा था, 'ड्रग्स का सेवन करना बिल्कुल भी 'कूल' नहीं है। यह खतरनाक है कि आज युवाओं के बीच इसका इस्तेमाल 'कूल' समझा जाने लगा है। यह लत दोस्ती का सबब बन गई है।' युवाओं की ही आम भाषा में चेताते हुए सुप्रीम कोर्ट के शब्द, आधुनिक जीवनशैली और नशा करने को जोड़कर देखने वाली मानसिकता पर चोट करने वाले हैं। न्यायालय की नसीहत, देश के युवाओं को जिंदगी के मनगढ़ंत अंदाज के जाल में फंसने को लेकर चेताती है। साथ ही अजब-गजब छवि गढ़ने के फेर में नशे की लत का शिकार हो जीवन को बिखराव से बचाने की सीख भी लिए है।

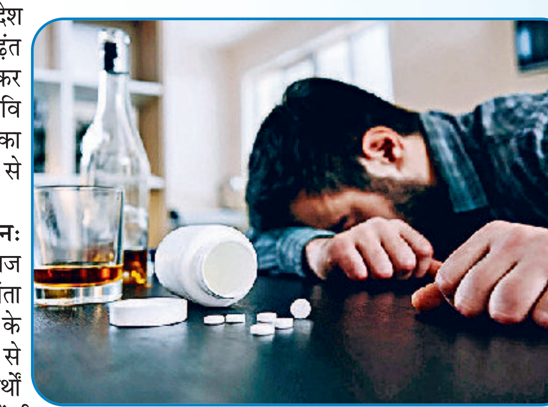

नकारात्मकता से घिरता जीवन: जमीनी जुड़ाव वाले भारतीय समाज में युवाओं की नई जीवनशैली चिंता का सबब बन गई। युवा पीढ़ी के दिखावटी-बनावटी होते बर्ताव से जुड़ी सबसे बड़ी चिंता नशीले पदार्थों के सेवन से जुड़ी है। महानगरों में ही नहीं दूर-दराज के गांवों में भी नशे का जाल फैल गया है, जबकि लत का रूप ले लेने वाली नशे की आदत जीवन के हर पहलू पर दुष्प्रभाव डालती है। ऊर्जावान आयुवर्ग में ही बीमारियों का शिकार बना देती है। परिवार का ही नहीं देश का भविष्य कहे जाने वाले युवाओं को सदा के लिए दिशाहीन कर देती है। नशीले पदार्थों का सेवन व्यक्तिगत, सामाजिक, आर्थिक और यहां तक कि मानवीय सोच पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। इस जाल में फंसे युवा नशीले पदार्थ खरीदने के लिए आपराधिक गतिविधियों तक का हिस्सा बन जाते हैं। हिंसात्मक व्यवहार, सड़क दुर्घटनाएं और स्वयं अपना जीवन छीन लेने जैसी समस्याओं से भी नशे की लत गहराई से जुड़ी है। सुप्रीम अदालत द्वारा भी ड्रग तस्करी के एक मामले की सुनवाई करते हुए युवाओं से समझदारी दिखाने की अपील करते हुए कहा गया कि 'यंगस्टर्स को भी यह समझना होगा कि ड्रग्स के इस्तेमाल से दूर रहें और अपने विवेक का इस्तेमाल करें। ना केवल दोस्तों के दबाव में आकर ड्रग्स लेने की प्रवृत्ति से दूर रहें बल्कि उन लोगों को अनुसरण करने से भी बचें, जो इसकी लत के शिकार हैं।' यकीनन हर तरह की नकारात्मकता का घेरा कसने वाली इस आदत से युवाओं का दूर रहना ही उचित है।

आपराधिक गतिविधियों की बड़ी वजह: शोध पत्रिका 'ड्रग एंड अल्कोहल रिव्यू' द्वारा सेक्सुअल क्राइम और शराब के संबंध पर किए गए सर्वेक्षणों के मुताबिक सेक्सुअल क्राइम के लगभग आधे मामले नशे की हालत में ही होते हैं। ऐसे मामले भी सामने आ चुके हैं, जिनमें नशे के लती युवा चोरी, झूठ और जालसाजी के साथ ही परिवारजनों की जान तक लेने से नहीं चूके। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में शराब पीना मौत और अपाहिज होने का पांचवां सबसे प्रमुख कारण है।

परिवार-समाज को आगे आना होगा: न्यायालय ने अपने निर्णय में यह भी कहा है कि 'नशे की लत सामाजिक-आर्थिक और मनोवैज्ञानिक मोर्चे पर बुरा प्रभाव डालती है। यह देश के युवाओं की चमक को खत्म करने वाली चीज है। इस लत से बचाने के लिए अभिभावकों, समाज और एजेंसियों को गंभीर प्रयास करने होंगे। इस जाल को खत्म करने के लिए सभी अपने-अपने स्तर पर कोशिश करें।' सुप्रीम अदालत ने यह भी कहा है कि 'इस समस्या से बचाव हेतु कुछ दिशा-निर्देश तय करने आवश्यक हैं। साथ ही यह भी सलाह दी है कि स्नेह और सपोर्ट से नशे के जाल में फंसे लोगों को निकालने के प्रयास किए जाएं। ड्रग्स की लत के शिकार लोगों के प्रति हमारा नजरिया उनको सुधारने वाला होना चाहिए।' *

इसलिए मनाते हैं यह दिवस

युवाओं में, ड्रग्स से होने वाले नुकसान की समझ और सजगता को बढ़ाने के लिए हर वर्ष 26 जून को इंटरनेशनल डे अगेंस्ट ड्रग एब्यूज एंड इलिसिट ट्रैफिकिंग मनाया जाता है। यूनाइटेड नेशंस द्वारा 1989 से मनाया जा रहा यह दिन नशे के खिलाफ अवेयरनेस लाने और लोगों को स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह दिवस विशेष रूप से नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त दुनिया बनाने का संदेश देता है। समझना आवश्यक है कि नशे की लत हर तरह से नुकसानदेह ही होती है। नशा चाहे जिस तरह से भी किया जाए, मन-जीवन ही नहीं परिवार, समाज और देश में भी बिखराव ही लाता है।

कहानी / संजीव ठाकुर

अंतहीन

उस बुढ़िया का उससे कोई रिश्ता-नाता नहीं था, लेकिन वह उनके घर की सदस्य जैसी घुल-मिल गई थी। अपना दुखड़ा सुनाती, बिन मांगे ही सलाहें देती और खूब नोक-झोक भी करती। एक अनाम मानवीय रिश्ते को उकेरती मार्मिक कहानी।

यह सुनते ही कि हम लोग यहां से चले जाएंगे, वह रो पड़ती है। उसे चुप कराना हमारे लिए मुश्किल हो जाता है। दो साल हुए हमारे नवगछिया आए। तब से आज तक एक भी दिन ऐसा नहीं हुआ, जब हमारे घर चाय बनी हो और उसे नहीं पिलाई गई हो। सुबह होते ही लाठी खटखटाते वह दरवाजे पर पहुंच जाती और तब तक दस्तक देती रहती, जब तक दरवाजा खोल नहीं दिया जाता। वह आती तो सबसे पहले भाषण देती, 'रोज-रोज कहते हैं सुबह उठा करो, घूमा करो लेकिन तुम मानते ही नहीं!' मैं झूठ बोलते हुए कहता, 'आने दो दूध वाले को, पूछ लेना, आज मैं सुबह-सुबह उसके घर गया था कि नहीं?' फिर कहता, 'लो चाय पियो।' वह चाय पीने लगती और बीच-बीच में अपने उपदेश की पोटली भी खोलती रहती। कभी कहती, 'आज पतोहू डांटी है। कल धकेल दी थी। रात में खाना भी नहीं दी।' हम उसे दिलासा देते हुए चुप कराते और खाने को कुछ न कुछ देते।

काली-कलूटी वह बुढ़िया हमारी कोई नहीं है, न जात की, न गोत्र की। जब पापा की बदली नवगछिया हो गई तो उनके ऑफिस के एक आदेशपाल की मां के रूप में उससे परिचय हुआ था।

जब भी उसे मौका मिलता है, मुझसे पूछने से नहीं चूकती, 'तुम कहां पढ़ते हो?' कभी-कभी तो उसके इस चिर-प्रश्न पर मैं खीज उठता पर कभी बतला देता, 'भागलपुर में।' वह फिर पूछती, 'कहां रहते हो?' मैं बता देता, 'नाथनगर में।' वह बोल पड़ती, 'हां, हमको पता है- वहां एक पुल है, जिसके नीचे से एक तरफ गाड़ी कलकत्ता जाता है, दूसरे तरफ डिल्ली जाता है, पार कर अलीगंज है, फिर मिरजान, फिर नाथनगर है न बेटा!' मैं अपनी हंसी दबाकर कह देता, 'हां, बिल्कुल!' जबकि मिरजान और नाथनगर अलग-अलग दिशाओं में हैं। वह कहती, 'हम सब जानते हैं। भागलपुर में हमरा बहुत लोग रहता है। सूजागंज में भाई का बेटा, अलीगंज में देवर का साला और जेहल (जेल) में बहिन का पोता।' इस पर जब मैं कहता कि 'हां, जेहल में तुम्हारा पोता बंद है शायद चोरी किया था।' तब वह उबल पड़ती, 'तुम खाली-खाली अट-पट बोलते हो। ऊ वहां सिपाही है।' बुढ़िया से मेरा वार्तालाप बहुत मनोरंजक होता था। इससे हमारे घर वाले क्या, आस-पास गुजरने वाले लोग भी हंस पड़ते थे। मैं कहता, 'बूढ़ी माय! तुम्हारा पति तुम्हें स्वर्ग बुला रहा है, जाओ!' वह कहती, 'भगवान की मर्जी, जब चाहे ले जाए।'

मैं कहता, 'मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा।' वह कहती, 'धत! फिर क्या अल-बल कहने लगे हो? तुम्हरा आंग-समांग बढ़िया रहे। तुम तीनों बाप-बेटा सुख से रहो। मरे तुम्हरा दुसमन!'

'अच्छा, वहां रेलवे लाइन पर बड़-गाछ में जो 'जख-बाबा' रहते हैं, वे क्या करते हैं?' एक घिसा-पिटा सवाल मैं करता तो वह कह उठती, 'अरे! बेटा, मत बोलो। नाम भी मत बोलो। ऊ बड़ा गुस्सैल देवता है-चलते गाड़ी को रोक देता है।'

बुढ़िया की इस गंभीर बात से भी मैं हंसी की दो-चार फुलझड़ियां निकाल ही लेता था। मैं अगला प्रश्न करता, 'तुम्हारे पति क्या करते थे?' बुढ़िया जवाब देती, 'ऊ सरदार था। बजार का सब मोटिया का सरदार! सब सेठ लोग उसको मानता था। हमको भी पहचानता था। अब न चलने-फिरने से लचार है। पहले तो घूमते थे। बाजार भी जाते थे।' 'अब यह बताओ सच-सच कि सिकंदर की पत्नी तुमको मानती है कि नहीं?' 'धत! ऊ कंकालिन हमरी पतोहू है? पता नहीं कोन खानदान की है...अरे! बेटा, कुछ मत बोलो! उसका भाय डकेट (डकैत) है। इधरो जेहल गया है।'

'और उसका बाप?'

'ऊ तो अच्छा है। टेलीफोन है। (टेलीफोन ऑफिस में काम करने के कारण बुढ़िया उसे टेलीफोन ही कहती है।) आता है तो अपने बेटी से कहता है-बूढ़ी माय को सताओ नहीं। इसे अच्छा से रखो। मगर कहां मानती है?'

'जानती हो, पापा की बदली छपरा और सिकंदर की बदली पंजाब हो गई है!' किसी दिन झूठ-मूठ का कह देने पर बुढ़िया भड़क जाती, 'तुम्हरे छपरा-खपड़ा आ पंजाब-तंजाब में क्या करेगा वहां जाकर... काहे करता है बदली?'

'अरे! बदली तो साहब करते हैं।'

'एंह! साहब-ताहब! मिले तो मू नोच लें!' इतने में मेरा छोटा भाई राजू आता और कहता, 'दादी! जानती हो, भायजी की शादी ठीक हो गई है।' बुढ़िया पूछ बैठी, 'हां... बेटा सच कहते हो?'

मैं कहता, 'बिल्कुल! लड़की बहुत सुंदर है-एकदम तुम्हारे जैसी!'

'हमरे जैसी? काहे मजाक करते हो बेटा! हम तो काली-कोयली, बिलाय के नोचली हैं।' बुढ़िया कहती तो राजू किसी फिल्मी हीरोइन का फोटो ले आता। फोटो देखकर वह कहती, 'अच्छी तो है, मगर ई फुलपेंट काहे पहनी है? इसका बाल एतना छोटा काहे है?' मैं कहता, 'अच्छा छोड़ो, बारात में तो चलोगी न?'

'हम कैसे जाएंगे? हम तो लंगड़ी हैं!'

'मैं तुम्हें दवाई दे दूंगा दर्द ठीक होने का।'

'खाली ठगते हो! कितने बार बोले, भागलपुर से दवाई लेते आना- वहां का अच्छा होता है। लाते नै हो!'

'अच्छा इस बार आऊंगा तो लेता आऊंगा। उजली वाली दवाई लेता आऊंगा।' 'नहीं, लाल वाला लाना। वही दवा अच्छा होता है।'

बुढ़िया के मन में यह बात बैठ गई है कि सिर्फ लाल वाली दवाई से ही उसकी हड्डी का दर्द, जो कि बहुत दिनों से उसके पैरों में है, छूट सकता है। पर मैं कहां-कहां बिना नाम की लाल दवाई ढूंढ़ता फिरूं? और मैं जानता हूं, अब इस अवस्था में उसका दर्द ठीक नहीं होगा। उसके हरेक दर्द की एक ही दवा है- मृत्यु!...मौत! सबको आनी है, बुढ़िया को भी आएगी। पर इसकी मृत्यु पर इसके घरवालों को जितनी खुशी होगी, उतना ही दुख मेरे घरवालों को होगा। इसकी मौत पर मेरे घर का एक-एक सदस्य आंसू बहाएगा- सिवा मेरे, क्योंकि मेरी आंखें तब पत्थर की हो जाएंगी और बहने को उतावले आंसुओं की बाढ़ को रोक कर मेरे पूरे शरीर में फैला देंगी जो कि खौलते हुए पानी के समान मेरे शरीर के अंदर अंतहीन वेदना सृजित करेंगी- अनंत वेदना! *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है ?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

Advt...

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

माता परमेश्वरी देवी जी की अंतिम यात्रा में छलके भावनाओं के आंसू

समाज उत्थान के कार्यों को याद करके हर कोई रहा भावुक

माता परमेश्वरी देवी जी की अंतिम यात्रा में कंधा देते कैप्टन रूद्रसेन सिंधु, वीरसेन सिंधु, कैप्टन अभिमन्यु व अन्य।

नारनौंद। राज्य के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता परमेश्वरी देवी जी के निधन ने गांव खांडा खेड़ी की हर आंख को नम कर दिया। अंतिम संस्कार के वक्त गांव के हर व्यक्ति की आंखें नम थी और ग्रामीण परमेश्वरी देवी द्वारा किए गए समाज उत्थान के कार्यों को याद करके भावुक हो रहे थे। दिवंगत परमेश्वरी देवी का शनिवार को गमगीन माहौल में खांडा खेड़ी गांव में अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम सस्कार के वक्त न केवल उनके परिजन, जानकार मौजूद रहे बल्कि गांव के अलावा विभिन्न क्षेत्रों से आए हजारों लोगों ने मौजूद रहकर उन्हें अंतिम विदाई दी। ग्रामीण व आए हुए लोग सुबह से ही उनके अंतिम दर्शनों का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही उनकी अंतिम यात्रा भारत मित्र स्तम्भ पहुंची तो लोगों ने नम आंखों से उन पर पुष्प अर्पित किए। माता परमेश्वरी देवी की अंतिम यात्रा रोहतक से चलकर गांव खांडा खेड़ी पहुंची तो बीच रास्ते में कई स्थानों पर लोगों ने उन्हें नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। अंतिम यात्रा के गांव खांडा खेड़ी पहुंचने पर सड़क के दोनों ओर लोगों की लाइन लगी थी और वे हाथों में फूल लिए हुए थे। जहां-जहां से अंतिम यात्रा होकर निकली लोगों ने पुष्प वर्षा कर माता जी को श्रद्धांजलि दी। माता परमेश्वरी देवी के पार्थिव शरीर के दर्शन करने के लिए कई स्थानों पर लोग घरों की छतों पर खड़े थे। भारत मित्र स्तंभ पहुंचने पर माता परमेश्वरी देवी का पार्थिव शरीर को लोगों के लिए अंतिम दर्शन करने के लिए रखा गया। इस दौरान हरियाणा ही नहीं देशभर से आए लोगों ने माता परमेश्वरी देवी को याद करके उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। दुख की इस घड़ी में विशिष्ट लोगों में सिंधु परिवार के सदस्यों को सांत्वना देते हुए ढांढस बंधाया।

खांडाखेड़ी भावुक

ग्रामीण बोले, जमीन से जुड़ा रहा परिवार

ग्रामीणों का कहना था कि चौधरी मित्रसेन जी परिवार जमीन से जुड़ा परिवार है। परिवार में शिक्षा व संस्कार कूट कूट कर भरे हुए हैं और यह सब चौधरी मित्रसेन व माता परमेश्वरी देवी की मेहनत, शिक्षा व संस्कारों का परिणाम है कि यह परिवार इतनी तरक्की के बावजूद कभी अपने गांव व क्षेत्र को नहीं भूला। यही नहीं, माता परमेश्वरी देवी हर वर्ष भारत मित्र स्तम्भ में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करके उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करती थीं। ग्रामीणों के अनुसार दिवंगत परमेश्वरी देवी लड़कियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आग्रह करते हुए उनके माता-पिता को सदैव कहती थीं कि लड़कियों की शिक्षा कितनी जरूरी है। अब जब परमेश्वरी देवी हमारे बीच नहीं रही है और उनकी यादें व उनके कार्य ही हमारे बीच हैं। ग्रामीणों का कहना है कि दिवंगत परमेश्वरी देवी के निधन से समाजसेवा का एक ऐसा स्थान रिक्त हो गया है, जिसकी पूर्ति संभव नहीं है। ग्रामीण सदैव उनके जनहितैषी कार्यों को याद करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के माता जी के दिखाए रास्ते पर चलकर समाजहित के कामों में योगदान देना चाहिए।

खांडाखेड़ी में माता परमेश्वरी देवी जी के पार्थिव देह पर फूलों की वर्षा

जैसे ही माता परमेश्वरी देवी जी का पार्थिव शरीर गांव खांडाखेड़ी पहुंचा तो फूलों की वर्षा करके उनको श्रद्धांजलि दी गई। हजारों की संख्या में उनके अंतिम दर्शन करने के लोग पहुंचे हुए थे। माता जी की अंतिम यात्रा के दौरान सड़कों पर जाम न लग जाएं इसके लिए पुलिस ने जगह-जगह नाके लगाए हुए थे। माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोगों की भारी भीड़ को देखते पुलिस को व्यवस्था बनाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इस मौके पर हर आंख नम थी।

मंत्रोच्चार के बीच मुखाग्नि दी

मुखाग्नि से पहले आर्य समाज के रीति रिवाज पूर्ण करते योगगुरु बाबा रामदेव, कैप्टन अभिमन्यु, मेजर सत्यपाल सिंधु व अन्य।

माता परमेश्वरी देवी जी का निधन पारिवारिक सामाजिक व धार्मिक क्षति : प्रवेश वर्मा

दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि माता परमेश्वरी देवी जी का निधन न केवल हमारे लिए पारिवारिक क्षति है बल्कि हर नागरिक व समाजसेवा कर रही संस्थाओं के लिए भी क्षति है। माता परमेश्वरी देवी व चौ. मित्रसेन आर्य जी ने आर्य समाज को आगे बढ़ाने में जो योगदान दिया है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। गुरुकुलों की स्थापना व उनकी सहायता करने में माता जी सदैव अग्रणी रहती थी। निश्चय ही उनका निधन पारिवारिक, सामाजिक व धार्मिक क्षति है।

माता परमेश्वरी देवी जी महान आत्मा थीं, हमें उनके जीवन से सीखना व समझना चाहिए : धर्मबीर सिंह

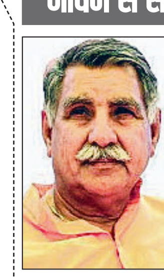

भिवानी के सांसद धर्मबीर सिंह ने अपने शोक संदेश में कहा कि माता परमेश्वरी देवी जी कोई साधारण महिला नहीं थी बल्कि महान आत्मा थी। परिवार को अच्छे संस्कार मां किस तरह देती है और आगे बढ़ाती है, ये हमें माता परमेश्वरी देवी से सीखना व समझना चाहिए। चौधरी मित्रसेन आर्य के निधन के बाद माता परमेश्वरी देवी ने पूरे परिवार को एक सूत्र में मोतियों की तरह पिरोए रखा। उन्होंने आर्य समाज व महिला शिक्षा को आगे बढ़ाने में अहम योगदान दिया।

आर्य समाज की भावपूर्ण पुष्पांजलि

गुरुकुलों को पोषित किया : डॉ. सुकामा

पद्मश्री आचार्या डॉ. सुकामा ने कहा कि चौ. मित्रसेन आर्य के जाने के बाद माता परमेश्वरी देवी ने आर्य परंपरा का संरक्षण किया और गुरुकुलों को पोषित किया। चौधरी साहब की तरह माता परमेश्वरी देवी ने आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने का काम किया।

आर्य परंपरा को आगे बढ़ाया : स्वामी प्रणवानंद

स्वामी प्रणवानंद ने माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि माता परमेश्वरी देवी के कार्यों को आगे बढ़ाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। चौधरी साहब के जाने के बाद आर्य परंपरा को आगे बढ़ाने में माता परमेश्वरी देवी का बड़ा योगदान है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता।

समाज की मजबूत स्तंभ थीं : स्वामी आर्यवेश

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के अध्यक्ष स्वामी आर्यवेश ने माता परमेश्वरी देवी को याद करते हुए कहा कि वे आर्य समाज की मजबूत स्तंभ थी। सरल स्वभाव व सादगी की मूरत थी। सिंधु परिवार की हानि तो है ही बल्कि आर्य समाज के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

इन दिग्गजों ने भी दी श्रद्धांजलि

सर्व समाज के लिए अपूरणीय क्षति : मिड्ढा

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर एवं जींद के विधायक कृष्ण मिड्ढा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि कैप्टन अभिमन्यु की माता जी का जाना समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने संस्कारों से समर्थ एक ऐसा परिवार तैयार किया जो आज राष्ट्र सेवा में समर्पित है।

माता जी ममता की प्रतिमूर्ति थीं : बेदी

प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि एक मां के रूप में उन्होंने जो संस्कार व अनुशासन दिए वहीं आज कैप्टन अभिमन्यु की सोच और सेवा में दिखाई देता है। उनका जीवन प्रेरणादायक रहा है, हम उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि देते है।

स्मृति सदैव जीवित रहेंगी : धनखड़

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि माता परमेश्वरी देवी आध्यात्मिक और ऊंच व्यक्तित्व वाली महिला थी। उनका जाना सिर्फ एक परिवार की नहीं समाज की भी क्षति है। उनकी स्मृति सदैव हमारे दिलों में जीवित रहेगी।

माता परमेश्वरी देवी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे योग गुरु स्वामी रामदेव हुए भावुक

माता जी के सूक्ष्म आशीर्वद व आशीर्वचन सदैव साथ रहेंगे : स्वामी रामदेव

एक माह पहले ही माता जी से मिला था, उनमें उसी तरह हौसला व उत्साह था

हिसार। वैदिक पद की पथिक स्व. चौधरी मित्रसेन आर्य की धर्मपत्नी परमेश्वरी देवी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा कि वे उन्हें अपने बेटा समझकर प्यार करती थी। माता जी ने अपने बेटों को न केवल अच्छी पढ़ाई करवाई बल्कि अच्छे संस्कार भी दिए जो आज के समय में बहुत जरूरी है। भले ही माता जी आज भौतिक रूप से हमारे साथ न रही हो, लेकिन उनके सूक्ष्म आशीर्वाद व आशीर्वचन सदैव हमारे साथ रहेंगे। उन्होंने याद ताजा करते हुए बताया कि मैं एक माह पहले ही माता जी से मिला था, उनमें उसी तरह हौसला व उत्साह था। इतना कहते कहते स्वामी रामदेव भावुक हो गए और बोले कि केवल खांडाखेड़ी गांव या प्रशंसक ही नहीं बल्कि जिसको पता लगा है, वो उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि देने आया है। उन्होंने कहा कि मां का होना ही परमात्मा का बहुत बड़ा आशीर्वाद है,

वे कामना करते हैं कि भगवान दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें। उनके जाने से केवल उनके परिवार को तो दुख पहुंचा ही है, वे खुद 25 से 30 गुरुकुलों का संचालन कर रही थी, उनके आचार्य व उनमें पढ़ रहे बच्चे भी उनके जाने से दुखी हैं।

शास्त्रों में लिखी बातों को माता जी ने अपने जीवन में लागू किया : आचार्य बालकृष्ण

हिसार। पंतजलि हरिद्वार से आचार्य बालकृष्ण ने माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि सनातन परंपरा में शास्त्रों में लिखी बातों को माता परमेश्वरी देवी अपने जीवन में लागू करती थीं। खुद साक्षर नहीं होते हुए भी उन्होंने अपने सभी बेटे-बेटियों को काबिल बनाया। आर्य समाज तथा शिक्षा को बढ़ावा देने की अलख जो चौधरी मित्रसेन आर्य जगाकर गए थे, उसे बुझने नहीं दिया। सिंधु परिवार की मदद से हजारों बच्चे आदिवासी क्षेत्रों समेत देश के कई पिछड़े इलाकों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। माता परमेश्वरी देवी ने कन्या शिक्षा पर विशेष फोकस रखा। भारत ही नहीं पूरे विश्व में इस परिवार की ख्याति है। समाज के लिए सिंधु परिवार एक आदर्श परिवार है। माता परमेश्वरी देवी ने अपने बच्चों में अच्छे संस्कार दिए और पूरे परिवार को जोड़कर रखा। स्व. चौधरी मित्रसेन आर्य जीरो से उठाकर बहुत बड़ी

ऊंचाइयों तक पहुंचे। उन्होंने अपने परिवार तक सीमित न रहे कर समाज को आगे बढ़ाया। हमें इस परिवार से सीख लेने की जरूरत है।

माता परमेश्वरी देवी को कंधा देते योगगुरु बाबा रामदेव, कैप्टन अभिमन्यु।

माता परमेश्वरी देवी की अंतिम विदाई के दौरान मंत्रोच्चारण करतीं डॉ. सुकामा।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते विस उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण मिड्ढा।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते सांसद धर्मबीर सिंह।

माता परमेश्वरी देवी को नमन करते स्वामी आदित्यवेश।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते विधायक रामकुमार गौतम।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते पूर्व विधायक बलराज कुंडू।

विश्व में जारी भीषण सैन्य संघर्षों के तनावपूर्ण परिदृश्य में जी-7 शिखर सम्मेलन कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के दर्शनीय पर्यटन नगर कनानास्किस में 16 और 17 जून को आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अल्प सूचना पर प्रमुख आमंत्रित नेता के तौर पर इस शिखर सम्म्लेन में शामिल हुए। एक समय लगा कि कनाडा से खराब संबंध के चलते भारत को नयोता ही नहीं मिले। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के मध्य शांति स्थापना और सैन्य संघर्षों के समाधान को लेकर तीव्र मतभेद उभर कर सामने आ गए। जिसके चलते रूस व यूक्रेन जंग और ईरान व इजरायल युद्ध को खत्म कराने के तरीके को लेकर काई बात नहीं हो सकी। सम्मेलन के पटल से आर्थिक मुद्दे गायब हो गए और तात्कालिक अंतरराष्ट्रीय सैन्य संघर्षों और सुरक्षा सवालों पर जी-7 केंद्रित हो गया, लेकिन किसी भी बिंदु पर सहमति नहीं बन सकी। जी-7 सम्मेलन के पटल पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और चीन को जी-7 में शामिल करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया, पर सदस्य देशों में सहमति नहीं बन पाई, हालांकि ट्रंप ने भारत को भी शामिल करने का प्रस्ताव नहीं रखा। पीएम मोदी व कनाडाई पीएम कार्नी के बीच वार्ता बड़ी उपलब्धि रही। जी-7 शिखर सम्मेलन व भारत की उपलब्धियों का विश्लेषण करता आजकल का ताजा अंक...

उम्मीद नहीं जगा पाए जी-7 देश

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

सैन्य संघर्षरत राष्ट्रों के मध्य विवादों पर गहन और गंभीर चर्चा करने और उनका समुचित समाधान खोजने की दृष्टि से 51वें जी 7 शिखर सम्मेलन को तकरीबन एक विफल सम्मेलन करार दिया जाना चाहिए। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक देशों के प्रमुख अतिथि नेताओं को अल्प सूचना पर जी 7 सम्मेलन में आमंत्रित किया गया जो कि सम्मेलन के आयोजकों के निर्बल आयोजन और अंतरराष्ट्रीय समन्वय के अभाव की तरफ स्पष्ट संकेत प्रदान कर रहा था। जी 7 सम्मेलन में उपस्थित देशों के मध्य उत्पन्न गंभीर असहमति के कारण महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सैन्य संघर्ष के मुद्दों पर कोई संयुक्त नजरिया पेश नहीं किया जा सका।

विश्व पटल पर भीषण सैन्य संघर्षों के तनावपूर्ण विकट परिदृश्य में जी-7 शिखर सम्मेलन कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के दर्शनीय पर्यटन नगर कनानास्किस में 16 और 17 जून को आयोजित किया गया। सैन्य संघर्षरत राष्ट्रों के मध्य विवादों पर गहन और गंभीर चर्चा करने और उनका समुचित समाधान खोजने की दृष्टि से 51वें जी-7 शिखर सम्मेलन को तकरीबन एक विफल सम्मेलन करार दिया जाना चाहिए। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक देशों के प्रमुख अतिथि नेताओं को अल्प सूचना पर जी-7 सम्मेलन में आमंत्रित किया गया जो कि सम्मेलन के आयोजकों के निर्बल आयोजन और अंतरराष्ट्रीय समन्वय के अभाव की तरफ स्पष्ट संकेत प्रदान कर रहा था। जी-7 सम्मेलन में उपस्थित देशों के मध्य उत्पन्न गंभीर असहमति के कारण महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सैन्य संघर्ष के मुद्दों पर कोई संयुक्त नजरिया पेश नहीं किया जा सका।

तीव्र मतभेद उभर कर सामने आए

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के मध्य शांति स्थापना और सैन्य संघर्षों के समाधान को लेकर तीव्र मतभेद उभर कर सामने आ गए। सम्मेलन के पटल से आर्थिक मुद्दे हट गए और तात्कालिक अंतरराष्ट्रीय सैन्य संघर्षों और सुरक्षा सवालों पर जी-7 केंद्रित हो गया। जी-7 के लीडरों ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें इजरायल के आत्मरक्षा अधिकार की पैरवी की गई और ईरान को क्षेत्रीय अस्थिरता का प्रमुख केंद्र बताया गया। यहां तक कि 17 जून सम्मेलन समापन के दिवस यूक्रेन के समर्थन में भी कोई संयुक्त वक्तव्य जारी नहीं किया जा सका। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मध्य भी कोई कूटनीतिक मुलाकात मुमकिन नहीं हो सकी, क्योंकि अमेरिकन राष्ट्रपति को ईरान द्वारा इजरायल पर अंजाम दिए गए क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइल के भीषण आक्रमणों के कारण जी-7 सम्मेलन को बीच में ही छोड़कर तत्काल वाशिंगटन रवाना होना पड़ा था। जेलेंस्की बड़ी उम्मीद के साथ कनाडा जी-7 सम्मेलन में शिरकत करने आए थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की यह चाहत पूरी नहीं हुई कि फिर से एक बार यूक्रेन की हिफाजत करने के लिए दुनिया के आर्थिक तौर पर संपन्न और शक्तिशाली राष्ट्र एकजुट हो जाएंगे और रूस द्वारा अंजाम दिए जा रहे भयानक आक्रमणों को रोकने के लिए रूस पर कड़ा दबाव स्थापित करेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एकदम बदले हुए रवैये के कारण यह मुमकिन नहीं हो सका कि जी-7 के पटल पर यूक्रेन के पक्ष में रूस के विरुद्ध कोई संयुक्त प्रस्ताव पारित हो पाता। परिणामस्वरूप सम्मेलन के अध्यक्ष द्वारा सारांश में ही कुछ गैर विवादित मुद्दों पर जैसे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और वैश्विक तकनीकी शासन, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी निरोध, खनिज आपूर्ति, वन संरक्षण आदि मुद्दों पर अपना ध्यान केंद्रित किया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिम्मेदार और सकारात्मक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की पेशकश की। भारत ने वैश्विक शांति की भी वकालत की।

डोनाल्ड ट्रंप का परिवर्तित दृष्टिकोण

अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बुनियादी तौर पर परिवर्तित हुए दृष्टिकोण के कारण वैश्विक व्यापार अत्यंत बाधित हुआ है, क्योंकि अमेरिकी प्रशासन ने राष्ट्रपति ट्रंप के आदेशानुसार बहुत बढ़ा-चढ़ाकर अंतरराष्ट्रीय टैरिफ लागू करने का हुक्म जारी कर दिया। सम्मेलन में इंग्लैंड और अमेरिका के मध्य टैरिफ घटाने के लिए एक व्यापारिक समझौते की भी घोषणा की गई। जी-7 सम्मेलन के पटल पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस और चीन को जी-7 में शामिल करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया गया। राष्ट्रपति ट्रंप के इस प्रस्ताव पर जी-7 देशों के मध्य कोई सहमति नहीं बन सकी। अतः प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। उल्लेखनीय है कि क्रिमिया पर सैन्य शक्ति द्वारा आधिपत्य स्थापित करने के कारण सन् 2014 में रूस को जी-8 से बाकायदा निकाल दिया गया था। तभी से ही सर्वोच्च अर्थ संपन्न औद्योगिक देशों का इस अंतरराष्ट्रीय समूह जी-8 से जी-7 कहा गया है। जी-7 में कनाडा, फ्रांस, इटली, जापान, इंग्लैंड और अमेरिका शामिल हैं। यूरोपीय यूनियन स्थाई तौर पर जी-7 में आमंत्रित सदस्य है। निरंतर छठी बार भारत को भी जी-7 के शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है। भारत के अतिरिक्त ऑस्ट्रेलिया ब्राजील, मेक्सिको, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया और यूक्रेन 51वें जी-7 सम्मेलन में आमंत्रित देश रहे। रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रश्न पर जी-7 देशों के मध्य सहमति नहीं बन पाई। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस- यूक्रेन युद्ध पर एक संयुक्त बयान जारी करने का प्रबल विरोध किया गया।

मोदी-कोर्नी की कूटनीतिक मुलाकात

परिणामस्वरूप कनाडा ने स्वयं जी-7 के अध्यक्ष राष्ट्र के तौर पर संक्षेप में (चेयर समरी) बयान जारी किया, जिसमें रूस-यूक्रेन के मध्य निर्विरोध संघर्ष विराम और नए शांति प्रयासों की अपील जारी की गई है! भारत के लिए जी-7 सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि रही कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ उल्लेखनीय कूटनीतिक मुलाकात हो गई। इसके परिणाम स्वरूप दोनों देशों के मध्य उच्च स्तरीय कूटनीतिक संबंध को पुनर्स्थापित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में भारत और कनाडा के कूटनीतिक संबंध बेहद तल्ख और बदतर स्थिति में पहुंच गए थे। जस्टिन ट्रूडो द्वारा खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हलाकत का इल्जाम भारत सरकार पर आयद कर दिया गया। उम्मीद है कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कूटनीतिक प्रयास द्वारा फिलहाल कनाडा और भारत के कूटनीतिक संबंध पुनः सामान्य हो जाएंगे। उल्लेखनीय है कि कनाडा में भारतीय मूल के तकरीबन 20 लाख नागरिक रहते हैं। जी-7 सम्मेलन को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी ने फरमाया कि विश्व को ऊर्जा उत्पादन के तीव्र विकास और संरक्षण की सबसे अधिक आवश्यकता है। नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में अपनी छठवीं उपस्थिति दर्ज कराते हुए अंतरराष्ट्रीय सोलर अलायंस को वैश्विक सहयोग के लिए एक मॉडल के रूप में पेश किया गया। वैश्विक आतंकवाद के प्रश्न पर नरेंद्र मोदी ने अपने स्पष्ट विचार सम्मेलन के समक्ष प्रस्तुत किए और कहा कि वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एकमत होकर और एकताबद्ध होकर अत्यंत कठोरता के साथ कार्रवाई की जानी चाहिए। वैश्विक आतंकवाद पर दोहरा दृष्टिकोण और मानसिकता अख्तियार करने वालों की उन्होंने कड़ी आलोचना की।

राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा जी-7 सम्मेलन को अचानक छोड़कर चले जाने के कारणवश प्रधानमंत्री मोदी की उनके साथ मुलाकात संभव नहीं हो सकी। अतः नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रपति ट्रंप के साथ 35 मिनट तक टेलीफोन द्वारा लंबी बातचीत की गई। राष्ट्रपति ट्रंप चाहते थे कि नरेंद्र मोदी व्हाइट हाउस आकर उनसे मुलाकात करें, किंतु बड़ी कूटनीतिक कुशलता के साथ नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप के निमंत्रण को बाकायदा विनम्रतापूर्वक ठुकरा दिया, क्योंकि नरेंद्र मोदी बखूबी जानते थे कि उन्होंने पाकिस्तान के फील्ड मार्शल जनरल असीम मुनीर को शासकीय भोज पर आमंत्रित किया है।

ट्रंप और मोदी में टेलीफोनिक वार्ता

फील्ड मार्शल मुनीर से मुलाकात से तकरीबन कुछ घंटे पहले ही राष्ट्रपति ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टेलीफोन वार्ता पर क्या बातचीत हुई, इसका संपूर्ण ब्यौरा अभी उपलब्ध नहीं हुआ है। विश्वसनीय सूत्र बताते हैं कि इस टेलीफोनिक बातचीत के दौरान ही राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी व्हाइट हाउस में पधारने का निमंत्रण दिया था। फील्ड मार्शल असिम मुनीर और प्रेसिडेंट ट्रंप के मध्य क्या बातचीत हुई इसकी भी कोई विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के बयानों से इतना अंदाजा तो लगाया ही जा सकता है कि वार्ता के एजेंडे में भारत और पाकिस्तान के मध्य हुआ सैन्य संघर्ष और इजरायल और ईरान के मध्य जारी भीषण संग्राम बातचीत के मुख्य मुद्दे रहे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ट्रंप और फील्ड मार्शल असिम मुनीर की मुलाकात भारत और पाकिस्तान के मध्य सैन्य संघर्ष के तकरीबन एक महीने बाद हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने मुलाकात के तत्पश्चात पत्रकारों से कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने के लिए आभार जताने की खातिर फील्ड मार्शल असिम मुनीर को व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने आगे कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही देश परमाणु संपन्न देश हैं और दोनों के मध्य परमाणु युद्ध संभव हो सकता था, लेकिन दो समझदार लोगों ने युद्ध रोकने का बाकायदा फैसला लिया। प्रेसिडेंट ट्रंप का निमंत्रण स्वीकार नहीं करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्हाइट हाउस नहीं जाने का निर्णय इसलिए लिया, क्योंकि नरेंद्र मोदी समझ गए थे कि राष्ट्रपति ट्रंप उनको और फील्ड मार्शल मुनीर को एकसाथ व्हाइट हाउस में बुलाकर समस्त विश्व को यह पैगाम देना चाहते हैं कि उनके ही द्वारा भारत और पाकिस्तान के मध्य युद्ध को रुकवाया गया है और वस्तुतः वो ही विश्व शांति के सबसे बड़े मसीहा और अग्रदूत हैं। फील्ड मार्शल मुनीर से मुलाकात करके भारत को डोनाल्ड ट्रंप कूटनीतिक संदेश दे रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान उनके लिए अब बराबर के सहयोगी देश हैं। उन्होंने ना तो भारत को तरजीह प्रदान की है और ना ही पाकिस्तान को। यह वही डोनाल्ड ट्रंप हैं जो कि पाकिस्तान को जिहादी आतंकवादियों को पनाह देने वाला और परवरिश प्रदान करने वाला सबसे खतरनाक मुल्क करार देते थे और कहते थे कि अमेरिकी इमदाद की 90 फीसदी दौलत को पाक हुकूमत द्वारा आतंकवादियों की इमदाद के लिए खर्च किया गया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने विगत कार्यकाल में पाकिस्तान की समस्त सैन्य सहायता खत्म कर दी थी। अब वही डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान को अपना सबसे प्यारा मुल्क करार दे रहे हैं, क्योंकि उनको अब इजरायल और ईरान युद्ध में पाकिस्तान की सबसे अधिक दरकार है। अमेरिका वस्तुतः पाकिस्तान में अपने सैन्य अड्डे स्थापित करके ईरान पर आक्रमण अंजाम देना चाहता है। नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण को बाकायदा ठुकरा कर भारत की तरफ से भी अमेरिका को सख्त पैगाम दे दिया है कि अब भारत अकेला ही पाकिस्तान से निपट सकता है। ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो भारत आजादी के बाद विश्व पटल पर किसी भी सैन्य गुट का कदाचित हिस्सा नहीं रहा। आज भी भारत अपनी उसी कूटनीतिक गुटनिरपेक्षता पर कायम है। भारत के पास विलक्षण नैतिक शक्ति विद्यमान है कि वह तृतीय विश्व युद्ध के कगार पर खड़ी दुनिया को संपूर्ण विनाश से बचा सकता है।

बदले माहौल में कूटनीति को धार जरूरी

भारत

सुनील अमर

स्वतंत्र पत्रकार

बीते सप्ताह समूह-7 देशों की वार्षिक बैठक कनाडा में सम्पन्न हुई। भारत यद्यपि इस समूह का सदस्य नहीं है लेकिन वर्ष 2003 से इसे विशेष आमंत्रित देश के तौर पर बुलाया जाता रहा है। परिस्थितियां ऐसी थीं कि इस बार की बैठक में भारत को बुलाया जाना ज्यादा महत्वपूर्ण था और दुनिया के सभी देशों की निगाह इस पर लगी हुई थी। इसमें दो कारण थे- पहला, ऑपरेशन सिन्दूर तथा दूसरा, मेजबान देश कनाडा से भारत के सम्बन्धों में खटास।

एक समय तो ऐसा भी लग रहा था कि भारत को शायद बुलावा ही न मिले। बहरहाल, भारत ने आयोजन में शिरकत की तथा अपनी बातों को, खासकर पाक प्रायोजित आतंकवाद तथा हालिया सीजफायर में किसी तीसरे की मध्यस्थता न होने को प्रमुखता से रखा और बाकी देशों के प्रमुखों से चर्चा भी की। वहीं, दूसरी तरफ, सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों द्वारा बयान जारी कर कहा गया कि भारत-पाकिस्तान को आपसी वार्ता शुरू करनी चाहिए। समूह का सदस्य देश न होने के बावजूद अगर भारत को बुलाया जाता है तो यह भारत के एक मजबूत अर्थव्यवस्था, विशाल आबादी, युवा शक्ति और स्थिर लोकतांत्रिक देश होने के कारण है। समूह 20 तथा ब्रिक्स जैसे कई प्रभावशाली संगठनों का भारत सदस्य है।

समूह-9 बनाने का सुझाव

वर्ष 1973 की वैश्विक मन्दी तथा तेल संकट से निपटने के चलते वर्ष 1975 में समूह-6 के नाम से इसका गठन किया गया और उस समय इसमें अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, जर्मनी, इटली और फ्रांस जैसी बड़ी अर्थव्यस्था तथा औद्योगिक प्रगति वाले लोकतांत्रिक देश शामिल थे। इसके अगले वर्ष इसमें कनाडा शामिल हुआ तो यह समूह-7 बन गया। वर्ष 1998 में इसमें रूस के शामिल हो जाने से यह समूह-8 बन गया लेकिन क्रीमिया के मुद्दे पर वर्ष 2014 में रूस की सदस्यता निलम्बित कर दी गयी तो यह फिर से समूह-7 बन गया है। इस बार की बैठक में तो आश्चर्यजनक ढंग से अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस समूह में रूस और चीन को भी शामिल करके इसे समूह-9 बनाने का सुझाव दे डाला, लेकिन भारत को भी शामिल करके समूह-10 बनाने की बात नहीं की।

यहां यह जान लेना जरूरी है कि समूह-7 के निर्णय सदस्य देश मानने को बाध्यकारी नहीं होते लेकिन इसके सदस्य देशों की हैसियत के कारण इन फैसलों का दुनिया पर असर पड़ता है। इस समूह का कोई स्थायी सचिवालय भी नहीं है। कनाडा के आन्तरिक विरोधों के बावजूद वहां के नवनिर्वाचित प्रधानमन्त्री ने भारत को समूह-7 में निमंत्रित किया और प्रधानमन्त्री मोदी ने इस अवसर का उपयोग करते हुए वहां एकत्रित विश्व बिरादरी के सामने भारत में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की बात रखी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा बार-बार यह कहने कि उन्होंने भारत-पाक के बीच सीजफायर कराया, को स्पष्ट करते हुए मोदी ने साफ कहा कि भारत-पाक सीजफायर में किसी तीसरे की मध्यस्थता नहीं रही।

दोहरे मानदंडों की निन्दा

प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद जैसे वैश्विक खतरे पर दुनिया के कुछ देशों तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों

के दोहरे मानदंडों की भी निन्दा की। ध्यान रहे कि पहलगाम में आतंकी हमले तथा उसके बाद भारत से लड़ाई छेड़ने के बावजूद पश्चिमी देशों के प्रभाव वाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पाकिस्तान को आतंकवाद निरोधक समिति का उप सभापति बना दिया! इतना ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र की तालिबान पर प्रतिबन्ध लगाने वाली कमेटी का अध्यक्ष भी बना दिया गया। भारत बार-बार कहता रहा कि वैश्विक संस्थाओं द्वारा मिलने वाली सहायता और कर्ज को पाकिस्तान आतंकवाद फैलाने में खर्च करता है लेकिन बावजूद इसके अभी गत दिनों पाकिस्तान को न सिर्फ अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से सात अरब डॉलर बल्कि एशियन डेवलपमेन्ट बैंक से 80 करोड़ डॉलर का कर्ज मिला है।

मोदी यात्रा की प्रमुख उपलब्धि

उधर विश्व बैंक भी 20 अरब डॉलर का कर्ज स्वीकार कर चुका है। समूह-7 की इस बैठक में भारत के हिस्सा लेने से एक बड़ा और दूरगामी लाभ कनाडा से सम्बन्ध सुधार है। लगभग दो साल से भारत और कनाडा के सम्बन्धों में ज्यादा खटास आयी हुई थी लेकिन इस बैठक के दौरान 17 जून को दोनों पक्षों की आपसी बैठक में दोनों देशों में आपसी सम्बन्ध बहाल करने, राजदूतों की नियुक्ति करने, वीजा प्रक्रिया बहाल करने तथा इंटेलीजेन्स सूचनाओं के आदान-प्रदान पर सहमति बनी। भारत और कनाडा के जिस तरह से सम्बन्ध रहे हैं तथा जिस तरह भारी संख्या में भारतीय कनाडा में न सिर्फ रहते हैं बल्कि वहां की राजनीति और सरकार में शामिल हैं, उसे देखते हुए इस वार्ता और सम्बन्ध बहाली को ही प्रधानमन्त्री मोदी की समूह-7 यात्रा की प्रमुख उपलब्धि कहा जा सकता है।

ट्रंप के संबोधन के मायने

ताजा इजरायल-ईरान युद्ध में अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को मोहरा बनाना अलग बात है लेकिन पाक सेनाध्यक्ष को जिस (समूह-7 की बैठक के) वक्त अमेरिका ने न्यौता दिया वह टाइमिंग बहुत कुछ कहती है और जिस तरह व्हाइट हाऊस में उनका स्वागत किया गया, जिस तरह उन्होंने ट्रंप को नोबल शांति पुरस्कार देने का शिगूफा छोड़ा और जिस तरह बदले में ट्रंप ने 'आई लव पाकिस्तान' का नारा उछाला, वह अमेरिकी इतिहास में अभूतपूर्व ही है।

ट्रंप ने पाक सेनाध्यक्ष को पाकिस्तान का 'सबसे ताकतवर व्यक्ति' कहकर सम्बोधित किया। इस सम्बोधन के कई अर्थ निकलते हैं। एक लोकतांत्रिक देश में, जहां एक निर्वाचित सरकार कार्य कर रही हो, वहां के किसी राजनेता के बजाय सेनाध्यक्ष को सबसे ताकतवर व्यक्ति बताना तो एक तरह से सेनाध्यक्ष की पीठ ठोक कर उसे उकसाने जैसा है, खासकर पाकिस्तान जैसे देश में जिसका अतीत ही तख्तापलट और सैन्य शासन से भरा पड़ा है। यह ध्यान रखने की बात है कि हमेशा अमेरिका की जी-हजूरी कर कटोरा पसारे रहने वाला पाकिस्तान आजकल चीन की गोद में बैठा हुआ है और इससे अमेरिका सहज नहीं है। पाक सेनाध्यक्ष के इस अभूतपूर्व स्वागत के पीछे जानकार कुछ और कारण भी बता रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के पुत्र ट्रंप जूनियर के 60 प्रतिशत स्वामित्व वाली 'वर्ल्ड लिबर्टी फायनांशियल जो क्रिप्टो करेन्सी का व्यापार करती है, को दक्षिण एशिया में भी अपना व्यापार शुरू करना है और ट्रंप जूनियर इसका मुख्यालय पाकिस्तान में बनाना चाहते हैं!

ऐसे हालात को देखते हुए निश्चित तौर पर भारत को अपनी कूटनीतिक गतिविधियों को और तेज करने की जरूरत है। हम भारतीयों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी ने अलग से मुलाकात की और धीरे-धीरे संबंधों को सामान्य बनाने का निर्णय लिया।

भारत व कनाडा के बीच नई शुरूआत

कूटनीति

डॉ. एन.के. सोमानी

शिक्षाविद् व विदेश मामलों के जानकार

पिछले एक साल से भारत और कनाडा के बीच जो राजनयिक गतिरोध की स्थिति बनी हुई थी, संभवतः अब वह जल्द ही इतिहास की वस्तु हो जाएगी। संभावना की बड़ी वजह यह है कि दोनों देशों के बीच उच्चायुक्तों की नियुक्ति और व्यापार वार्ता फिर से शुरू करने पर सहमति बन गई है। यह सहमति भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कनाडा यात्रा के दौरान बनी। दरअसल, पिछले दिनों भारत के प्रधानमंची नरेंद्र मोदी दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्था वाले जी-7 देशों की 51वीं शिखर बैठक में हिस्सा लेने के लिए कनाडा गए। जी-7 की बैठक से इतर उनकी प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से द्विपक्षीय वार्ता हुई।

वार्ता के दौरान बनी सहमति

वार्ता के दौरान दोनों देश उच्चायुक्तों को नियुक्त करने और व्यापार प्रक्रिया को दोबारा शुरू करने पर सहमत हुए। इसके अलावा दोनों देश खाद्य सुरक्षा, डिजिटल ट्रांजिशन, टेक्नोलॉजी, क्रिटिकल मिनरल्स और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच पारदर्शी सहयोग के लिए भी राजी हुए हैं। भारत जी-7 का सदस्य नहीं है। उसे विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप आमंत्रित किया गया। आरंभ में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किए जाने को लेकर कनाडा में असमंजस की स्थिति रही। लेकिन कैनेडियन प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के भारत से संबंधों को बहाल करने और घरेलू राजनीति को अंतराष्ट्रीय कूटनीति से अलग करने के प्रयासों के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जी-7 बैठक का न्यौता भेजा जा सका। वर्तमान में कनाडा की राजनीतिक स्थिति और संसद के भीतर जो दलीय स्थिति है, उसे देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि कार्नी के लिए निर्णय आसान नहीं था। लेकिन कार्नी भी इस अवसर को खोना नहीं चाहते थे। परिणाम स्वरूप दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय वार्ता संभव हो सकी। पिछले साल अक्टूबर में भारत-कनाडा संबंध उस वक्त इतिहास के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे जब पूर्व प्रधानमंत्री जस्टीन टूडो ने हाउस ऑफ कॉमन्स के भीतर सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की कथित संलिप्तता की बात कही। टूडो के इस कथित आरोप के बाद भारत-कनाडा संबंधों में तल्खी इस हद तक बढ़ गई थी कि दोनों देश कूटनीतिक आक्रामकता पर उतर आए। बात राजनयिकों से देश छोड़ने व नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी करने भर तक नहीं रुकी। भारत ने तो कैनेडियन नागरिकों की वीजा प्रक्रिया को रोक दिया था। कनाडा से पहले इस तरह की कूटनीतिक तनातनी केवल पाकिस्तान के साथ थी।

पिघलेगी संबंधों की जमी हुई बर्फ

शुरू में जब कनाडा को 2025 के शिखर सम्मेलन की मेजबानी दी गई थी उस वक्त लग रहा था कि टूडो की अध्यक्षता में ही बैठक होगी। ऐसे में इस बात की उम्मीद बहुत कम थी कि कालांतर में भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंध इतने बेहतर हो जाएंगे कि भारत को आमंत्रित किया जा सकेगा। जस्टिन टूडो के इस्तीफे के बाद मार्क

कार्नी नए प्रधानमंत्री बने। चूंकि कार्नी भी टूडो की पार्टी के ही नेता हैं इसलिए आशंका यही थी कि संभवतः कार्नी के कालखंड में नई दिल्ली और ओटावा के बीच द्विपक्षीय संबंध पटरी पर न लौट सके। लेकिन टूडो युग के अंत के बाद कनाडा में बदलाव की बयार बहने लगी। दोनों प्रमुख दलों (लिबरल और कंजर्वेटिव) ने चुनाव अभियान में भी इस बात पर जोर दिया कि वे भारत के साथ संबंध बहाल करेंगे। जल्द ही नई सरकार की विदेशमंत्री अनीता आनंद ने संबंधों को चरणबद्ध तरीके से सामान्य बनाए जाने की बात कहकर यह साफ कर दिया कि कनाडा की नई सरकार भारत के साथ संबंधों को लेकर संजीदा है।

इसके बाद शीर्ष नेतृत्व की ओर से भी संबंध सुधारने की दिशा में प्रयास हुए। अब कार्नी ने साफ कर दिया है कि जी-7 देश दुनिया के विकासशील देशों के साथ अच्छे सबंध बनाना चाहते हैं ताकि ऊर्जा, पर्यावण और राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडे को लागू किया जा सके। भारत की भागीदारी के बिना इस एजेंडे को पुरा किया जाना संभव नहीं है। बहरहाल, मोदी और कार्नी के बीच द्विपक्षीय वार्ता हो चुकी है। वार्ता के दौरान माहौल काफी खुशनुमा था। दोनों नेता जिस गर्मजोशी से मिले, उससे साफ है कि नई दिल्ली और ओटावा के बीच जमी हुई बर्फ जल्द ही पिघलती हुई दिखेगी। लेकिन दोनों देशों के बीच विवाद के कुछ बिन्दु अभी भी अनुत्तरित हैं। खालिस्तानियों की गतिविधियों व उनकी फंडिंग के मुद्दे पर भारत और कनाडा के बीच विवाद है। भारतीय राजनयिक मिशनों के बाहर होने वाला खालिस्तानी विरोध प्रदर्शन लंबे समय से भारत और कनाडा के बीच टकराव का कारण रहा है, भारत चाहता है कि कैनेडियन सरकार इस मामले में कड़ा रुख अपनाकर विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाए। जबकि कनाडा इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मानता है। उसका कहना है कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन नागरिकों का कानूनी अधिकार है। दूसरी ओर अमेरिका-कनाडा संबंध भी नाजुक दौर में हैं। ट्रंप की टैरिफ नीति और कनाडा को अमेरिकी संघ में शामिल करने की उनकी मंशा के बाद दोनों देशों के संबंधों में तल्खी और बढ़ गई है। ऐसे में कनाडा भी अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। भारत का ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौता है। इस महीने के अंत तक भारत का अमेरिका के साथ भी व्यापार समझौता हो जाएगा। ऐसे में अगर भारत-कनाडा संबंधों में गर्मजोशी लौटती है तो भारत के बडे. बाजार का लाभ कनाडा को मिल सकेगा। दूसरी ओर भारत को भी कनाडा के प्राकृतिक गैस और खनिजों के विशाल भंडार का लाभ मिल सकेगा। जाहिर है दोनों देश ट्रंप के आयात शुल्क को ध्यान में रखते हुए निज्जर हत्याकांड के फलस्वरूप संबंधों में आई तल्खी से बाहर निकल कर आर्थिक हितों को प्राथमिकता देंगे।

नया मोर्चा बनाने की मंशा

बहुत संभव है कि ट्रंप की व्यापार और विस्तार नीति के विरूद्ध कार्नी कोई मोर्चा बनाने की मंशा रखते हों। जिस तरह से उन्होंने जी- 7 के मेजबान देश की हैसियत से मैक्सिको, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और अंततः भारत को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शिखर बैठक में आमंत्रित किया है, उससे उनके इरादे जाहिर हो रहे हैं। हालांकि, मोदी को आमंत्रित किए जाने के फैसले को लेकर कनाडा के अंदर अभी भी विरोध के स्वर उठ रहे हैं। ऐसे में यह देखना काफी दिलचस्प होगा मोदी के कनाडा दौरे के बाद भारत की कूटनीति खालिस्तानी समर्थक समूहों के विरोध का सामना किस तरह से करती है। स्थिति चाहे जो भी बने लेकिन यह तय है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद जिस तरह से विदेश नीति और कूटनीतिक के मोर्चे पर देश के भीतर मोदी सरकार की आलोचना हो रही है, उसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कनाडा जैसे देश का साथ निस्संदेह राहत की बात होगी।

बिरला ने संसद और लाल किला परिसर में योग सत्र का नेतृत्व किया

योग मानसिक शांति, आत्मबल, आध्यात्मिक ऊर्जा और सफलता का प्रदाता

इस अवसर पर सांसदों, पूर्व सांसदों, लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित सैकड़ों प्रतिभागियों ने सामूहिक योग अभ्यास (कॉमन योग प्रोटोकॉल) में भाग लिया।

सैकड़ों प्रतिभागियों ने सामूहिक योग अभ्यास में शिरकत की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद परिसर में योग सत्र का नेतृत्व किया। इस अवसर पर सांसदों, पूर्व सांसदों, लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित सैकड़ों प्रतिभागियों ने सामूहिक योग अभ्यास (कॉमन योग प्रोटोकॉल) में भाग लिया। बिरला ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि शरीर, मन और आत्मा के मध्य समरसता स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि योग से व्यक्ति को मानसिक शांति, आत्मबल और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है, जो जीवन के हर क्षेत्र में संतुलन और सफलता की ओर ले जाती है।बिरला ने युवाओं से विशेष रूप से योग को अपनाने की अपील करते हुए कहा कि यह आत्मविश्वास, धैर्य, मानसिक स्पष्टता और जीवन के उद्देश्य को समझने में सहायक बनता है। उन्होंने कहा कि आज विश्व भर में योग दिवस को उत्साह के साथ मनाया जा रहा है और करोड़ों लोग इस प्राचीन भारतीय परंपरा को अपना कर सकारात्मक परिवर्तन का अनुभव कर रहे हैं।

संतुलित जीवनशैली को मिलता है प्रोत्साहन

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि दुनियाभर में वैज्ञानिक अध्ययनों और शोधों के माध्यम से योग के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों को मान्यता मिली है। योग तनाव प्रबंधन, कार्यकुशलता और ध्यान क्षमता को बढ़ाने के साथ ही एक संतुलित जीवनशैली को प्रोत्साहित करता है।

ब्रह्माकुमारीज के कार्यक्रम में भी की सहभागिता

बिरला ने दिल्ली स्थित ऐतिहासिक लाल किला परिसर में ब्रह्माकुमारीज के एक भव्य 'मास योग अभ्यास' कार्यक्रम का भी नेतृत्व किया। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्थान के 'राजयोग' और 'ज्ञान योग' के माध्यम से विश्वभर में शांति और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।

योग की धूम

नई दिल्ली। हर साल की तरह इस साल भी 21 जून को पूरी दुनिया 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। भारत ही नहीं दुनियाभर में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता का संदेश देने योग किया। छात्र-छात्राओं, युवा-महिलाओं से लेकर हर वर्ग के लोगों ने अभूतपूर्व

शिवराज ने बताया योग से कैसे हो गए निरोग?

घायल होकर जाना पड़ा था अस्पताल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली के पूसा परिसर मेंयोग कार्यक्रम में भाग लिया और योग किया। इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों और लखपति दीदियों ने भी योग किया। इचौहान ने कहा कि सभी देशवासियों को और पूरी दुनिया को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। मैं महर्षि पतंजलि सहित सभी योग गुरुओं को नमन करता हूं, जिन्होंने संपूर्ण योग की कला और विज्ञान का प्रचार

प्रसार किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहुत-बहुत धन्यवाद। चौहान ने योग के फायदे बताते हुए कहा कि मेरे साथ एक भयानक दुर्घटना हुई थी। मैं अस्पताल के बिस्तर पर लेटा रहता था और सोचता था कि क्या मैं अन्य लोगों की तरह चल पाऊंगा। योग ने मुझे इतना सक्षम बना दिया है कि आज मैं चल सकता हूं, घूम सकता हूं, काम कर रहा हूं।

जल शक्ति मंत्रालय ने यमुना तट पर मनाया योग दिवस

नदी के पुनरोद्धार से जुड़े प्रयासों पर प्रकाश डाला

नई दिल्ली। जल शक्ति मंत्रालय ने यमुना नदी के तट पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया और इस अवसर पर नदी पुनरोद्धार के महत्व को रेखांकित किया। आधिकारिक बयान में कहा गया कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की ओर से

जीरो पुश्ता पार्क में बीएसएफ कयाकिंग कैंप में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मंत्रालय के अधिकारियों, स्थानीय निवासियों समेत कई लोगों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर जल संसाधन, गंगा पुनरोद्धार और नदी विकास विभाग की सचिव देबाश्री मुखर्जी, एनएमसीजी के मिशन निदेशक राजीव मित्तल और जल जीवन मिशन के प्रबंध निदेशक कमल किशोर सोन भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने दिलाई पहचान

प्रसिद्ध जागेश्वर धाम में केंद्रीय मंत्री ने लोगों के साथ किया योग

अल्मोड़ा। विश्वप्रसिद्ध जागेश्वर धाम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भव्य योग एवं प्राणायाम कार्यक्रम हुआ। इसमें केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा शामिल हुए। वहीं प्रसिद्ध कटारमल मंदिर परिसर में भी योग और प्राणायाम किया गया, जिसमें केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने योगाभ्यास किया। सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा के विभिन्न स्थानों पर भी हजारों लोगों ने योग किया मंत्री अजय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है।

इन्होंने ने भी किया योग

मुंबई। कलाकारों ने मुंबई में योग करते हुए इसकी महत्ता बताई।

मथुरा। अभिनेत्री और भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने किया योग।

तवांग। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू तवांग में योग करते हुए।

रायपुर। छग से सीएम विष्णुदेव योग कार्यक्रम में शामिल हुए।

खबर संक्षेप

कलकत्ता विवि के छात्रावास की छत गिरी

कोलकाता। कलकत्ता विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास के एक कमरे की छत शनिवार तड़के गिर गई। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। करीब 150 वर्ष पुराने इस छात्रावास में छात्राएं रहती हैं। रजिस्ट्रार देबाशीष दास ने बताया कि छत का एक हिस्सा कमरे में छात्राओं के बिस्तर पर गिर गया।

प्रतिबंधित संगठनों के 4 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। सुरक्षा बलों ने मणिपुर में विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 4 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। एनएससीएन के एक कैडर को जिरीबाम जिले के कमरांगा गांव से गिरफ्तार किया। यह उग्रवादी राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर फिरौती के लिए अपहरण वसूली में शामिल था।

जालंधर कैंट में गिरी क्रेन, 10 वाहन क्षतिग्रस्त

जालंधर। जालंधर कैंट स्टेशन पर सुबह 11:30 बजे मोबाइल क्रेन पार्किंग में गिरने से बड़ा हादसा हुआ। मोबाइल क्रेन पावर क्रेन के हिस्सों को टुकड़ों में खोल कर उतार रही थी की, जरकिंग की समस्या आने से बैलेंस बिगड़ गया। इससे क्रेन पार्किंग में खड़े यात्रियों और रेल कर्मचारियों के वाहनों के ऊपर जा गिरी। 10 वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

विपक्ष की मांग पर चुनाव आयोग की दो टूक, भड़के राहुल

मतदान केंद्रों के वीडियो फुटेज साझा करना वोटर की निजता का उल्लंघन, यह अवैध

अधिकारियों ने दावा किया कि जिसे बहुत तार्किक मांग के रूप में पेश किया जा रहा है, वह वास्तव में मतदाताओं की निजता और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का उल्लंघन है। इससे लोगों में शत्रुता बढ़ सकती है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग फुटेज सार्वजनिक करने की मांग के बीच चुनाव आयोग के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि ऐसा कदम मतदाताओं की निजता और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का उल्लंघन है। इस तरह की मांग उनकी धारणा के लिए ठीक है, जो मतदाता हितैषी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सुरक्षा के लिए उपयुक्त लगती हैं, लेकिन वास्तव में इसका मकसद बिल्कुल विपरीत उद्देश्य को प्राप्त करना है। अधिकारियों ने दावा किया कि जिसे बहुत तार्किक मांग के रूप में पेश किया जा रहा है, वह वास्तव में मतदाताओं की निजता और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का उल्लंघन है। यह जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951 में निर्धारित कानूनी स्थिति और शीर्ष कोर्ट के निर्देशों के पूरी तरह विपरीत है। उन्होंने कहा कि फुटेज को साझा करने से मतदाता और मतदाता न होने वाले लोग दोनों ही असामाजिक तत्वों के निशाने पर आ सकते हैं। इससे किसी भी समूह या व्यक्ति की ओर से मतदाताओं की पहचान करना आसान हो जाएगा।

मतदाता और मतदाता न होने वाले लोगों पर बढ़ेगा खतरा

पहचान होगी आसान

ईसी ने इस संबंध में कोर्ट का दिया हवाला

चुनाव आयोग ने उदाहरण के साथ समझाया

उदाहरण के तौर पर उन्होंने कहा कि यदि किसी विशेष राजनीतिक दल को किसी विशेष बूथ पर कम वोट मिलते हैं तो वह सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से आसानी से पहचान सकता है कि किस मतदाता ने वोट दिया है और किस मतदाता ने नहीं। उसके बाद उन्हें परेशान या धमकाया जा सकता है। निश्चित रूप से चुनाव आयोग सीसीटीवी फुटेज को 45 दिन की अवधि के लिए अपने पास रखता है, जो पूरी तरह से एक आंतरिक प्रबंधन है। यह अनिवार्य आवश्यकता नहीं है। इस तरह का मांगे करना अर्थहीन और बेकार की बातें हैं।

45 दिन तक फुटेज सहेजने की वजह बताई

अधिकारियों ने साफ किया कि परिणाम की घोषणा के 45 दिन के बाद चुनाव को चुनौती नहीं दी जा सकती है। इसलिए इस अवधि से अधिक समय तक फुटेज को अपने पास रखने से गैर-प्रतियोगियों कर ओर से गलत सूचना और दुर्भावनापूर्ण खबरें फैलाने के लिए सामग्री का दुरुपयोग होने की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि यदि 45 दिन के भीतर चुनाव याचिका दायर की जाती है, तो सीसीटीवी फुटेज को नष्ट नहीं किया जाता है और मांगे जाने पर इसे सक्षम न्यायालय को भी उपलब्ध कराया जाता है।

राहुल ने कहा-मैच फिक्स है

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मतदाता सूची? मशीन-रीडेबल फॉर्मेट नहीं देंगे। सीसीटीवी फुटेज? कानून बदल कर छिपा दी। चुनाव की फोटो और वीडियो? अब 1 साल नहीं, 45 दिन में मिटा देंगे। जिससे जवाब चाहिए था – वही सबूत मिटा रहा है।' उन्होंने लिखा, स्पष्ट है कि मैच फिक्स है। और फिक्स किया गया चुनाव लोकतंत्र के लिए जहर है।

मतदाता की गोपनीयता बनाए रखना चुनाव आयोग का कर्तव्य

पदाधिकारियों ने कहा कि मतदाता की गोपनीयता बनाए रखना चुनाव आयोग के लिए अपरिहार्य है। आयोग ने कानून में निर्धारित इस आवश्यक सिद्धांत पर कभी समझौता नहीं किया है, जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने भी बरकरार रखा है। अपने इलेक्ट्रॉनिक डेटा के दुर्भावनापूर्ण जरिया बनने के डर से ईसी ने अपने राज्य चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है।

विपक्ष उठाता रहा इससे जुड़े सवाल

यह टिप्पणी कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की ओर से 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में मतदान केंद्रों से शाम 5 बजे के बाद सीसीटीवी फुटेज जारी करने की मांग को लेकर आई है। पिछले साल दिसंबर में सरकार ने सीसीटीवी कैमरों और वेबकास्टिंग फुटेज के साथ-साथ उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए एक चुनाव नियम में बदलाव किया था।

सीएम सैनी ने कुरुक्षेत्र में इनलैंड कंटेनर डिपो धीरपुर के कार्गो टर्मिनल का किया उद्घाटन

लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन के क्षेत्र में एक नई शक्ति बनकर उभरेगा हरियाणा: नायब

कस्टम क्लीयरेंस से लेकर वेयर हाउसिंग और कोल्ड स्टोरेज तक की सुविधाएं होंगी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि हरियाणा लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन के क्षेत्र में एक नई शक्ति बनकर उभरेगा। धीरपुर (कुरुक्षेत्र) का अंतर्देशीय कंटेनर डिपो विकसित भारत-विकसित हरियाणा के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। इससे प्रदेश के किसानों, उद्यमियों व व्यापारियों की समृद्धि बढ़ेगी और युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। सैनी शनिवार को इनलैंड कंटेनर डिपो धीरपुर के पीएम गति शक्ति कार्गो टर्मिनल के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारंभ किया।

सैनी ने कहा कि हरियाणा में दुबई के सर्राफ ग्रुप का निवेश राज्य की आर्थिक नीतियों और यहां के व्यापार-अनुकूल माहौल के गहरे विश्वास को दर्शाता है, जो भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच मजबूत होते आर्थिक संबंधों का भी प्रतीक है। यह केवल एक आधुनिक लॉजिस्टिक सुविधा का लोकार्पण नहीं है, बल्कि यह हरियाणा के सामर्थ्य, किसानों, व्यापारियों व उद्यमियों की समृद्धि और युवाओं के भविष्य को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हरियाणा में निवेश के नए अवसर पैदा होंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय था, जब इस तरह की आधुनिक सुविधाएं केवल दिल्ली-मुंबई जैसे बड़े महानगरों तक ही सीमित थी। अब यहां भी कस्टम क्लीयरेंस से लेकर वेयरहाउसिंग और कोल्ड स्टोरेज तक की आधुनिक सुविधाएं एक ही जगह पर मिलेंगी। इससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और बढ़ावा मिलेगा तथा हरियाणा में निवेश के नए अवसर पैदा होंगे। ऐसी ही परियोजनाओं के बलबूते हरियाणा लॉजिस्टिक इंडेक्स में पूरे भारत में दूसरे स्थान पर है। यही नहीं, हरियाणा ने लगातार तीन वर्षों-2022, 2023 और 2024 के लिए लीड्स सर्वेक्षण में लैंड-लॉक्ड राज्यों में अचीवर श्रेणी को बरकरार रखा है।

वैश्विक व्यापार का बनेगा प्रवेश द्वार बनेगा आईसीडी

सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र में यह डिपो हरियाणा के लिए 'गेटवे टू ग्लोबल ट्रेड' यानी वैश्विक व्यापार का प्रवेश द्वार बनने जा रहा है। अब तक हरियाणा के किसान, छोटे-बड़े उद्यमी व व्यापारी, जब अपने उत्पाद को बंदरगाहों तक भेजते थे, तो उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। समय भी ज्यादा लगता था और लागत भी बढ़ती थी। इस डिपो से न केवल लॉजिस्टिक्स की लागत में 20 से 30 प्रतिशत तक की कमी आएगी, बल्कि समय की भी भारी बचत होगी।

हरियाणा में डीएपी और यूरिया खाद की कमी एमएसपी को लेकर किसान परेशान: सैलजा

सिरसा, फतेहाबाद, कैथल समेत अनेक जिलों में खाद न मिलने से बुवाई हो रही प्रभावित

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में डीएपी और यूरिया खाद की कई से कई जिलों में किसान परेशान है, खाद की कमी से फसलों की बिजाई प्रभावित हो रही है। सांसद ने सरकार से मांग की है कि त्वरित हस्तक्षेप कर डीएपी और यूरिया खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करे। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी दर्जा दिया जाए ताकि किसानों को फसल का उचित मूल्य सुनिश्चित हो सके और वे बिचौलियों के शोषण से मुक्त हो सकें।

मीडिया को जारी बयान में सैलजा ने कहा है कि हरियाणा के किसान इन दिनों डीएपी और यूरिया की भारी कमी से जूझ रहे हैं। सिरसा, फतेहाबाद, कैथल समेत अनेक जिलों में खाद न मिलने से किसानों की बुवाई प्रभावित हो रही है। ऐसे में सरकार त्वरित हस्तक्षेप कर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करे। सांसद ने कहा कि पहले सिंचाई पानी की कमी थी और अब बरसात के बाद फसलों की बिजाई का सही समय है, पर किसान डीएपी और यूरिया खाद की कमी से जूझ रहा है। सरकारी खरीद केंद्र पर खाद नहीं है पर प्राइवेट एजेंसी पर खाद है जो खाद के मनमाने दाम वसूल कर रहे है। ऐसा बिना अधिकारियों की मिली भगत के संभव नहीं है। सरकार को डीएपी और यूरिया खाद की मांग को ध्यान में रखते हुए किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराना चाहिए ताकि वह सही समय पर फसलों की बिजाई कर सके।

उन्होंने कहा है कि पराली प्रबंधन के लिए चलाई गई सुटेबल टू बेल स्कीम के तहत किसानों ने सहयोग किया, परंतु अब तक उन्हें प्रोत्साहन राशि नहीं मिली है, जिससे किसानों में नाराजगी है। यह भुगतान तत्काल किया जाना चाहिए। सांसद ने जोर देकर कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी दर्जा दिया जाए ताकि किसानों को फसल का उचित मूल्य सुनिश्चित हो सके और वे बिचौलियों के शोषण से मुक्त हो सकें।

राज्य के आम उत्पादक किसानों को बड़ी राहत, आम के घटे भाव

कर्नाटक: ढाई लाख मीट्रिक टन आम के भाव के अंतर की राशि किसानों को देने पर हुई सहमति

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाव कम होने से परेशान कर्नाटक के आम उत्पादक किसानों को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बड़ी राहत प्रदान की है। आम के घटे भाव के संबंध में किसानों को अंतर की राशि का भुगतान केंद्र और राज्य सरकार मिलकर करेगी। शिवराज सिंह और कर्नाटक के कृषि मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी के बीच शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई बैठक में इस बारे में फैसला लिया गया। वर्चुअल बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी भी शामिल हुए।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह और श्री चेलुवरायस्वामी के बीच चर्चा के दौरान ढाई लाख मीट्रिक टन आम के भाव के अंतर की राशि किसानों को देने पर सहमति हुई है। इससे पहले कर्नाटक सरकार ने भारत सरकार के पास एक प्रस्ताव भेजा था कि उनके यहां टमाटर और आम, खासकर तोतापुरी, इन दोनों की कीमतें लगातार कम हो रही है, इसके संदर्भ में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह और कर्नाटक के कृषि मंत्री की आपस में चर्चा हुई। कर्नाटक राज्य द्वारा प्रस्तावित उनके आम उत्पादन लगभग 10 लाख मीट्रिक टन में से ढाई लाख मीट्रिक टन तक की मात्रा के अंतर के राशि देने पर बात हुई। तोतापुरी आम के भाव किसानों को सामान्य से काफी कम मिल रहे है, तो वर्चुअल बैठक में यह तय हुआ कि किसानों को सामान्य से कम जो भी कीमत मिलती हैं, उसका जो भावांतर है, वह केंद्र सरकार की योजना के तहत आधा-आधा केंद्र और राज्य सरकार वहन करेगी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह और कर्नाटक के कृषि मंत्री चेलुवरायस्वामी के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में हुआ फैसला

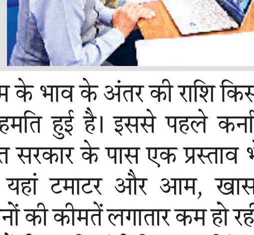

इस चर्चा के दौरान कर्नाटक के कृषि मंत्री ने बताया कि टमाटर के जो रेट कम हो रहे थे, वह स्थिति प्रस्ताव भेजते समय थी, लेकिन अभी टमाटर के रेट ठीक हुए हैं, तो इस संबंध में अभी कुछ करने की आवश्यकता नहीं है।

पहली सैलरी से शुरू करें एसआईपी, हर इंक्रीमेंट पर टॉप अप, खूब बढ़ेगा पैसा

- कमाई में 5% सालाना हाइक जल्द बना देगी आपको करोड़पति
- इंक्रीमेंट को रोज की जरूरतों पर खर्च करने के बजाय निवेश करें
- इससे आप कम समय में ही अच्छा पैसा जुटाने में सक्षम होंगे
- इंक्रीमेंट के पैसों का सही इस्तेमाल बड़ा कॉर्पस तैयार करेगा

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी जल्द करोड़पति बनना चाहते हैं तो सधे कदमों से लक्ष्य तय कर निवेश करें। कोशिश करें कि अपनी पहली सैलरी आते ही कम से कम उसका 5 फीसदी हिस्सा निवेश करें। इसके बाद हर इंक्रीमेंट पर टॉपअप के रूप में अपने निवेश को बढ़ाते जाएं। इससे आपका पैसा खूब बढ़ेगा और आप कम समय में ही करोड़पति बनने के अपने लक्ष्य को पूरा कर लें। चूंकि इसमें कंपाउड आपके पैसे को दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ाएगा। आप कम समय में ही अमीर बन जाएंगे। क्या हाल फिलहाल में आपकी सैलरी में भी एनुअल इंक्रीमेंट हुआ है। यह सालाना इंक्रीमेंट आमतौर पर सैलरी का 5 से 10 फीसदी या और अधिक भी हो सकता है। इसका मतलब है कि इंक्रीमेंट पाने वालों की सैलरी अब बढ़कर आ रही होगी या आएगी। आप इस इंक्रीमेंट के पैसों को किस तरह से देखते हैं। क्या इसे आप अपनी रोज की जरूरतों पर ही खर्च करना चाहते हैं, या इसका इस्तेमाल आप अपने लिए फाइनेंशियल प्लानिंग में करना चाहेंगे। अगर आप इन अतिरिक्त पैसों का सही इस्तेमाल करें तो लंबी अवधि में इसी 5 से 10 फीसदी इंक्रीमेंट से बड़ा कॉर्पस बना सकते हैं। इसके लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी और हर साल उसमें टॉप अप बेहतर विकल्प है।

क्या है एसआईपी टॉप अप

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूचुअल फंड में निवेश की ऐसी व्यवस्था है, जहां आप किसी स्कीम में अपना पैसा एक साथ लगाने की बजाए, मंथली बेसिस पर लगाते हैं। मंथली निवेश के लिए उस स्कीम के तहत मिनिमम या कितना भी अमाउंट फिक्स किया जा सकता है। वहीं, हर साल बाद इस अमाउंट में इसके एक तय फीसदी रकम के साथ बढ़ोतरी करना टॉप-अप एसआईपी होता है। उदाहरण के लिए अगर आपने 5,000 रुपये मंथली एसआईपी से निवेश शुरू किया और 1 साल तक हर महीने 5,000 रुपये स्कीम में जमा होता रहा। वहीं 13वें महीने इस पूरे साल के लिए (13 से 24 महीने के लिए) आपने इस अमाउंट में 10 फीसदी बढ़ोतरी का विकल्प चुन लिया। ऐसे में 13वें महीने से 5,000 रुपये की जगह 5500 रुपये मंथली जमा होगा। फिर 25वें महीने यानी 2 साल पूरे होने पर आपने 5500 रुपये का 10 फीसदी फिर निवेश के लिए बढ़ा दिया। टॉप अप एसआईपी में ऐसी बढ़ोतरी हर साल बाद की जाती है।

इंक्रीमेंट करोड़पति बनाने में कैसे आएगा काम

मान लिया कि आपकी जॉब पिछले साल लगी थी और तब आपने सैलरी मिलते ही उसमें से 5000 रुपये की एसआईपी शुरू कर दी। वहीं आपने मन बनाया कि हर इंक्रीमेंट के एक हिस्से से हर साल एसआईपी टॉप अप करेंगे।

ऐसे समझें रिटर्न का गणित केस-1

- 10 साल के लिए एसआईपी टॉप-अप
- शुरुआती मंथली एसआईपी : 5,000 रुपये
- ड्यूरेशन : 10 साल
- अनुमानित रिटर्न : 12 फीसदी
- हर 1 साल पर 10% टॉप अप

10 साल में कुल निवेश : 9,56,245 रुपये

- 10 वर्ष बाद एसआईपी वैल्यू: 16,87,163 (करीब 17 लाख रुपये)
- कुल फायदा: 7,30,918 रुपये (7.30 लाख रुपये)

केस-2

- 15 साल के लिए एसआईपी टॉप-अप
- शुरुआती मंथली एसआईपी : 5,000 रुपये
- ड्यूरेशन : 15 साल
- अनुमानित रिटर्न: 12 फीसदी
- हर 1 साल पर 10% टॉप अप
- 15 साल में कुल निवेश: 19,06,349 रुपये
- 15 वर्ष बाद एसआईपी वैल्यू : 43,41,925 (करीब 43.50 लाख)
- कुल फायदा: 24,35,576 रुपये (24.35 लाख रुपये)

केस-3

- 20 साल के लिए एसआईपी टॉप-अप
- शुरुआती मंथली एसआईपी : 5000 रुपये
- ड्यूरेशन : 20 साल
- अनुमानित रिटर्न : 12 फीसदी
- हर 1 साल पर 10% टॉप अप
- 20 साल में कुल निवेश : 34,36,500 रुपये
- 20 वर्ष बाद एसआईपी वैल्यू : 99,44,358 (करीब 1 करोड़)
- कुल फायदा : 65,07,858 रुपये (65 लाख रुपये)

एसआईपी में टॉपअप ऐसे करें

- अपने एसआईपी प्रदाता से संपर्क करें : अपने एसआईपी प्रदाता की वेबसाइट या ग्राहक सेवा से संपर्क करें।
- टॉपअप विकल्प चुनें : अपने एसआईपी खाते में टॉपअप विकल्प चुनें और आवश्यक विवरण दर्ज करें।
- टॉपअप राशि निर्धारित करें : टॉपअप की जाने वाली राशि निर्धारित करें और यह सुनिश्चित करें कि आपके खाते में पर्याप्त धन है।
- टॉपअप आवृत्ति चुनें : टॉपअप की आवृत्ति चुनें, जैसे कि मासिक या त्रैमासिक।
- पुष्टि करें : अपने टॉपअप अनुरोध की पुष्टि करें और यह सुनिश्चित करें कि आपके एसआईपी खाते में आवश्यक अद्यतन हो गए हैं।

एसआईपी में टॉपअप के फायदे

- बढ़ता हुआ निवेश : एसआईपी में टॉपअप करने से आपका निवेश बढ़ सकता है और आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- नियमित निवेश : टॉपअप सुविधा के साथ, आप नियमित रूप से अपने निवेश को बढ़ा सकते हैं।
- लचीला निवेश : एसआईपी में टॉपअप करने से आपको अपने निवेश को लचीला बनाने में मदद मिल सकती है, जिससे आप अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यकतानुसार निवेश कर सकते हैं।
- एसआईपी में टॉपअप करने से आपको अपने निवेश को बढ़ाने और अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

बिजनेस शुरू करने के लिए बना रहे हैं लोन का प्लान, तो जान लें कुछ बातें

पहले जान लें बिजनेस लोन आखिर कितने प्रकार के होते हैं | अगर खुद का कारोबार शुरू करना चाहते हैं, बैंक से लोन लें

ज्ञान

बिजनेस डेस्क

आजकल लोग बैंक से लोन लेकर अपनी जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। इसमें होम लोन, कार लोन, एजुकेशन लोन और पर्सनल लोन आदि शामिल हैं। इसके अलावा बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों को बिजनेस शुरू करने के लिए बिजनेस लोन भी दिए जाते हैं। बिजनेस लोन का इस्तेमाल लोग मशीनरी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों और बिजनेस में निवेश करने के लिए ले सकते हैं। अगर आप भी खुद का बिजनेस शुरू करने वाले हैं और निवेश के लिए बिजनेस लोन लेने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको बिजनेस लोन के प्रकार के बारे में जरूर पता होना चाहिए। आज हम इस रिपोर्ट के जरिये आपको बताएंगे कि बिजनेस लोन के कितने प्रकार होते हैं।

बिजनेस टर्म लोन

बिजनेस टर्म लोन वह लोन होता है, जिसमें एक निश्चित राशि निश्चित अवधि के लिए दी जाती है। इस लोन को नियमित किश्तों के जरिए चुकाना होता है।

बिजनेस वर्किंग कैपिटल लोन

बिजनेस वर्किंग कैपिटल लोन वह लोन होता है, जो कि एक व्यवसाय को उसकी दैनिक परिचालनों के खर्चे को पूरा करने के लिए दिया जाता है। यह लोन बिजनेस में कैश की समस्या से जूझ रहे लोगों को दिया जाता है। यह लोन आमतौर पर कर्मचारियों को वेतन देने, इन्वेंट्री खरीदने जैसी जरूरतों को पूरा करने के लिए दिया जाता है।

प्रोफेशनल बिजनेस लोन

प्रोफेशनल बिजनेस लोन सेल्फ-एंप्लॉयड पेशेवरों को दिया जाता है। इसमें डॉक्टर, आर्किटेक्ट, सीए जैसे पेशेवर शामिल होते हैं। सेल्फ-एंप्लॉयड पेशेवर अपने बिजनेस की जरूरतों को पूरा करने के लिए ये लोन ले सकते हैं।

मशीनरी फाइनेंस लोन

मशीनरी फाइनेंस लोन वह बिजनेस लोन होता है, जो कि बिजनेस से संबंधित मशीनरी या उपकरणों को खरीदने के लिए लिया जाता है।

क्या है बिजनेस लोन

बिजनेस लोन एक प्रकार का ऋण है जो व्यवसायों को उनके वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रदान किया जाता है। यह ऋण व्यवसायों को अपने कारोबार को बढ़ाने, विस्तार करने, या वित्तीय चुनौतियों का सामना करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है।

बिजनेस लोन के प्रकार

- **कार्यशील पूंजी ऋण :** यह ऋण व्यवसायों को अपने दिन-प्रतिदिन के कार्यों को चलाने के लिए आवश्यक पूंजी प्रदान करता है।
- **व्यवसाय विस्तार ऋण :** यह ऋण व्यवसायों को अपने कारोबार को बढ़ाने और विस्तार करने के लिए आवश्यक पूंजी प्रदान करता है।
- **मशीनरी ऋण :** यह ऋण व्यवसायों को नई मशीनरी और उपकरण खरीदने के लिए आवश्यक पूंजी प्रदान करता है।
- **व्यवसाय अधिग्रहण ऋण :** यह ऋण व्यवसायों को अन्य व्यवसायों को अधिग्रहण करने के लिए आवश्यक पूंजी प्रदान करता है।

बिजनेस लोन के लाभ

- **वित्तीय सहायता:** बिजनेस लोन व्यवसायों को उनके वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है।
- **व्यवसाय वृद्धि:** यह ऋण व्यवसायों को अपने कारोबार को बढ़ाने और विस्तार करने में मदद करता है।
- **लचीलापन:** बिजनेस लोन व्यवसायों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक लचीलापन प्रदान करता है।
- बिजनेस लोन एक महत्वपूर्ण वित्तीय साधन है जो व्यवसायों को उनके वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है। यह ऋण व्यवसायों को अपने कारोबार को बढ़ाने और विस्तार करने में मदद करता है, और उन्हें वित्तीय चुनौतियों का सामना करने में मदद करता है।

ऐसे ले सकते हैं बिजनेस लोन

- वित्तीय जरूरतों का आकलन करें: अपने व्यवसाय की वित्तीय जरूरतों का आकलन करें और यह तय करें कि आपको कितनी राशि की आवश्यकता है।
- ऋणदाता का चयन करें: विभिन्न ऋणदाताओं की तुलना करें और अपने लिए सबसे अच्छा विकल्प चुनें।
- आवश्यक दस्तावेज़ इकट्ठा करें: आवश्यक दस्तावेज़ जैसे कि व्यवसाय का पंजीकरण प्रमाण पत्र, आयकर रिटर्न, बैलेंस शीट, और अन्य वित्तीय दस्तावेज़ इकट्ठा करें।
- आवेदन पत्र भरें: ऋणदाता के आवेदन पत्र को भरें और आवश्यक दस्तावेज़ संलग्न करें।
- आवेदन जमा करें: आवेदन पत्र और दस्तावेज़ ऋणदाता को जमा करें।
- प्रोसेसिंग और मंजूरी: ऋणदाता आपके आवेदन की जांच करेगा और आपको मंजूरी देगा या नहीं।

आवश्यक दस्तावेज़

■ व्यवसाय का पंजीकरण प्रमाण पत्र ■ आयकर रिटर्न ■ बैलेंस शीट ■ व्यवसाय योजना ■ पहचान प्रमाण ■ पता प्रमाण

यह भी जानिये

- वित्तीय दस्तावेज़ को अद्यतन रखें : अपने वित्तीय दस्तावेज़ को अद्यतन रखें ताकि आपको ऋण के लिए आवेदन करने में आसानी हो।
- शर्तों को ध्यान से पढ़ें : ऋणदाता की शर्तों को ध्यान से पढ़ें और समझें कि आपको क्या करना होगा।
- समय पर भुगतान करें : समय पर भुगतान करें ताकि आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा रहे।

करवा लें ट्रैवल इंश्योरेंस, हादसे के समय देता है आर्थिक सहारा

● बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान हादसे के बाद आर्थिक सुरक्षा का सवाल ●

जरूरत

बिजनेस डेस्क

अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लंदन के लिए उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एयर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान गुरुवार दोपहर (12 जून) को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान शहर के मेघानी इलाके में गिरा, जहां से काले धुएं का एक बड़ा गुबार उठा और राहत व बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचा। हादसे में 241 यात्रियों और 33 अन्य लोगों समेत कुल 274 लोगों की जान चली गई। इस हादसे के बाद लोगों में आर्थिक सुरक्षा का सवाल उठने लगा है। ऐसे में ट्रैवल इंश्योरेंस कराना बेहद जरूरी हो जाता है। ताकि ऐसे किसी हादसे में अनहोनी के बाद आपका परिवार को कुछ सहारा मिल सके। अहमदाबाद विमान यह त्रासदी एक बार फिर हमें याद दिलाती है कि यात्रा में हमेशा संभावनाएं होती हैं, लेकिन जोखिम भी उतना ही बड़ा होता है। ऐसी अनहोनी घटनाओं के बीच ट्रैवल इंश्योरेंस की भूमिका एक विकल्प नहीं, बल्कि ज़रूरत बन जाती है। आइए, समझते हैं हमारे एक्सपर्ट्स से कि क्यूं आज के समय में ट्रैवल इंश्योरेंस कराना बहुत जरूरी है।

जब ज़िंदगी अचानक बदल जाए

ऐसे हादसों में एक सही बीमा पॉलिसी आर्थिक रूप से टूटे परिवार को सहारा देने का काम कर सकती है। वे कहते हैं कि अगर किसी यात्री की जान दुर्घटना में चली जाती है, तो ट्रैवल इंश्योरेंस के तहत मिलने वाला एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट परिवार को 10 से 15 लाख तक की राहत राशि दे सकता है (यदि बीमित राशि करीब $1.5 लाख हो)। यह मदद उस समय आती है जब परिवार मानसिक और आर्थिक रूप से सबसे ज्यादा असहाय होता है। तो यह मदद उसे एक सांत्वना के रूप में उसके मनोबल को बढ़ा सकती है। हादसे में कमाने वाला ही चला जाए तो इस मदद से परिवार को बड़ी राहत मिल सकती है। ऐसे में ट्रेलव इंश्योरेंस करवाना फायदे का सौदा है।

मेडिकल एवैक्यूएशन से लेकर पार्थिव शरीर की वापसी तक

केवल मृत्यु ही नहीं, अगर कोई यात्री विदेश में गंभीर रूप से घायल होता है तो ट्रैवल इंश्योरेंस के अंतर्गत उसका इलाज, अस्पताल में भर्ती और जरूरत पड़ने पर एयर एम्बुलेंस से दूसरी जगह शिफ्ट करने का खर्च भी बीमा कंपनी वहन करती है। और अगर किसी की मौत हो जाए, तो उसके पार्थिव शरीर को स्वदेश लाने की पूरी प्रक्रिया और खर्च भी कवर होता है जो न केवल महंगा, बल्कि परिवार के लिए मानसिक रूप से भी चुनौतीपूर्ण होता है।

मानसिक सहारे की भी होती है ज़रूरत

ट्रैवल इंश्योरेंस केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक सहारा भी देता है। आजकल की कई पॉलिसियों में मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, शोक-संवेदना सहायता और इमरजेंसी सपोर्ट जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं, जो परिवार को मुश्किल वक्त में भावनात्मक मज़बूती देती हैं। जानकार कहते हैं कि हम जिंदगी में हर चीज़ को सुरक्षित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन सबसे ज़्यादा असुरक्षित उस वक़्त होते हैं, जब हम यात्रा कर रहे होते हैं।

समझदारी भरा फैसला

सच्चाई यह है कि कोई बीमा जिंदगी की भरपाई नहीं कर सकता, लेकिन यह संकट के समय में परिवार को सम्मान, सुविधा और समय पर मदद ज़रूर दे सकता है। एक छोटी सी रकम, जो टिकट बुकिंग के समय ट्रैवल इंश्योरेंस के रूप में चुकाई जाती है, वही आपातकाल में बड़ी राहत बन सकती है। इसलिए अगली बार जब आप किसी यात्रा की योजना बनाएं, तो टिकट के साथ बीमा भी ज़रूर लें। क्योंकि जोखिम का समय कभी बता कर नहीं आता, लेकिन उसकी तैयारी हमेशा होनी चाहिए।

क्या है ट्रैवल इंश्योरेंस

ट्रैवल इंश्योरेंस एक प्रकार का बीमा है जो आपको यात्रा के दौरान होने वाली अप्रत्याशित घटनाओं से बचाता है। यह बीमा आपको वित्तीय नुकसान से बचाने में मदद करता है जो यात्रा के दौरान हो सकता है, जैसे कि यात्रा रद्द होना, चिकित्सा आपातकाल, सामान की चोरी या नुकसान, और अन्य।

ट्रैवल इंश्योरेंस के लाभ

- **यात्रा रद्द होने पर कवरेज :** ट्रैवल इंश्योरेंस यात्रा रद्द होने पर वित्तीय नुकसान से बचाता है।
- **चिकित्सा आपातकाल कवरेज:** यह बीमा आपको चिकित्सा आपातकाल के दौरान होने वाले खर्चों को कवर करता है।
- **सामान की चोरी या नुकसान कवरेज:** ट्रैवल इंश्योरेंस आपको सामान की चोरी या नुकसान के मामले में वित्तीय नुकसान से बचाता है।
- **यात्रा में देरी कवरेज:** यह बीमा आपको यात्रा में देरी के कारण होने वाले अतिरिक्त खर्चों को कवर करता है।

ट्रैवल इंश्योरेंस के प्रकार

- **डोमेस्टिक ट्रैवल इंश्योरेंस:** यह बीमा घरेलू यात्राओं के लिए होता है।
- **इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस:** यह बीमा अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के लिए होता है।
- **सिंगल ट्रिप इंश्योरेंस:** यह बीमा एकल यात्रा के लिए होता है।
- **एनुअल मल्टी-ट्रिप इंश्योरेंस:** यह बीमा एक वर्ष के दौरान कई यात्राओं के लिए होता है।
- ट्रैवल इंश्योरेंस एक महत्वपूर्ण बीमा है जो आपको यात्रा के दौरान होने वाली अप्रत्याशित घटनाओं से बचाता है। यह बीमा आपको वित्तीय नुकसान से बचाने में मदद करता है और आपको यात्रा के दौरान अधिक सुरक्षित और तनावमुक्त महसूस करने में मदद करता है।

तैयारी रिटायरमेंट के बाद खर्च का इंतजाम सही ढंग से करने के लिए करें निवेश

इक्विटी, गोल्ड व डेट में बांटकर करें निवेश तभी बेहतर बनेगा बैलेंस्ड रिटायरमेंट प्लान

○ इक्विटी में ज़्यादा निवेश करने से बेहतर रिटर्न मिल सकता है ○ इसे डेट और गोल्ड जैसे सुरक्षित निवेश के साथ बैलेंस करना जरूरी

तीनों से मजबूत पोर्टफोलियो बनाता है जो हर हालात में आपके काम आता

समझदारी

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट के बाद खर्च कैसे चलेगा, इसकी फिक्र हर नौकरीपेशा शख्स को रहती है। भविष्य को सुरक्षित और आरामदायक बनाना है, तो समय रहते सही निवेश की योजना बनाना जरूरी है। अगर आप एक सही रिटायरमेंट प्लान के लिए असरदार रणनीति की तलाश में हैं, तो इनवेस्टमेंट का बैलेंस्ड अप्रोच लेकर चलना होगा। इसका मतलब ये कि आप अपने पैसों को किसी एक ही एसेट क्लास में इनवेस्ट करने की जगह इक्विटी, गोल्ड और डेट जैसे तीन प्रमुख एसेट क्लास में बांटकर निवेश करें। यह डायवर्सिफिकेशन आपको बाजार की अस्थिरता और इंफ्लेशन के असर से बचाते हुए लंबे समय में बेहतर रिटायरमेंट कॉर्पस तैयार करने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

इक्विटी से होगा लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन

अगर आप लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएशन करना चाहते हैं, तो इक्विटी में निवेश इसका बेहतरीन तरीका हो सकता है। यह निवेश आप सीधे शेयर बाज़ार में या इक्विटी म्यूचुअल फंड के जरिये कर सकते हैं। भारत के कई डायवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स देश की इकनॉमिक ग्रोथ स्टोरी में हिस्सेदारी के जरिये पिछले 15-20 या उससे ज्यादा अवधि के दौरान भी सालाना 12 फीसदी या उससे ज्यादा एवरेज रिटर्न देते रहे हैं। हालांकि, इक्विटी में उतार-चढ़ाव ज्यादा होता है। अगर आप युवा हैं और आपकी निवेश अवधि लंबी है, तो इक्विटी में ज़्यादा निवेश करने से बेहतर रिटर्न मिल सकता है, लेकिन इसे डेट और गोल्ड जैसे सुरक्षित निवेश के साथ बैलेंस करना जरूरी है, ताकि रिस्क का लेवल कम रहे।

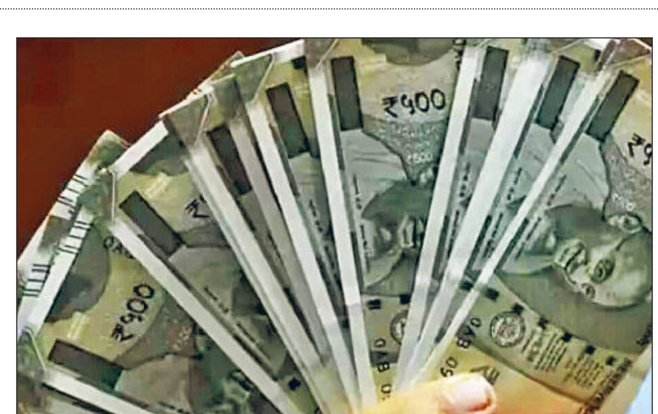

डेट में निवेश से मिलेगी स्टेबिलिटी और सुरक्षा

डेट इनवेस्टमेंट में सरकारी बॉन्ड, फिक्स्ड डिपॉजिट और डेट म्यूचुअल फंड आते हैं. ये निवेश इक्विटी की तुलना में कम रिस्की होते हैं. इनमें एफडी और पीपीएफ जैसे कई निवेश रेगुलर और फिक्स्ड रिटर्न देने के लिए जाने जाते हैं. शेयर बाजार में गिरावट के दौरान डेट में किया गया निवेश आपके पोर्टफोलियो को स्टेबिलिटी के साथ-साथ लिक्विडिटी भी भी देता है। अगर आप रिटायरमेंट के करीब हैं या अगले कुछ वर्षों में पैसों की जरूरत है, तो डेट में किया गया इनवेस्टमेंट काफी काम आता है. अगर डेट का सपोर्ट न हो तो बाजार में गिरावट का दौर मुश्किल में डाल सकता है।

गोल्ड यानी महंगाई और संकट से बचाने वाला निवेश

गोल्ड यानी सोने को दुनिया भर में एक सुरक्षित निवेश माना जाता है। जब भी आर्थिक या राजनीतिक संकट आते हैं, सोने की कीमत इसी वजह से बढ़ती है. यह महंगाई के खिलाफ हेजिंग का काम भी करता है यानी आपके निवेश की रियल वैल्यू को गिरने से बचाता है। आजकल फिजिकल गोल्ड के अलावा गोल्ड बॉन्ड, गोल्ड ईटीएफ या डिजिटल गोल्ड में निवेश करने के ऑप्शन भी मौजूद हैं। इनमें बेहतर लिक्विडिटी और सुरक्षा का फायदा मिलता है. अगर आप 5-10% हिस्सा गोल्ड में लगाते हैं, तो यह आपके रिटायरमेंट पोर्टफोलियो के डायवर्सिफिकेशन और सुरक्षा को बढ़ा सकता है।

रिटायरमेंट के लिए बैलेंस्ड पोर्टफोलियो कैसे बनाएं

रिटायरमेंट पोर्टफोलियो बनाते समय आपको अपनी उम्र, जोखिम लेने की क्षमता और निवेश की अवधि को ध्यान में रखना चाहिए. मिसाल के तौर पर अगर आप 30 साल के हैं, तो आपका फोकस लंबी अवधि के रिटर्न पर होना चाहिए, इसलिए इक्विटी का अनुपात 70-80% तक हो सकता है। वहीं 50 साल के व्यक्ति को अधिक स्टेबिलिटी और कम रिस्क पर जोर देते हुए डेट में निवेश को बढ़ाकर कम से कम 50 फीसदी तक ले जाना चाहिए. 55 साल की उम्र के बाद जब रिटायरमेंट करीब होता है, तब पूंजी की सुरक्षा सबसे जरूरी हो जाती है। ऐसे में इक्विटी का हिस्सा और भी घटाकर डेट और गोल्ड में निवेश बढ़ा देना चाहिए। अगर आप अपने पोर्टफोलियो के इस बैलेंस वक्त के साथ-साथ सही अनुपात में बदलते रहेंगे, तो आपका निवेश सुरक्षित होने के साथ ही साथ बढ़ता भी रहे।

बेफिक्र रिटायरमेंट के लिए बैलेंस्ड अप्रोच जरूरी

अगर आप चाहते हैं कि आपकी रिटायरमेंट लाइफ बिना पैसों की चिंता के आराम से बीते, तो अभी से सही रणनीति अपनाना जरूरी है. इक्विटी से ग्रोथ मिलेगी, डेट से सुरक्षा और गोल्ड से स्थिरता. साथ ही, अगर किसी एक एसेट क्लास में नुकसान होता है, तो बाकी दो इसे संभाल सकते हैं। तीनों एसेट क्लास मिलकर ऐसा मजबूत पोर्टफोलियो बनाते हैं जो हर हालात में आपके काम आ सकता है। एक बात और, इस रणनीति पर अमल की शुरुआत जितनी जल्दी करेंगे, रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी आर्थिक रूप से उतनी ही बेहतर बन पाएगी।

हरियाणा बाक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु की माता परमेश्वरी देवी के निधन पर फेडरेशन व खिलाड़ियों ने रखा दो मिनट का मौन

हरियाणा के आशीष पंजाब के नवजोत को पछाड़कर अगले दौर में, जीया ने आंध्र प्रदेश की प्रिया को हराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

राजीव गांधी खेल परिसर स्थित नेशनल बॉक्सिंग अकादमी में चल रही छठी अंडर-17 नेशनल जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप के तीसरे दिन शनिवार को रोमांचक मुकाबलों का सिलसिला जारी रहा। विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभाशाली युवाओं ने रिंग में अपनी तेज तर्रार मुक्केबाज़ी और तकनीक का दम दिखाया। ब्वायज कैटेगरी में हरियाणा के आशीष ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब के नवजोत को कड़े मुकाबले में हराकर अगले दौर में अपनी जगह बनाई। आशीष की मुक्केबाज़ी में आक्रामकता के साथ-साथ तकनीकी संतुलन भी देखने को मिला, जिसने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। वहीं गर्ल्स कैटेगरी में हरियाणा की जीया ने आंध्र प्रदेश की भार्गवी प्रिया को हराकर बढ़त बनाई। जीया की फुर्तीली चाल और सटीक पंचों ने विरोधी मुक्केबाज़ को टिकने का मौका नहीं दिया और मुकाबले की शुरुआत से ही उन्होंने बढ़त बना ली। प्रशासनिक निदेशक ओमबीर हुड्डा ने बताया कि चैंपियनशिप में अलग-अलग भारवर्गों में हो रहे मुकाबलों में युवा खिलाड़ियों ने अनुशासन, ऊर्जा और खेल भावना के साथ प्रदर्शन किया। तीसरे दिन के मुकाबलों में कई उभरते मुक्केबाजों ने अपने शानदार खेल से दर्शकों और कोचों को प्रभावित किया। छठी जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में देशभर की 32 टीमों के साथ-साथ टाटा स्टील व जेएसडब्ल्यू जैसी प्रमुख इकाइयों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता में 800 से अधिक मुक्केबाज भाग ले रहे हैं और प्रतियोगिता 25 जून तक चलेगी।

मेजर सत्यपाल सिंधु की माता के निधन पर शोक

इस दौरान गंभीर क्षण तब आया जब हरियाणा बाक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु की माता परमेश्वरी देवी के निधन की खबर सामने आई। उनकी आत्मा की शांति के लिए पूरी फेडरेशन और सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। यह पल आयोजन स्थल पर उपस्थित सभी लोगों के लिए भावुक कर देने वाला रहा।

ब्वायज केटेगरी के परिणाम

44-46 किलोग्राम
विग्नेश कोलार
थोना लुवांग
आकाश
उदय सिंह
प्रिंस गोवाला
आर्यन मुखी
जैनेश कुमार
साहिल कौरी

46-48 किलोग्राम
शिवदीप कुमार
लक्ख्या जीत
श्रेयांश
राहुल रंजन
गोपाल गणेशी

48-50 किलोग्राम
अमन देव
भार्गव
हर्षदीप जाधव
याराजुंतला ईश्वर
प्रीतम मंतेश
सागर राय
अर्जुन लमानी
लंचेंबा सिंह

50-52 किलोग्राम
अंकुश कुमार
टीकम सिंह
युवराज शेख
योगी शर्मा
आर रशवंत

52-54 किलोग्राम
दमन चौधरी
आशीष
लक्की यादव
साईं राज रास्कर

54-57 किलोग्राम
गौरगा दत्ता

लड़कियों के परिणाम

44-46 किलोग्राम
मालसांदांगकीमी
श्रीवर्षा
जीन्नत मलिक
गीता ओली
पलक
खुशीचंद

46-48 किलोग्राम
जीया
बनाश्री राय
तानवी कटोच
अफासा कालिया

48-50 किलोग्राम
नेहा मारायनी सीधी
अहाना शर्मा
साक्षी नाग
सुविधन्या डोडके
ममता रोट

50-52 किलोग्राम
नैना राणा
कृति अग्रवाल
मारया पामेय
अर्शी हनीफ

52-54 किलोग्राम
अदरिका सिंह हाडा
भूमि राणा
जन्नत
ममता

54-57 किलोग्राम
प्रतिमा
हर्षिता कुमारी
श्रवानी
मधुकर पाटिल

57-60 किलोग्राम
चेतन्या
शिमरजीत कौर
अर्तिना देवी
चाहत
यशादा भोसलें

60-63 किलोग्राम
धनती शाक्या
रिया

टेस्ट : सबसे कम स्कोर पर ऑलआउट होने वाली भारत चौथी टीम

पंत और बुमराह के जलवे के बीच पोप ने शतक लगाकर इंग्लैंड को मैच में लौटाया

एजेंसी ⏭ लीड्स

ऋषभ पंत के शानदार शतक के बाद जसप्रीत बुमराह ने अपनी तेज गेंदबाजी का जलवा दिखाया लेकिन ओली पोप के सैकड़े की मदद से इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को तीन विकेट पर 209 रन बना लिये। पोप 100 रन बनाकर खेल रहे हैं जबकि हैरी ब्रूक ने अभी खाता नहीं खोला है।

भारत के पहली पारी के स्कोर 471 रन से इंग्लैंड अभी 262 रन पीछे हैं। ब्रूक भाग्यशाली रहे कि आखिरी ओवर में बुमराह की जिस गेंद पर मोहम्मद सिराज ने उनका कैच लपका, वह नो बॉल करार दी गई। इंग्लैंड के सभी बल्लेबाजों को बुमराह ने परेशान किया हालांकि सर्रे के लिये काउंटी क्रिकेट खेलने वाले पोप ने उनका डटकर सामना किया। बुमराह ने पहले ही ओवर में जाक क्राउली (चार) को आउट करके इंग्लैंड को अच्छी शुरूआत करने से रोक दिया था। क्राउली पहली तीन गेंदों पर भी असहज दिखे और चौथी गेंद पर पहली स्लिप में करूण नायर को कैच दे बैठे।

पंत ने बनाए 134 रन

भारत के लिए राहुल और यशस्वी ने अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 91 रन जोड़े। शुभमन गिल ने 227 गेंदों का सामना किया और 19 चौके तथा एक छक्के की मदद से 147 रन बनाए। वहीं, ऋषभ पंत ने 178 गेंदों का सामना किया और 12 चौके और छह छक्के की मदद से 134 रन बनाए।

अनचाहे क्लब में शामिल

इसी के साथ भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के अनचाहे क्लब में शामिल हो गई। दरअसल, इन तीनों टीमों ने तीन शतक के बावजूद 500 का आंकड़ा नहीं छू पाया था। ऐसा ही कुछ भारतीय टीम के साथ भी हुआ। उसके तीन बल्लेबाजों ने शतक लगाए लेकिन टीम 500 का आंकड़ा नहीं छू पाई और इस दौरान सबसे छोटा स्कोर बनाया।

तीन शतक के बावजूद सबसे कम स्कोर पर ऑलआउट होने वाली टीमें

स्कोर	टीम	विपक्षी टीम	स्थान	वर्ष
471	भारत	इंग्लैंड	हेडिंग्ले	2025
475	द.अफ्रीका	इंग्लैंड	सेंचुरियन	2016
494	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड	हेडिंग्ले	1924
497	वेस्टइंडीज	भारत	कोलकाता	2002

पंत ने धोनी को पछाड़ा : ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा सात शतक लगाने वाले भारतीय विकेटकीपर बन गए। धोनी ने 90 टेस्ट में 4876 रन बनाए जिसमें छह शतक लगाए हैं।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी जायसवाल बो स्टोक्स	101	159	16	1
केएल राहुल का रूट बो कार्स	42	78	8	0
साई सुदर्शन का स्मिथ बो स्टोक्स	00	04	0	0
शुभमन गिल का टंग बो बशीर	147	227	19	1
ऋषभ पंत पगबाधा बो टंग	134	178	12	6
करुण नायर का पोप बो स्टोक्स	00	04	0	0
रविंद्र जडेजा बो टंग	11	15	2	0
शार्दुल का स्मिथ बो स्टोक्स	01	08	0	0
बुमराह का ब्रूक बो टंग	00	05	0	0
मोहम्मद सिराज नाबाद	03	07	0	0
प्रसिद्ध कृष्णा बो टंग	01	03	0	0

अतिरिक्त : 31, कुल : 113 ओवर में 471/10
गेंदबाजी : वोक्स 24-4-103-0, कार्स 22-5-96-1, टंग 20-0-86-4, स्टोक्स 20-1-66-4, बशीर 27-6-100-1

भारतीय महिला हॉकी टीम बेल्जियम से 1-5 से हारी

एंटवर्प। भारतीय महिला हॉकी टीम का एफआईएच प्रो लीग में लचर प्रदर्शन यहां शनिवार को भी जारी रहा जब टीम को बेल्जियम के खिलाफ 1-5 की करारी हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट के यूरोपीय चरण में यह भारतीय टीम की लगातार पांचवीं हार है। टीम ने इससे पहले लंदन में ऑस्ट्रेलिया और अर्जेन्टीना के खिलाफ दो-दो मैच गंवाए। शनिवार को दीपिका (छठे मिनट) ने भारत को बढ़त दिलाई लेकिन मध्यांतर के बाद बेल्जियम की टीम पूरी तरह हावी रही और हेलेन ब्रेसेर (37वें और 55वें), लूसी ब्रेन (41वें मिनट), एंब्रे बेलेंगहीन (54वें मिनट) और चार्लोट एंगलबर्ग (58वें मिनट) के गोल की बदौलत आसान जीत दर्ज करने में सफल रही।

जूनियर हॉकी टूर्नामेंट में जर्मनी से 1-7 से हारा

बर्लिन। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को यहां चार देशों के टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत मेजबान जर्मनी के खिलाफ 1-7 की हार के साथ की। जर्मनी ने मैच पर शुरुआत से ही नियंत्रण बना लिया जब निको किस्टीन ने चौथे मिनट में ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके टीम को 1-0 से आगे कर दिया। एलेक्स वॉन श्वेरिन (पांचवें मिनट) ने मैदानी गोल करके शुरुआती पांच मिनट में ही मेजबान टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी।

पुरूष हॉकीः बेल्जियम ने भारत को 6-3 से हराया

एंटवर्प। भारतीय टीम का एफआईएच पुरूष प्रो लीग हॉकी के यूरोपीय चरण में खराब प्रदर्शन जारी है और अब बेल्जियम ने उसे 6-3 से हराया जो उसकी लगातार सातवीं हार है। आर्थर वान डोरेन ने पहले ही मिनट में गोल करके दुनिया की तीसरे नंबर की टीम बेल्जियम को बढत दिला दी। इसके बाद 28वें मिनट में अलेक्जेंडर हेंडरिक्स ने एक और गोल करके यह बढत 2-0 की कर दी।

कुश्ती चैंपियनशिप

भारत ने जीता अंडर 23 एशियाई चैंपियनशिप का टीम खिताब

एजेंसी ⏭ वुंग ताऊ

भारतीय महिला पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-23 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में चार स्वर्ण और पांच रजत सहित सभी 10 वर्गों में एक-एक पदक जीतकर टीम खिताब अपने नाम किया। प्रियांशी प्रजापत (50 किग्रा), रीना (55 किग्रा), सृष्टि (68 किग्रा) और प्रिया (76 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते। भारत की पांच अन्य पहलवानों ने भी फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन आखिर में उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। नेहा शर्मा (57 किग्रा), तन्वी (59 किग्रा), प्रगति (62 किग्रा), शिक्षा (65 किग्रा) और ज्योति बेरवाल (72 किग्रा) ने रजत पदक जीते जबकि हिनाबेन खलीफा (53 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किया। ग्रीको-रोमन शैली में सुमित ने 63 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता जबकि नितेश (97 किग्रा) और अंकित गुलिया (72 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। पुरुषों की फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं में विक्की ने 97 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता जबकि निखिल (61 किग्रा), सुजीत कलकल (65 किग्रा), जयदीप (74 किग्रा), चंद्रमोहन (79 किग्रा) और सचिन (92 किग्रा) भी स्वर्ण पदक के लिए अपना दांव लगाएंगे।

खलिन ने की कोर्स रिकॉर्ड की बराबरी

मराकेश। भारत के खलिन जोशी ने दूसरे दौर में नौ अंडर 63 के स्कोर से यहां मोरक्को राइजिंग स्टार्स मराकेश गोल्फ टूर्नामेंट में कोर्स रिकॉर्ड की बराबरी की और तीसरे स्थान पर पहुंच गए। पहले दिन एक अंडर 71 का स्कोर बनाने वाले जोशी का कुल स्कोर 10 अंडर है। भारतीय-अमेरिकी गोल्फर वरुण चोपड़ा (67-66) और मोरक्को के अयूब एलगुइराटी (67-66) 11 अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अन्य भारतीयों में करणदीप कोच्चर (पांच अंडर 67) सात अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर हैं। जितेष संधू (दो अंडर 70) छह अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त 12वें जबकि राहिल गंगजी और अर्जुन शर्मा तीन अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त 36वें स्थान पर हैं।

नीरज 88.16 मीटर के थ्रो से बने डायमंड लीग चैंपियन, दो साल में जीता दूसरा खिताब

एजेंसी ⏭ पेरिस

ओलंपिक में दो बार के पदक विजेता भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा ने दो साल में अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता। शुक्रवार देर रात संपन्न प्रतियोगिता में 27 वर्षीय चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में 88.16 मीटर की दूरी तय करके खिताब जीता। इस प्रतियोगिता में कई स्टार खिलाड़ियों ने भाग लिया था जिसने पांच ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जो 90 मीटर की दूरी तय कर चुके हैं। चोपड़ा का दूसरा थ्रो 85.10 मीटर का था और इसके बाद उन्होंने अपने अगले तीन प्रयासों में फाउल किया। उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 82.89 मीटर का थ्रो किया। जर्मनी के जूलियन वेबर 87.88 मीटर के अपने शुरुआती प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे। ब्राजील के लुईज़ मौरिसियो दा सिल्वा ने 86.62 मीटर के अपने तीसरे प्रयास के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

नीरज के थ्रो

अटैम्प	थ्रो मीटर
1	88.16
2	85.10
3	फाउल
4	फाउल
5	फाउल
6	82.89

'मैं अपने थ्रो से खुश हूं। आज मेरा रन अप बहुत तेज था। मैं अपनी गति पर नियंत्रण नहीं रख सकता, लेकिन मैं परिणाम और पहले स्थान पर रहकर खुश हूं।'
- नीरज चोपड़ा

पेरिस का पहला खिताब

लगातार दो ओलंपिक में स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाले चोपड़ा ने डायमंड लीग में अपना आखिरी खिताब जून 2023 में लुसाने में 87.66 मीटर के थ्रो के साथ जीता था। उसके बाद वह डायमंड लीग की छह प्रतियोगिताओं में दूसरे स्थान पर रहे थे। हरियाणा के इस स्टार खिलाड़ी ने डायमंड लीग के पेरिस चरण में पहली बार जीत हासिल की। उन्होंने आखिरी बार 2017 में जूनियर विश्व चैंपियन के रूप में पेरिस डायमंड लीग में भाग लिया था और 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-नीलामी तिथि में संशोधन/शुद्धिपत्र
नीलामी सूचना सं.: 05/2025-26

माह जून-2025 के प्रकाशित ई-नीलामी की तिथि में संशोधन

माह जून-2025 के प्रकाशित ई-नीलामी तिथि में निम्नवत परिवर्तन किया जाता है:-

प्रकाशित ई-नीलामी तिथियां: 24 जून-2025
संशोधित ई-नीलामी तिथियां: 30 जून-2025
अधीनस्थ लॉट: बमंसाप्र/लखनऊ

नीलामी सूचना सं.-03/2025-26 के तहत प्रकाशित अन्य ई-नीलामी तिथियाँ एवं शर्ते यथावत रहेंगी। यह सूचना पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ner.indianrailways.gov.in पर भी देखा जा सकता है।

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक,
मुजाधि/एस-22 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर उधमपुर में सेना के जवानों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री का पाकिस्तान को दो टूक संदेश

भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों के समर्थन का भुगतना पड़ेगा परिणामः राजनाथ सिंह

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2025 के मौके पर जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सेना के कुल ढाई हजार जवानों के साथ अलग-अलग योगासन किए। साथ ही अपने संबोधन में उन्होंने एक ओर जवानों को योग के शारीरिक और मानसिक लाभ बताते हुए कहा कि यह अस्त-व्यस्त लोगों को तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं के सर्वमान्य समाधान के साथ एकाग्रता प्रदान करता है। वहीं, दूसरी ओर इसी योग से मिले आत्म नियंत्रण और आंतरिक शक्ति की बदौलत हमारे जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई को संयम, संतुलन और सटीकता के साथ पूरा किया है। इस सैन्य अभियान ने पाकिस्तान को यह साफ संदेश दे दिया है कि अब अगर उसने भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन किया। तो उसे उसके परिणाम भुगतने पड़ेंगे। साथ ही आतंकवाद से भारत को हजारों घाव देने का पाकिस्तानी अभियान अब सफल होने वाला नहीं है। भारत की धरती पर होने वाला कोई आतंकी हमला पाकिस्तान को बहुत महंगा पड़ने वाला है। रक्षा मंत्री के साथ सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और सेना की उत्तरी कमांड के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने भी इस योग कार्यक्रम में भाग लिया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

2 हजार 500 जवानों के साथ राजनाथ सिंह ने किए योगासन और प्राणायाम

यूं पाक को झुकना पड़ा

रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले के जरिए भारत की सामाजिक और सांप्रदायिक एकता को निशाना बनाया था। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर से हमने उन्हें अपना संदेश साफ कर दिया है कि अब भारत, पाकिस्तान के समर्थन से किए जाने वाले किसी भी आतंकी हमले को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने देश की 7 मई की कार्रवाई को 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक का नैसर्गिक परिणाम बताया। साथ ही ये भी स्पष्ट किया कि इसे इस तरह से अंजाम दिया गया था कि पाकिस्तान ने भारत से संघर्षविराम करने का अनुरोध किया और उसके बाद ही हमने ऑपरेशन सिंदूर को रोका था। लेकिन ये अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है और भारत आतंकवाद के खिलाफ हर तरह की कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। भारत ने विश्व को शस्त्र नहीं शास्त्र दिए हैं। योग हमारा सबसे प्रभावशाली शास्त्र है। जो न शोर करता है, न दिखावा, बस खामोशी से दुनिया को बदल रहा है।

मेजर शर्मा, ब्रिगेडियर उस्मान को किया याद

राजनाथ के मुताबिक, पहलगाम हमले के जरिए पाकिस्तान हमारे देश को अंदर से कमजोर करना चाहता है। लेकिन उसे ये कभी नहीं भूलना चाहिए कि मेजर सोमनाथ शर्मा और ब्रिगेडियर उस्मान ने भी देश की एकता और अखंडता के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। योग अभ्यास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसका सही अर्थ भी याद रखना चाहिए। जो समाज के प्रत्येक वर्ग को भारत की संस्कृति और आत्मा से जोड़ता है। अगर एक भी वर्ग पीछे छूट जाता है तो एकता, सुरक्षा का पहिया टूट जाता है। जिसकी वजह से हमें सिर्फ शारीरिक स्तर पर नहीं बल्कि सामाजिक, वैचारिक स्तर पर योग करना चाहिए।

प्राचीन परंपरा को मिली वैश्विक मान्यता

उन्होंने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के 'योग विश्व का उपहार है' के कथन को दोहराया। साथ ही कहा, ये सिर्फ एक कूटनीतिक कथन नहीं है। बल्कि एक दृष्टिकोण है। योग के जरिए भारत ने दुनिया को एक ऐसा साधन दिया है। जो किसी भी सीमा, धर्म और संस्कृति से परे है। 2025 में योग की विषय वस्तु एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य, एक विश्व के संदेश को समझाते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत न केवल अपने लिए बल्कि विश्व के कल्याण के बारे में भी सोचता है। संपूर्ण विश्व एक परिवार है और उसका कल्याण करना हमारी सोच का हिस्सा है। ये मौन रूप से दुनिया को बदल रहा है। हर नागरिक को इस बात पर गर्व होना चाहिए कि भारत की प्राचीन परंपरा को वैश्विक मान्यता के साथ स्वीकृति मिल रही है। रक्षा मंत्री के अलावा रक्षा राज्य मंत्री, रक्षा सचिव और तीनों सेनाप्रमुखों ने भी देश के अलग-अलग भागों में आयोजित किए गए योग कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

आवेदक अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल 'प्राइवेसी' को 'पब्लिक' करें

यह जानकारी अमेरिका के विदेश विभाग ने एक बयान जारी कर दी

वीजा पाने के इच्छुक छात्रों के लिए अमेरिका का जरूरी निर्देश...

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

अवैध प्रवासियों को तेजी से बाहर का रास्ता दिखाने की प्रक्रिया के बीच अमेरिका ने वीजा चाहने वाले सभी छात्रों को आवेदन के साथ ही अपने तमाम सोशल मीडिया प्रोफाइल की प्राइवेसी सेटिंग को बदलकर सार्वजनिक यानी पब्लिक करने का निर्देश दिया है। शनिवार को जारी किए गए एक बयान में अमेरिकी विदेश विभाग ने यह जानकारी दी। जिसमें बताया कि एफ, एम और जे गैर-प्रवासी अमेरिकी वीजा जो कि मुख्यतः छात्रों से संबंधित है। उन्हें अपने तमाम सोशल मीडिया प्रोफाइल की 'प्राइवेसी' सेटिंग को बदलकर 'पब्लिक' करना पड़ेगा। क्योंकि अब ये बिंदु भी छात्रों को अमेरिकी वीजा प्रदान करने से पहले होने वाली जांच-पड़ताल का एक अहम भाग होगा। यहां बता दें कि हाल ही में अमेरिका द्वारा नए आवेदकों को वीजा प्रदान करने के लिए साक्षात्कार से जुड़ी अपॉइंटमेंट तारीखों की शुरुआत करने की घोषणा की गई थी। इसके बाद ही सोशल मीडिया प्रोफाइल से संबंधित ये निर्णय सामने आया है। पिछले मई के महीने के अंत में नए सोशल मीडिया दिशानिर्देशों के साथ अमेरिका ने विदेशी छात्रों के लिए वीजा जारी करने पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी। अनुमानित आंकड़ों के हिसाब से वर्तमान में भारत के कुल करीब 3 लाख से अधिक छात्र अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालयों में शिक्षा ले रहे हैं। विदेशों में खासतौर पर उच्च-शिक्षा के मामले में अमेरिका भारतीय छात्रों की पहली पसंद है।

वीजा मिलने के बाद जारी रहेगी जांच

अमेरिका के विदेश विभाग ने एक बार फिर से दोहराते हुए कहा कि अमेरिका का वीजा किसी का अधिकार नहीं बल्कि विशेषाधिकार है। ऐसे में एक बार वीजा जारी होने के बाद भी इसकी जांच रुकने वाली नहीं है। बल्कि यह लगातार चलती रहेगी। अगर कोई व्यक्ति अमेरिका के कानून को तोड़ेगा तो अधिकारी वीजा जारी होने के बाद भी उसे रद्द कर देंगे। वीजा स्क्रीनिंग में हम हर तरह की जानकारी का प्रयोग करेंगे। जिसमें उन लोगों की पहचान करना भी शामिल होगा। जो इसके लिए पात्र नहीं हैं और जो अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। नए निर्देशों में एक व्यापक और प्रभावी पड़ताल करेंगे। जिसमें आवेदकों की ऑनलाइन उपस्थिति की जांच शामिल है।

वीजा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा निर्णय

अमेरिका ने छात्र वीजा आवेदकों से साक्षात्कार के लिए अपॉइंटमेंट की तारीख के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए निकट स्थित अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास से संपर्क करने की सलाह दी है। साथ ही ये भी स्पष्ट किया है कि अमेरिका का प्रत्येक वीजा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ निर्णय है। जिसके जरिए कोशिश ये ही है कि जो लोग भी वीजा के जरिए अमेरिका आ रहे हैं। वो अमेरिकी नागरिकों और हमारे राष्ट्रीय हितों को नुकसान न पहुंचाए।